शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम ने भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए नैनो तकनीक के इस्तेमाल.. @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 03 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-215

अवैध मदरसे में ठूंस ठूंस कर रखी सैकड़ों लड़कियां मिलीं

सोने की जगह लगे थे कैमरे, निगरानी कर रहे थे मर्द

रतलाम, 02 अगस्त (एजेंसियां)। एक कमरा। नीचे दरी बिछी हुई। कहीं कहीं पर वह भी नहीं। सफेद संगमरमर का फर्श। उस खुले पत्थर पर सो रही थीं 30 से 35 छोटी-छोटी बच्चियां। यह कमरा किसी दड़बे से कम नजर नहीं आ रहा था। दूर से देखने और पास जाने पर जो अनुभव हो रहा था, वह यही है कि किसी ने इंसानों के बच्चों को भेड़-बकरियों की तरह एक कमरे में कठोरता के साथ ठूंस दिया हो। मजहब की तालीम के नाम पर बच्चियों पर भीषण मानसिक और शारीरिक जुल्म ढाया जा रहा है।

यह दृश्य किसी उपन्यास का नहीं है। यह दृश्य मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में संचालित उस मदरसे का है, जहां इस्लामी नियम से दीन की तालीम के नाम पर पांच साल से लेकर 15 साल तक की बच्चियों को वह भी नीचे बिना चटाई के फर्श पर दर्द से कराहती पाई गई। मध्य प्रदेश राज्य बाल संरक्षण आयोग (एससीपीसीआर) जब अचानक यहां पहुंचा तो स्थितियां देखकर दंग रह गया। एससीपीसीआर की सदस्य डॉ. निवेदिता शर्मा जैसे ही बालिकाओं से मिलने मदरसा दारुल उलूम आयशा सिद्दीका लिलबिनात के अंदर कक्ष में गईं तो बच्चियों की हालत देखकर वे भावुक हो गईं। उन्होंने मदरसा संचालकों से पूछा, मेरे प्रदेश की बेटियों को भेड़-बकरियों की तरह कैसे रखा? ▶10पर

मजहब की तालीम के नाम पर बच्चियों पर ढाया जा रहा जुल्म

1505 मदरसों में इस्लामिक पढ़ाई करते मिले 9427 हिंदू बच्चे

अलग-अलग कमरों में ठूंस-ठूंस कर रखा गया है। इनमें से एक बच्ची जिसे तेज बुखार है,

मदरसों में पाई गईं भारी अनियमितताएं

भोपाल, 02 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में सरकार ने यह पाया है कि मान्यता प्राप्त 1505 मदरसों में 9427 हिंदू बच्चे पढ़ रहे हैं, जबकि उन्हें दीनी तालीम मुहैया कराने की अनुमति नहीं ली गई है। प्रदेश के अकेले श्योपुर जिले में कुल 80 मान्यता प्राप्त मदरसे संचालित हो रहे थे, जिनमें से 54 को राज्य सरकार से अनुदान मिल रहा था। वहीं, 2 गैर मान्यता प्राप्त मदरसे हैं जिनमें भारी अनियमितताओं के बाद उन्हें बंद करने का निर्णय लिया गया।इस संबंध में पहले ही स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्र में संचालित सभी शिक्षण संस्थानों का नियमित निरीक्षण करें। उन्होंने कहा है कि सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए और उन्हें राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। दूसरी ओर मध्य प्रदेश मदरसा बोर्ड ने भी इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है ▶10पर

मध्य प्रदेश में 56 अवैध मदरसों पर ताले लगे

भोपाल, 02 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार ने श्योपुर जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 56 मदरसों की मान्यता रद कर दी है। जिला शिक्षा अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में इन सभी मदरसों से जुड़ीं अनेक खामियां उजागर की थीं और इन्हें बंद करने के लिए सरकार से आग्रह किया था। श्योपुर जिले के शिक्षा अधिकारी ने जांच में पाया कि ये सभी मदरसे शासन द्वारा सभी आर्थिक लाभ तो ले रहे थे, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता से खिलवाड़ करते हुए बच्चों के भविष्य को अंधकार में डुबो रहे थे। नियमों के अनुसार संचालित नहीं पाए जाने पर राज्य सरकार को एक विस्तृत रिपोर्ट भेजकर इन सभी मदरसों को बंद करने के लिए निवेदन किया। इन बंद हुए 56 मदरसों में से 2 अवैध मदरसे भी हैं। मध्य प्रदेश राज्य बाल संरक्षण आयोग (एससीपीसीआर) की सदस्य डॉ. निवेदिता शर्मा ने कहा कि मैं अभी कुछ समय पूर्व ही श्योपुर कलां के ▶10पर

फर्जी मदरसों से भर गई है देवभूमि उत्तराखंड

देहरादून, 02 अगस्त (एजेंसियां)। देहरादून सहित उत्तराखंड के चारों मैदानी जिलों में फर्जी मदरसे बेखौफ पसरते चले जा रहे हैं। राष्ट्रीय और उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा जिला अधिकारियों को तलब किए जाने के बावजूद जिला प्रशासन नकेल कसने को तैयार नहीं है। इसके पीछे प्रशासनिक अधिकारियों का भ्रष्टाचार मुख्य कारण है। उत्तराखंड में 400 से अधिक मदरसे अवैध रूप से चल रहे हैं, जिन पर नकेल कसा जाना आवश्यक है।न यूपी, असम और मध्य प्रदेश में अवैध मदरसे बंद करने की कार्रवाई जारी है, लेकिन पड़ोसी राज्य उत्तराखंड पर इसका कोई असर नहीं पड़ रहा। यूपी की योगी सरकार के भय से कई मदरसों के संचालकों ने देवभूमि उत्तराखंड की तरफ रुख कर लिया है। देवबंद से दारुल उलूम मदरसा, जमीयत उलेमा ए हिंद, तबलीगी जमात, मुस्लिम सेवा संगठन इसमें सहयोग कर रहे हैं। ▶10पर

भ्रष्टाचारियों के चक्रव्यूह पर कस रहा ईडी का शिकंजा

सपा सांसद की संपत्ति जब्त कांग्रेस का पूर्व मंत्री गिरफ्तार

नई दिल्ली/लखनऊ, 02 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के जौनपुर से नवनिर्वाचित सांसद एवं पूर्व प्रसिद्ध घोटालेबाज बाबू सिंह कुशवाहा की लखनऊ स्थित बेशकीमती जमीन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जब्त कर ली गई। ईडी ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई है। समाजवादी पार्टी के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा की करोड़ों की जमीन कानपुर रोड स्थित स्कूटर इंडिया के सामने है। ईडी की टीम अवैध निर्माण तोड़ने के लिए बुलडोजर भी साथ ले गई थी।

बसपा सरकार में हुए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनअ-ारएचएम) घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल तत्कालीन मंत्री और समाजवादी पार्टी के मौजूदा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा की लखनऊ स्थित उस बेशकीमती जमीन पर बाबू सिंह कुशवाहा द्वारा संचालित हिंदी अखबार की प्रिंटिंग मशीन भी लगी है। साथ ही कृषि योग्य भूमि भी है। ईडी को बाबू सिंह कुशवाहा की संपत्तियों की जांच में इस जमीन की जानकारी मिली थी। भ्रष्टाचार से अर्जित इस भूमि को ईडी ने जब्त कर लिया है। एनआरएचएम घोटाले में बाबू सिंह कुशवाहा लगातार कई वर्षों तक जेल में भी बंद रहे। दस वर्षों से ईडी बाबू सिंह कुशवाहा के खिलाफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत जांच कर रही है। ▶10पर

टीएमसी नेता और भाई राशन घोटाले में गिरफ्तार

कोलकाता, 02 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राशन घोटाला मामले में तृणमूल कांग्रेस नेता अनीसुर रहमान और उसके भाई अलिफ नूर उर्फ मुकुल रहमान को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार सुबह दोनों से सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित ईडी कार्यालय में पूछताछ की गई थी। 14 घंटे की पूछताछ के बाद देर रात उनकी गिरफ्तारी की गई।इससे पहले ईडी राज्य के पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय (बालू) मलिक और उसके ▶10पर

टूट रहा कांग्रेस का भ्रष्टाचारी चक्रव्यूह पूर्व मंत्री गिरफ्तार

जालंधर, 02 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र में कांग्रेस का नेतृत्व चक्रव्यूह-चक्रव्यूह खेल रहा है, जबकि धरातल पर कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार के कई पुराने चक्रव्यूह टूट रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंजाब में कांग्रेस के पूर्व खाद्य आपूर्ति मंत्री रहे भारत भूषण आशु को गिरफ्तार किया है। आशु पर आरोप है कि उसने गेहूं की निविदा में करोड़ों रुपए का घोटाला किया। गेहूं की ढोआई में जिन वाहनों ▶10पर

दिल्ली सरकार ध्वस्त होने की कगार पर, शासन पंगु हुआ

दिल्ली शेल्टर होम में 20 दिन में 13 बच्चों की मौत

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ध्वस्त होने की कगार पर पहुंच चुका है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में है और दिल्ली शासन पंगु हो चुका है। मंत्रियों में शासन प्रशासन संभालने की कोई कूवत नहीं। इस अराजकता की वजह से सरकारी बाल संरक्षण गृहों में बच्चों को खाना नहीं मिल रहा, जिससे कुपोषण के कारण उनकी मौत हो रही है। दिल्ली के आशा किरण शेल्टर में बीते 20 दिनों में 13 बच्चों की मौत हो चुकी है। इस साल यानी सात महीने के अंदर 27 बच्चों की मौत हो चुकी है। विभागीय मंत्री आतिशी मार-लेना बेझिझक कहती हैं कि उन्हें तो बच्चों की मौत की जानकारी मीडिया से मिली। फिर भी उन्हें भरोसा नहीं होता। बड़े ही निष्ठुर भाव से कहती हैं, अगर यह

⇨ इस साल संरक्षण गृह के 27 बच्चों की हो चुकी है मौत

⇨ आईएएस कोचिंग संस्था हादसे की जांच सीबीआई करेगी

खबर सच है तो इसकी जांच कराऊंगी। अभी पिछले ही दिनों दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित आईएएस कोचिंग संस्थान में बारिश के पानी में घिरे कई मेधावी बच्चों की दुखद मौत हो गई थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले की जांच सीबीआई को दे दी है। दिल्ली सरकार के आशा किरण शेल्टर होम में 20 दिनों में 13 बच्चों की मौत को लेकर फैक्ट फाइंडिंग टीम का गठन किया गया है। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी मारलेना ने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। ▶10पर

छात्रों के डूबने से हुई मौत की जांच सीबीआई करेगी : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली हाईकोर्ट ने ओल्ड राजेंद्र नगर के राव आईएएस एकेडमी के बेसमेंट में भरे बारिश के पानी में डूबकर हुई तीन विद्यार्थियों की मौत की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है। हाईकोर्ट ने इस निर्णय के पीछे घटना की गंभीरता और लोकसेवकों के भ्रष्टाचार में संलिप्तता की आशंका को कारण बताया है। हाईकोर्ट ने एमसीडी, दिल्ली पुलिस और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को भी लताड़ लगाई है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार (2 अगस्त 2024) को इस मामले की सुनवाई की। हाईकोर्ट ने केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) को निर्देश दिया कि वह संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों की मौत के मामले की सीबीआई जांच की निगरानी करने के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी को नामित करे। साथ ही स्थिति की समीक्षा के लिए तीसरे पक्ष से ऑडिट का भी आदेश दिया।

हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि यह निष्कर्ष निकालना गलत नहीं होगा कि दिल्ली की नागरिक एजेंसियों के पास प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए आवश्यक धन की कमी है। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली का अधिकांश बुनियादी ढांचा, जैसे कि नालियां, पुरानी हो चुकी हैं। इन्हें लगभग 75 साल पहले बनाया गया था। इन सबका अपर्याप्त एवं बेहद खराब रख-रखाव है। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 72,730/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 85,605/- (प्रति किलोग्राम)

इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की जांच के लिए एसआईटी की मांग खारिज

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर राजनीतिक दलों और कॉरपोरेट के बीच चंदे के कथित लेन-देन की जांच कराने की मांग की गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए इस मांग को ठुकरा दिया है और याचिकाओं को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही इलेक्टोरल बॉन्ड योजना पर रोक लगा चुका है।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस स्तर पर हस्तक्षेप करना अनुचित और बचकाना होगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस धारणा पर चुनावी बॉन्ड

की खरीद की जांच का आदेश नहीं दे सकती कि यह अनुबंध परस्पर लाभ पर आधारित था। पीठ ने कहा कि अदालत ने चुनावी बॉन्ड को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर इसलिए विचार किया क्योंकि इसमें न्यायिक समीक्षा का पहलू था, लेकिन आपराधिक गलत कामों से जुड़े मामले अनुच्छेद 32 के तहत नहीं आने चाहिए, जबकि कानून के तहत अन्य उपाय उपलब्ध हैं।

सुप्रीम कोर्ट गैर सरकारी संगठनों कॉमन कॉज और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (सीपीआईएल) और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। साथ ही दो अन्य याचिकाएं डॉ. खेम सिंह भट्टी और सुदीप नारायण तमानकर और जयप्रकाश शर्मा द्वारा दाखिल की गई थीं। दोनों गैर सरकारी संगठनों ने जनहित याचिका में इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की आड़ में राजनीतिक दलों और कॉरपोरेट के बीच परस्पर फायदे के लिए लेन-देन करने का आरोप लगाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने बीते दिनों इलेक्टोरल बॉन्ड योजना पर रोक लगा दी थी और कहा था कि यह योजना संविधान के अनुच्छेद 19 (1) का उल्लंघन करती है। सर्वोच्च न्यायालय ने इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए थे। साथ ही इलेक्टोरल बॉन्ड जारी करने वाले बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को नए बॉन्ड जारी करने से रोक दिया था।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 21°

गाजा से ईरान और लेबनान तक इज़राइल के दुश्मन हो रहे ढेर

प. एशिया में तनाव मोसाद के कारनामों की कहानी चर्चा में

तेल अवीव, 02 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले कुछ दिनों के अंतराल में इज़राइल के कई बड़े दुश्मन मारे गए। 30 जुलाई को 41 करोड़ का इनामी हिजबुल्ला कमांडर फुआद शुकर लेबनान में ढेर कर दिया गया। इसके बाद 31 जुलाई को हमास प्रमुख इस्माइल हानिया ईरान में मारा गया। इसी बीच, 1 अगस्त को इज़राइल ने पुष्टि कर दी कि हमास का सैन्य प्रमुख मोहम्मद दाइफ की भी गाजा में हत्या कर दी गई है। हमास के राजनीतिक शाखा के प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या के बाद इज़राइल और अरब देशों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। पश्चिम एशिया के कई देशों में इस हत्या के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं। इस्माइल हानिया की हत्या बुधवार तड़के तेहरान में कर दी गई थी। हानिया ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए तेहरान पहुंचा था। पेजेशकियन के शपथ समारोह में 50 से अधिक देशों के नेता पहुंचे थे। ▶10पर

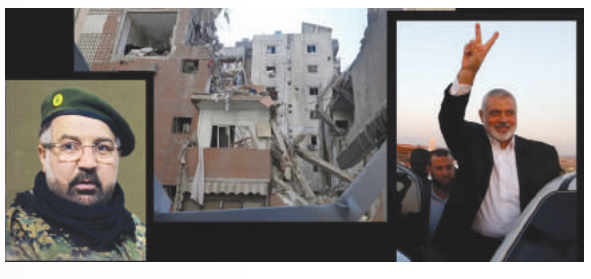

फुआद शुकर की मौत से भड़का हिजबुल्ला

तेल अवीव, 02 अगस्त (एजेंसियां)। हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडर फुआद शुकर के मारे जाने से गुस्साए हिजबुल्ला ने बृहस्पतिवार देर रात इज़राइल पर दर्जनों रॉकेज हमले किए। हालांकि उसमें से केवल पांच रॉकेट ही इज़राइल में प्रवेश कर पाए। इज़राइल के रक्षा बलों के अनुसार, ▶10पर

एयर इंडिया ने इज़राइल के लिए उड़ान सेवाएं रोकीं

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)। हमास के शीर्ष नेता इस्माइल हानिया की ईरान में हत्या के बाद से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। ईरान ने हानिया की मौत का बदला लेने के लिए इज़राइल पर हमले की धमकी दी है। इज़राइल हाई अलर्ट पर है। ▶10पर

मोसाद के बड़े ऐतिहासिक ऑपरेशन

1960 अर्जेंटीना में सीक्रेट मिशन : मोसाद ने अर्जेंटीना में 1960 में एक सीक्रेट मिशन को अंजाम देते हुए नाजी युद्ध के अपराधी एडोल्फ एकमैन को गुपचुप तरीके से अपहरण करके इज़राइल ले आई। बाद में मुकदमा चलाकर उसे सजा दी गई। इस मिशन को पांच एजेंट्स ने पूरा किया था।

1964 में रूसी मिग-29 को इज़राइल लाना : उस दौर में सोवियत संघ रूस का मिग-29 सबसे उन्नत लड़ाकू विमान माना जाता था। इसे पाने में जब अमेरिका की सीआईए भी विफल रही तो फिर मोसाद की महिला एजेंट ने 1964 में इसे कर दिखाया। हालांकि, 1962 में इसी मिशन पर एक मोसाद एजेंट पकड़ा गया था, जिसे फांसी दे दी गई थी।

1972 रैथ ऑफ गॉड : 1972 में म्यूनिख ओलिंपिक के लिए एकत्र इज़राइली ओलिंपिक टीम के 11 खिलाड़ियों को बंधक बनाकर हत्या का बदला फलस्तीनी आतंकियों से लिया। ▶10पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

स्थानकवासी परंपरा में आस्था के सूर्य हैं केवलमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ श्रीरामपुरम में राष्ट्र संत आनंदऋषि के 124 वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे सप्त दिवसीय कार्यक्रम में शुक्रवार को उपाध्याय केवलमुनि की 111वीं जन्म जयंती पर साध्वी विपुलदर्शना ने कहा कि महापुरुषों के जीवन का एक भी संस्मरण अगर हमारे जीवन के साथ जुड़ जाये तो हमारा जीवन निखर जाता है।

जैसे गीत के स्वर अलग-अलग होते है परंतु सातो स्वर मिलने से जो गीत बनता है उसको सुनने से हम मंत्रमुग्ध हो जाते है वैसे ही महापुरुषों की जीवन शैली, क्रियाकलाप, लेखनी, विचार आदि के संगम से हमारी आत्मा तृप्त हो जाती है। उन्होंने कहा कि उपाध्याय केवलमुनि जैसे महापुरुष स्थानकवासी परंपरा के

आकाश में आस्था के सूर्य समान है।

जन्म जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एकासन व्रत के बारे में उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से भोजन से हमारा शरीर हष्टपुष्ट रहता है ठीक उसी प्रकार से तप अराधना करने से हमारी आत्मा को खुराक मिलती है। साथ ही उन्होंने हिदायत दी कि तपस्या के दौरान अभिमान, क्रोध व निदान के परे ब्रह्मचर्य पालना, धर्माराधना व स्वाध्याय करना चाहिये। संघ-संस्थाओं की एकता के बारे में उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का स्वभाव व प्रकृति अलग होती है परंतु साथ में आ जाने पर एक ताकत का निर्माण होता है, आज समाज में प्रत्येक व्यक्ति कोई न कोई विशेषता से पूर्ण है। उस शक्ति को पहचानकर यथा स्थान पर नियोजन करने से उसकी शक्ति का परिचय मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से वीणा के तीनों तारो के सामंजस्य से मधुर स्वर निकलते है, गीत के सातों सुर मिलने से मंत्रमुग्ध करने वाला संगीत बनता है, सात रंग मिलकर मनमोहक इंद्रधनुष बनाते है, ठीक वैसे ही संघ-संस्थाओ के सभी सदस्यों के सामंजस्य से प्रेरक व उत्पादक परिणाम निकलेंगे। श्रीरामपुरम संघ के सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार सामूहिक एकासन व्रत का लाभ श्रीरामपुरम के सुआलाल प्रकाशचंद परिवार ने लिया। धर्मसभा में बेंगलूरु के अनेकों उपनगरो के श्रावक मौजूद थे। संचालन संघ के अध्यक्ष शांतिलाल खींवेसरा ने किया।

आत्मा अमर है, धर्म के मार्ग पर चलने वाली है: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने बताया कि महापुरुष कहते है कि आत्मा अमर धर्मा है। यह आत्मा अमर है और धर्म के मार्ग पर चलने वाली है। यह अमर धर्मा आत्मा मरण धर्मा शरीर के साथ मिलकर संसार में भ्रमण कर रही है। यह अमर आत्मा, जो धर्म का पालन करती है, एक नश्वर शरीर के साथ संसार में विचरण कर रही है। शरीर तो मरणशील है, लेकिन आत्मा अनंत और अजर-अमर है, जो धर्म के मार्ग पर चलती है। लेकिन व्यक्ति आत्मा का नहीं शरीर का ध्यान रखता है। आत्मा का ध्यान ही हमे आध्यात्मिक विकास की ओर ले जाता है। अगर हम इस अमर धर्मा आत्मा का ध्यान रखेंगे तो अमृत्व को प्राप्त कर लेंगे। उन्होंने कहा कि इन्सान परमात्मा को बाहरी दुनिया में खोज रहा है। लेकिन परमात्मा हमारे भीतर में विराजमान है।

परमात्मा को पहचानने के लिये सम्यक् दृष्टि की आवश्यकता है। महापुरुष कहते है भगवान को स्वयं के भीतर में ढूँढने का प्रयास करो। हम बाहरी शरीर को चमकाने सजाने संवारने में लगे है, लेकिन भीतरी आत्मा को सजाने का प्रयास नहीं कर रहे है। इंसान के पास शरीर के लिए बहुत समय है, लेकिन आत्मा के लिये थोड़ा भी नहीं। आत्मशक्ति जो सदा जागरूक रहती है, उसी को हमे पहचानना है। आत्मा ही अमृत्व की ओर ले जाने वाली है। आत्मा का ज्ञान और उसकी पहचान हमें मरणशीलता से परे ले जाकर अमरता का अनुभव कराती है। आत्मा का सच्चा स्वरूप जानने से ही हम जीवन के वास्तविक अर्थ को समझ सकते हैं। आत्मा अगर मलीन रहेगी तो परमात्मा भी प्रवेश नहीं करेगा। तप त्याग धर्म साधना प्रतिक्रमण द्वारा हम अपनी आत्मा को शुद्ध और निर्मल बना सकते है। इस अवसर पर चेन्नई से हुकमराज मेहता, धीरज मेहता, मैसूरु से भेरूलाल कोठारी व अन्य उपस्थित रहे। भाविक कोठारी ने 14 उपवास और मंजुबाई सुराणा ने 9 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। रुपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार व्यक्त किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

मारवाड़ी बहनों ने मनाया हरियाली तीज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी महिलाओं ने बेंगलूरु स्थित राजस्थानी रिसोर्ट में अपनी सखियों के साथ बड़े ही धूमधाम से रंग बिरंगी वेशभूषा धारण कर हरियाली तीज का त्यौहार मनाया। कार्यक्रम की रूपरेखा कुछ बहनों द्वारा तय की गई। सुविधा शर्मा, हंसा शर्मा के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें दिया, पूजा शर्मा, संगीता शर्मा, रचना शर्मा, सरिता शर्मा, स्वाति शर्मा, ममता आदि मौजूद थी। महिलाओं ने तम्बोला, पहलिया समेत अन्य खेल प्रतियोगिताओं का भी आनन्द लिया।

रिश्तों का ज्यादा मोह नहीं करें: साध्वी धर्मप्रभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने कहा कि संसार के रिश्ते - नाते सब स्वार्थ से जुड़ें हुए है। संसार के रिश्ते - नाते इंसान को जगत में भटकाने के साथ उसे दीन-हीन कमजोर बनाते हैं।

आत्मा को संसार के राग, सुख विषयों में भम्रित करते हुए उस धर्म, सत्कर्म, संयम की दिशा में आगे बढने में बाधक तत्व सिद्ध होते हैं।

अतः व्यक्ति की संसार के इन क्षणिक रिश्तों में ज्यादा मोह नहीं करते हुए धमराधिना, सेवा, पर-ोपकार करके अनमोल मानव भव को सार्थक बनाना चाहिये। हम सांसारिक आकर्षण में इस तरह

लिप्त हो गए हैं कि भौतिक सुखों के आनन्द को छोड़ नहीं सकते, हम आत्मिक विकास तो करना चाहते हैं मगर भौतिक सुखों के त्याग की बात हमारी कल्पना से बाहर हैं। दो नावों पर पैर रखकर हम उस प्रकाश को पाना चाहते है जो मुक्ति का पथ हैं। संसारी परिजन, सगे-सम्बन्धी पारिवारिकजन, शारीरिक सुख तथा शारीरिक संबंध ही हमारे लिये मुख्य हो गए हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि मानव की संपूर्ण जीवन यात्रा उसका सारा पुरुषार्थ व्यर्थ के सुखों को पाने के चक्कर में ही व्यर्थ हो जाता है। सभी प्राणी संसार में स्वार्थ की अपेक्षा करते हैं। फिर स्वार्थ सिद्ध होते ही उस इंसान से दूरी बना लेते हैं। प्रारंभ में साध्वी स्नेह प्रभा जी ने संसार की नश्वरता, असारता पर सारगर्भित विवेचना फरमाते हुए कहा कि मनुष्य का कमाया धन, संपत्ति, वैभव सबका सब यहीं भूमि पा ही रह जाता है। अंत में जीव के साथ उसके किये अच्छे-बुरे कर्म ही साथ में जाते हैं। सुख के सब साथी बनेगे, दुःख में सब पीछे हट जायेंगे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने बताया कि शनिवार को प्रातः 9:15 बजे से साध्वी श्री धर्मप्रभाजी, श्री स्नेह प्रभाजी की पावन निश्रा में श्रमण संघीय आचार्य सम्राट श्री आनंदऋषि जी, पं. रत्न श्री उपाध्याय श्री केवल मुनिजी की जन्म जयन्ती आयंबिल दिवस के रूप में तप-त्याग पूर्वक मनायी जायेगी।

राज्य के गृह व स्वास्थ्य मंत्री ने महेंद्र सिंघी के निवास पर समाज प्रमुखों से की मुलाकात

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर और स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने अपने हुब्बल्ली प्रवास के दौरान श्री सिध्दारुढ़ मठ ट्रस्ट कमेटी के पूर्व चेयरमैन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता महेन्द्र सिंघी के निवास स्थान का दौरा कर वहां उपस्थित समाज प्रमुखों से मुलाकात की। इस दौरान हुब्बल्ली ग्रामीण अध्यक्ष अनिलकुमार पाटिल, शहर अध्यक्ष अल्ताफ हलूर, पूर्व मंत्री ए एम हिंडेसगिरि, पूर्व सांसद आई जी सनदी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एफ एच जक्कापन्वार, हुडा के पूर्व चेयरमैन अनवर मुधोल, सदानंद डंगनावर, शरणप्पा कोटगी सहित अन्य उपस्थित थे।

इस अवसर पर सिंघी परिवार के महेन्द्र सिंघी, संस्कार स्कूल के कार्यदर्शी सुधीर वोरा, कोषाध्यक्ष

उज्वल सिंघी, शारदा सिंघी, सपना वोरा और स्नेहा सिंघी सहित अन्य ने गृह मंत्री परमेश्वर व स्वास्थ्य मंत्री गुंडूराव को सम्मानित किया। इस दौरान श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हुब्बल्ली के अध्यक्ष उकचंद बाफना, गौरव अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, कार्याध्यक्ष गौतम भुरट, उपाध्यक्ष दलीचंद बागरेचा, कार्यदर्शी प्रकाश कटारिया, कोषाध्यक्ष कांतिलाल बोहरा, महावीर लिंब सेंटर के चेयरमैन गौतम गोलेछा, उपाध्यक्ष अशोक कोठारी, संस्कार स्कूल के अध्यक्ष महावीर कुंदुर, निदेशक जयंती चौहान, मुरुसवीर मठ के पूर्व अध्यक्ष चिकमठ, समर्पण ग्रुप के जसराज लुनिया, बाबूलाल पा-लगोता, मोहनलाल जैन, ललित सेहलोत, तेरापंथ सभा के कार्यदर्शी अमरावसिंघ बैद, एस सी शेट्टर, ऑल कर्नाटका राजस्थान युथ फेडरेशन के कार्यदर्शी प्रकाश बाफना, मगराज भलगट, चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष एसपी समशीमथ, उपाध्यक्ष प्रवीण अगाड़ी, कार्यदर्शी रवीन्द्र एस.बलीगेर, लायंस क्लब ऑफ हुब्बल्ली परिवार के गौतम बाफना, आनंद बूमरेड्डी, अशोक गोयल, चनवीर मुंगरवाड़ी, मोहन सुथार, शिवयोगी गदगीमठ, श्रीकांत करि, संतोष पाटिल, अभय सूजी, वेंकटेश डोंगरेकार सहित अन्य उपस्थित थे। इस दौरान चर्चा करते हुए गृह मंत्री परमेश्वर व स्वास्थ्य मंत्री गुंडूराव ने कहा महेंद्र सिंघी ने कुछ समय के नोटिस में समाज प्रमुखों से साथ मिलने का जो आयोजन रखा है वह अतु-लनीय है। राज्य की कांग्रेस सरकार सदैव आपके साथ है। राज्य सरकार जनहितैषी कार्यों के साथ आगे बढ़ रही है और जनता का सहयोग भी हमे भरपूर मिल रहा है।

वस्तु के प्रति चाह छूटी तो साधना शुरू होती है: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर स्थित लुणावत जैन भवन में प्रातःकालीन प्रवचन में राजेश मुनि ने फरमाया की जिसकी सोच अच्छी होती है वह किसी से डरता नहीं है। ऐसा व्यक्ति सबका चहेता बनकर रहता है। अच्छी बातचीत से संवाद बढ़ता है, लेकिन विवाद से बिखराव पैदा हो जाता है, आपसी दूरियां बढ़ जाती हैं और मैत्रीपूर्ण रिश्तों का अंत हो जाता है। रिश्ते मैत्रीपूर्ण रहें, इसके लिए हमें घर, समाज आदि में कुतर्क नहीं करना चाहिए। वस्तु के प्रति हमारी चाहना ही परिग्रह का कारण बनती है। वस्तु के प्रति चाहना छूटी वहीं साधना शुरू होती है। जब तक मैं और मेरा यह भाव नहीं छूटेगा तब तक अहंकार नहीं छूटता। ज्ञान, दर्शन और चारित्र से ही मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है। इसके लिए पुरुषार्थ के साथ सच्ची श्रद्धा और भक्ति चाहिए। मुनि ने कहा कि प्रभु आज्ञा में रहकर जो जीवन निर्वाह करे वो मुनि। जब तक हम जिंदा हैं तब तक मतलब के कारण सब तेरा मेरा होता है वो भी अपनी अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने और जब हमारी आंख बंद हुई तो कोई किसी का नहीं रहता। हमें सेवा भी करनी है निस्वार्य भाव से ताकि हमारे पुण्य का बंध हो सके। इसके पूर्व ऋषभ मुनि ने कहा कि भगवान महावीर संसार में इसलिए आएं ताकि वह धर्म का ज्ञान देकर प्राणियों का उद्धार कर सकें। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

पैसा बहुत कुछ है मगर सब कुछ नहीं: मुनि

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मास विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी, वज्ररत्न सागरजी ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा पैसा बहुत कुछ है, मगर सब कुछ नहीं। धन स्वस्थ और सम्पन्न जीवन जीने के लिए जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्रोत है। हालांकि, इसकी तुलना प्रेम और देखभाल से नहीं की जा सकती। दोनों का अपना अलग महत्व और लाभ है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि धन हमारे आवश्यक स्वस्थ जीवन के लिए बहुत ही आवश्यक है।

धन हमारे लिए लगभग सब कुछ है। समाज में उच्च पद को बनाए रखने के लिए, यह बहुत ही आवश्यक है। यह केवल धन ही है जो, हमारे जीवन की सभी शुरुआती आवश्यक्ताओं, आराम और जरुरतों को पूरा कर सकता है। यदि किसी के पास धन है, तो वह अपने जीवन में अपनी सभी इच्छाओं को पूरा कर सकता है, जो उसके व्यक्तित्व के विकास, आत्मविश्वास में सुधार, विश्वसनीय, योग्यता में वृद्धि, क्षमता में वृद्धि और साहस में बहुत बड़े स्तर पर वृद्धि करने में मदद करता है।

बिना धन के हम इस संसार में निःसहाय और अकेला महसूस करते हैं, जहाँ कोई भी हमारी मदद और सहायता व सुझाव देने के लिए नहीं होता। इस वर्तमान भौतिक संसार में, धन बहुत ही महत्वपूर्ण और शक्तिशाली वस्तु है। मुनि प्रशमरत्न सागरजी ने कहा आजकल, गलत ढ़ंग से धन कमाने के लिए बुरे लोग, भ्रष्टाचार, रिश्वत, गैर-कानूनी कार्य, अपहरण, समाज के अमीर लोगों की हत्या आदि बुरे कार्यों का सहारा लेते हैं, जो मानवता के सभी नैतिक मूल्यों और आदर्शों के खिलाफ हैं। आलसी लोग धन प्राप्त करने के गलत तरीकों का प्रयोग करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि धन कमाने के ये सबसे आसान और सरल रास्ते हैं।

हालांकि, यह सत्य नहीं है। इन तरीकों से कोई भी व्यक्ति कम समय और प्रयासों में धन प्राप्त कर सकता हैं, लेकिन बहुत अधिक समय तक नहीं। निश्चित ही वो एक दिन आने वाले समय में नष्ट हो जाएगा।

धारवाड़ जिला योगासन प्रतियोगिता कल

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक योगासन खेल संगठन 17 और 18 अगस्त 2024 को पुट्टम्मा बेनकी लक्ष्मैया कल्याण मंतपा, मल्लेश्वर, कदूर चिकमंगलूरु जिले में अपनी 5वीं वार्षिक राज्य स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता आयोजित करेगा। इस प्रतियोगिता के लिए धारवाड़ जिला योग खिलाड़ियों का चयन करने के लिए धारवाड़ जिला योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन आर एन शेट्टी इंडोर स्टेडियम, धारवाड़ में रविवार को सुबह 8 बजे आयोजित किया जाएगा। भवरलाल आर्य ने बताया कि प्रतियोगिता कुल 5 श्रेणियों में आयोजित की जाएगी। जिसमें सब जूनियर डिविजन (10 से 14 वर्ष), जूनियर डिविजन (14 से 18 वर्ष), सीनियर डिविजन (18 और अधिक), मास्टर्स डिविजन (36 से 45 वर्ष) और वेटरन्स डिविजन (45 से 55 वर्ष) शामिल है। प्रत्येक वर्ग में पुरुषों एवं महिलाओं के लिए अलग-अलग प्रतियोगिता होगी। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से धारवाड़ जिले की शहरी एवं ग्रामीण प्रतिभाओं को इस प्रतियोगिता का लाभ उठाना चाहिए।

सीएम ने भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए नैनो तकनीक के इस्तेमाल का किया आह्वान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ जल, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य देखभाल, चिकित्सा, अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में आने वाली चुनौतियों के लिए नवीन नैनो प्रौद्योगिकी पर आधारित समाधान खोजने की जरूरत है। देश में प्रतिष्ठित बेंगलूरु इंडिया नैनो कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि बढ़ते शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि और बदलती जीवन शैली के कारण आने वाले दिनों में समस्याएं बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को इनके लिए नैनो प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों पर शोध करने के लिए आगे आना चाहिए। नए तकनीकी क्षेत्रों की संभावनाओं

का पूरी तरह से दोहन करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग आवश्यक है।

इसके लिए सूचना और प्रौद्योगिकियों के पारस्परिक आदान-प्रदान, इस क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान की संभावनाओं पर विचारों के आदान-प्रदान और अंततः समाज के मेधावी विकास के पूरक के लिए प्रतिभाओं को विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नेटवर्किंग, ज्ञान साझा करने, प्रौद्योगिकियों के आदान-प्रदान, कौशल विकास और उद्योग साझेदारी के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि वह इस क्षेत्र के विश-ेषज्ञों और दिग्गजों के सहयोग का लाभ उठाकर राज्य में नए व्यवसाय शुरू करने के लिए युवा व्यापारियों को खुला निमंत्रण देंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि हमारी सरकार कर्नाटक में इस नवोन्वेषी व्यवसाय क्षेत्र के विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए हरसंभव सहयोग करेगी। कर्नाटक न केवल अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए बल्कि शैक्षिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए एक ठोस आधार प्रदान करने के लिए भी जाना जाता है। प्रौद्योगिकी आधारित अन्वेषण के क्षेत्र में हमारा राज्य अग्रणी है। आईआईएससी, जेएन-सीएएसआर, एनसीबीएस, सीईएनएस जैसे प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों की मदद से, उन्हें विश्वास है कि बेंगलूरु देश का नैनो टेक हब बन जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में बेंगलूरु आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस प्रतिष्ठित नैनो प्रौद्योगिकी सम्मेलन में देश-विदेश के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, तकनीकी चिंतकों, उद्योगपतियों ने भाग लिया। बेंगलूरु भारत ने नैनो विज्ञान पुरस्कार के लिए प्रोफेसर अरिंदम घोष को बधाई दी। 2007 से लगातार नैनो सम्मेलन के आयोजन का मार्गदर्शन कर रहे भारत रत्न प्रो. सी.एन.आर. राव को सीएम ने बधाई देते हुए 13वें बेंगलूरु इंडिया नैनो के बेहद सफल आयोजन की कामना की। भारत रत्न प्रोफेसर सी.एन.आर. राव, मंत्री प्रियांक खड़गे, एनएस बोसराज, विधायक रिजवान अरहद, अजय सिंह, किरण मजूंदर शाह, सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश और अन्य उपस्थित थे।

पुत्तूर में पहाड़ी ढहने से मणि-मैसूरु राजमार्ग बंद

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बप्पालिगे में पुत्तूर बाईपास रोड पर शुक्रवार की सुबह एक पहाड़ी ढह गई।

भूस्खलन के कारण राजमार्ग पर मिट्टी गिर गई, जिससे सड़क के दोनों छोर कट गए। मिट्टी के धंसने के कारण एक देवी मंदिर और पास का एक घर खतरे में है। मडिकेरी और मैसूरु जाने वालों के लिए पुत्तूर शहर से होकर एक वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की गई है, क्योंकि मणि-मैसूरु राजमार्ग वर्तमान में दुर्गम है। सौभाग्य से, ढहने के समय सड़क पर कोई वाहन या लोग नहीं थे।

फूड प्वाइजनिंग से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो। सिरवार तालुक के कल्लूर गांव में शुक्रवार को मटन खाने से एक दंपती और उनके दो बच्चों की मौत हो गई। उनकी दूसरी बेटी की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूत्रों ने बताया कि फूड प्वाइजनिंग के कारण यह घटना हुई। बुधवार सुबह खाना खाने के बाद उन्हें उल्टी और दस्त होने लगे। गांव में प्रारंभिक उपचार के बाद उनमें से तीन को रायचूर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आरआईएमएस) और एक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन गुरुवार रात को उपचार का असर न होने पर उनकी मौत हो गई। मृतकों में भीमन्ना (60), उनकी पत्नी इरम्मा (54), बेटा मल्लेश (19) और बेटी पार्वती (17) शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जांच के बाद ही उनकी मौत का सही कारण पता चल पाएगा।

कुमारस्वामी ने जेडीएस नेताओं को भाजपा की पदयात्रा में शामिल होने का दिया निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय मंत्री और जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी ने पार्टी विधायकों, नेताओं और कार्यकर्ताओं को बेंगलूरु से मैसूरु तक भाजपा की निर्धारित पदयात्रा में भाग लेने का निर्देश दिया है, जो शनिवार को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाला के खिलाफ शुरू होगी। यहां केंगेरी में केम्पामा मंदिर से लेकर मैसूरु शहर तक जेडीएस और भाजपा पार्टियों ने संयुक्त रूप से पदयात्रा की योजना बनाई है। इससे पहले कुमारस्वामी ने कहा था कि पदयात्रा के लिए हमें विश्वास में नहीं लिया गया। उन्होंने खुले तौर पर इस बात पर नाराजगी जताई थी कि पूर्व विधायक प्रीतम गौड़ा के नेतृत्व वाली पदयात्रा को कोई समर्थन नहीं दिया जाएगा।

इसके बाद केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, भाजपा प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने दिल्ली में कुमारस्वामी से मुलाकात की और उन्हें मनाया। समझाने के बाद कुमारस्वामी ने अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को पदयात्रा में भाग लेने और इसे सफल बनाने का निर्देश दिया। जद (एस) के राज्य महासचिव और पूर्व मंत्री वेंकटराव नाद गौड़ा ने कहा कि पार्टी के नेता, सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री, 2023 विधानसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार, राज्य पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष पदयात्रा में भाग लेंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एच, डी. कुमारस्वामी के निर्देश पर उन्होंने पार्टी नेताओं को इसमें शामिल होने के लिए कहा है। बेंगलूरु महानगर इकाई के जेडीएस अध्यक्ष एचएम रमेश गौड़ा के नेतृत्व में एक बैठक हुई और पदयात्रा में भाग लेने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि जेडीएस के वरिष्ठ नेता और नरेंद्र मोदी के कैबिनेट सदस्य एच डी कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा था कि उनकी पार्टी कथित मुडा घोटाले के खिलाफ भाजपा द्वारा नियोजित विरोध प्रदर्शन का हिस्सा नहीं होगी, जहां पार्टी के सदस्य बेंगलूरु से मैसूरु तक पदयात्रा निकालने की योजना बना रहे हैं। अपने एनडीए सहयोगी पर हमला करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि भाजपा ने उनसे परामर्श किए बिना यह एकतरफा फैसला लिया है।

कर्नाटक बाढ़ में भारी नुकसान के बाद इस तरह की राजनीतिक रैली आम लोगों को परेशान कर सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा अगर हम इस तरह की रैलियां करते हैं, तो लोग हमारी आल-ोचना करेंगे। जब कई गांव बाढ़ के कारण डूबे हुए हैं, खासकर उत्तरी कर्नाटक और तटीय कर्नाटक में, तो हमें उनके बचाव और राहत कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कुमारस्वामी ने आगे कहा इस रैली से भाजपा क्या हासिल करने जा रही है? इसके बजाय, हमें मुडा घोटाले में सीएम के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। पिछले सप्ताह बेंगलूरु में आयोजित संयुक्त बैठक में हासन भाजपा नेता और पूर्व विधायक प्रीतम गौड़ा की मौजूदगी से भी वह नाराज थे। वरिष्ठ नेता ने मीडियाकर्मियों से कहा प्रज्वल रेवन्ना पेन ड्राइव बांटकर प्रीतम गौड़ा ने देवेगौड़ा परिवार की छवि को नष्ट कर दिया। जब प्रीतम गौड़ा को प्रस्तावित रैली में महत्व दिया जा रहा है, तो मैं ऐसे विरोध प्रदर्शन का समर्थन क्यों करूं?

मंत्रियों ने जारी किए गए कारण बताओ नोटिस का दिया जवाब: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राज्यपाल द्वारा उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने पर शुक्रवार को जवाब देते हुए कहा कि मंत्रियों द्वारा जवाब दे दिया गया है। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण में कथित अनियमितताओं के संबंध में राज्यपाल गहलोत ने सीएम सिद्धरामैया को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसमें पूछा गया था कि उनके खिलाफ अभियोजन की सहमति क्यों न दी जाए। सिद्धरामैया ने नोटिस पर अपना पहला बयान देते हुए कहा कि मंत्रियों द्वारा उन्हें जारी किए गए कारण बताओ नोटिस का जवाब दे दिया गया है। उन्होंने कहा मंत्रिमंडल द्वारा जवाब तैयार कर लिया गया है और राज्यपाल को मुख्यमंत्री को दिए गए नोटिस को वापस लेने और अब्राहम द्वारा की गई शिकायत को खारिज करने की सलाह देने का निर्णय लिया गया है। कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को राज्यपाल से कारण बताओ नोटिस वापस लेने और

सामाजिक कार्यकर्ता टीजे अब्राहम की याचिका को खारिज करने की अपील की। विधानसभा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा मंत्रिपरिषद राज्यपाल से सीएम सिद्धरामैया को जारी नोटिस वापस लेने और टीजे अब्राहम की याचिका को खारिज करने का पुरजोर आग्रह करती है। हम पूरी विनम्रता के साथ यह अपील करते हैं। मैं राज्य के लोगों के ध्यान में लाना चाहता हूं कि यह लोकतंत्र और संविधान की हत्या है। सिद्धरामैया को 26 जुलाई को भेजे गए कारण बताओ नोटिस में कहा गया है कि आपके खिलाफ अभियोजन के अनुरोध के अवलोकन से यह पाया गया है कि आपके खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर प्रकृति के हैं और प्रथम दृष्टया उचित प्रतीत होते हैं। यह भी पाया गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा 18 जुलाई को मैसूरु के लोकायुक्त पुलिस स्टेशन में आपके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। नोटिस में आगे कहा गया है मैं आपको निर्देश देता हूं कि आप अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों पर सात दिनों के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करें, साथ ही यह भी बताएं कि याचिकाकर्ता को आपके खिलाफ अभियोजन की अनुमति क्यों नहीं दी जानी चाहिए। इससे पहले सिद्धरामैया गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में शामिल नहीं हुए थे, जिसमें राज्यपाल द्वारा उन्हें जारी किए गए 'कारण बताओ नोटिस' पर चर्चा की गई, जिसमें उनसे यह बताने के लिए कहा गया था कि कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन घोटाले के संबंध में अभियोजन स्वीकृति क्यों नहीं दी जानी चाहिए। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि सिद्धरामैया ने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को बैठक की अध्यक्षता करने के लिए अधिकृत किया। परमेश्वर ने कहा कि चूंकि कैबिनेट को राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा उन्हें जारी किए गए नोटिस पर चर्चा करनी थी, इसलिए मंत्रियों ने मुख्यमंत्री से इसमें शामिल न होने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कैबिनेट की बैठक उनकी (सिद्धरामैया की) अनुपस्थिति में होनी है। परमेश्वर ने कहा हमने (मंत्रियों ने) उनसे (कैबिनेट की बैठक में) शामिल न होने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को उस समय कैबिनेट का हिस्सा नहीं होना चाहिए, जब उन्हें जारी किए गए नोटिस पर चर्चा हो।

भाजपा एक गैर-मुद्दे को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले को लेकर भाजपा की पदयात्रा की आलोचना की और कहा कि वे एक गैर-मुद्दे को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

शिवकुमार ने कहा कांग्रेस उनसे पूछना चाहती है कि उन्होंने अपने कार्यकाल में क्या किया है। यह भाजपा की अब तक की सबसे शर्मनाक सरकार थी। वे बिना किसी कारण के पदयात्रा कर रहे हैं, वे एक गैर-मुद्दे को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कर्नाटक मंत्रिमंडल ने गुरुवार को राज्यपाल थावर चंद गहलोत को कथित मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस को वापस लेने की सलाह देने का संकल्प लिया है।

हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को तार्किक अंत तक ले जाएंगे: विजयेन्द्र

पदयात्रा रूट का नक्शा तैयार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा और एनडीए की सहयोगी जेडीएस ने कांग्रेस-सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने के लिए संयुक्त मार्च शुरू किया है। शहर के मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में शुक्रवार को एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा-जेडीएस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मैसूरु चलो पदयात्रा शनिवार सुबह शुरू होगी। प्रदेश में भ्रष्ट कांग्रेस और घोटालों की सरकार है। यह गरीब विरोधी, अनुसूचित समुदाय विरोधी सरकार है। कांग्रेस सरकार ने विकास शून्यता में योगदान दिया है। उन्होंने इसकी आलोचना करते हुए इसे एक अक्षम सरकार बताया। अहिंदा के नाम पर शासन कर रही सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने उन सभी समुदायों को धोखा दिया है।

अनुसूचित जनता का पैसा लूटा गया है। हमने भाजपा-जेडीएस के साथ मिलकर सदन के अंदर और बाहर इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी। डीके शिवकुमार और सिद्धरामैया घोटाले और भ्रष्टाचार से जुड़े हमारे सवालों का जवाब दें। पूर्व मुख्यमंत्री-किसान नेता बीएस येदियुरप्पा, जेडीएस अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी पदयात्रा का शुभारंभ करेंगे। पदयात्रा शनिवार सुबह 8.30 बजे केंगेरी केम्पम्मा मंदिर के पास मंजूनाथ कन्वेंशन हॉल से शुरू होगी। विजयेंद्र ने बताया कि यह 8 दिन का ट्रेक होगा। पहले दिन लगभग 16 किमी की पदयात्रा होगी। दूसरे दिन रविवार को हम मंजूनाथ कन्वेंशन हॉल बिदादी से शुरू होकर 22 किमी की दूरी तय करेंगे और 5 तारीख को हम केंगल केवीके कन्वेंशन हॉल से शुरू होकर लगभग 20 किमी की दूरी तय करेंगे। 6 तारीख को हम निदाघट्टा सुमित्रादेवी कन्वेंशन हॉल से शुरू होकर लगभग 20 किमी की दूरी तय करेंगे। 5वें दिन, गुरुवार को मांड्या शशिकिरण कन्वेंशन हॉल से शुरू होकर 16 किमी, शुक्रवार को तुबिनकेरे औद्योगिक क्षेत्र, श्रीरंगपटना मंजुनाथ कल्याणमंतपदी से और 10 तारीख को मैसूरु पहुंचेंगे। पदयात्रा में हर दिन कम से कम 8 से 10 हजार लोग शामिल होंगे। प्रदेश के कोने-कोने से कार्यकर्ता आएंगे। सभी लोग उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि रूट मैप तैयार कर लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एससी, एसटी आंतरिक आरक्षण पर फैसला सुनाया। उन्होंने विश्लेषण किया कि राज्य ने एससी और एसटी आरक्षण वर्गीकरण की अनुमति दे दी है और 3 दशकों के संघर्ष की जीत हुई है। इसके पीछे भाजपा की कड़ी मेहनत है। बसवराज बोम्मई ने मुख्यमंत्री रहते हुए आरक्षण बढ़ाया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा सामाजिक न्याय के लिए खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आंतरिक आरक्षण के पक्ष में वकालत की थी।

उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री से अदालत के फैसले को तत्काल लागू कर सभी 101 जातियों को न्याय दिलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कांग्रेस सरकार ने गुरुवार को एक नया इतिहास रचा। मुख्यमंत्री के बिना ही कैबिनेट की बैठक हुई। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि मुख्यमंत्री, जिन्हें राज्यपाल के नोटिस का जवाब देना है, की अनुपस्थिति में मंत्रिमंडल का आयोजन करना राज्यपाल पर सवाल उठाने का मामला है। हमें सदन में जवाब नहीं दिया गया। बहुत सारे प्रश्न हैं। मुख्यमंत्री का भागना ठीक नहीं है। कैबिनेट बैठक में कई मंत्रियों के चेहरे पर मुस्कान थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पीछे कौन है, सीएम के खिलाफ कौन है, यह भी ध्यान देने वाली बात है। उन्होंने कहा कि वह खराब व्यवस्था के खिलाफ हैं और कांग्रेस सरकार गरीबों और अनुसूचित समुदायों के साथ अन्याय कर रही है। हम इसके खिलाफ लड़ रहे हैं। कानून से बड़ा कोई नहीं है।

कांग्रेसियों की पश्चाताप यात्रा

उन्होंने कहा यह उन लोगों के पश्चाताप की तीर्थयात्रा है जिन्होंने भ्रष्टाचार मुक्त शासन का वादा किया और लोगों के साथ गलत किया।

विजयेंद्र ने सवाल के जवाब में कहा कि उन्होंने एक दिन पहले ही यह आंदोलन शुरू किया है, ताकि हमारी यात्रा सफल हो। जेडीएस ने कोई शर्त नहीं रखी है। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि हमारी पदयात्रा सफल होगी। डीके शिवकुमार भ्रष्टाचार के जनक हैं। सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार घोटालों के लिए जवाब देने वाले हैं। यह सरकार राज्य की जनता के लिए अभिशाप है। राज्य के प्रमुख सचिव एवं विधायक वी. सुनील कुमार, प्रदेश सचिव डीएस अरुण, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल बेनाके, रायता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ए.एस. पाटिल नादहल्ली उपस्थित थे।

केंद्र निर्वाचित सरकार को अस्थिर करने के लिए राजभवन का कर रही दुरुपयोग: सीएम

थावर चंद गहलोत कठपुतली की तरह काम कर रहे

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को केंद्र पर निर्वाचित सरकार को अस्थिर करने के लिए राजभवन का दुरुपयोग करने का सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य के राज्यपाल थावर चंद गहलोत कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं। बारिश से हुई तबाही का जायजा लेने के लिए कोडागु जिले जाते समय मैसूरु हवाई अड्डे पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्यपाल द्वारा जारी किया गया कारण बताओ नोटिस अवैध और संविधान विरोधी है। सिद्धरामैया ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर गुरुवार को बेंगलूरु में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक से खुद को दूर रखा क्योंकि यह बैठक मुडा घोटाले पर सरकार को राज्यपाल द्वारा जारी किए गए कारण बताओ नोटिस पर चर्चा करने के लिए

बुलाई गई थी। उन्होंने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार से बैठक की अध्यक्षता करने को कहा ताकि कोई गलत मिसाल कायम न हो। राज्य मंत्रिमंडल ने मुडा मुद्दे पर सरकार को जारी कारण बताओ नोटिस पर विस्तृत चर्चा की, जिसमें पूछा गया कि मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी क्यों नहीं दी जा सकती। मंत्रिमंडल ने कहा कि कारण बताओ नोटिस पूरी तरह से अवैध है और राज्य मंत्रिमंडल ने राज्यपाल से नोटिस वापस लेने के लिए कहने का सही निर्णय लिया है। सामाजिक कार्यकर्ता के जे अब्राहम, जिन्होंने शिकायत दर्ज कराई है और राज्यपाल से मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी है, एक आदतन ब्लैकमेलर हैं और उन्होंने तर्क दिया कि उन्होंने कई लोगों के खिलाफ इसी तरह की शिकायतें की हैं।

घटनाक्रम की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब्राहम ने 26 जुलाई को सुबह 11.30 बजे अपनी शिकायत दर्ज कराई और राज्यपाल ने उसी दिन कारण बताओ नोटिस जारी किया। उन्होंने पूछा कानूनी मुद्दे पर एक दिन से भी कम समय में फैसला कैसे लिया जा सकता है, खासकर जब यह 136 विधायकों द्वारा चुने गए मुख्यमंत्री के बारे में हो? क्या सभी कानूनी पहलुओं की जांच करना जरूरी नहीं है। सिद्धरामैया ने कहा कि राजभवन में विशेष कार्य अधिकारी प्रभु शंकर ने मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव एल के अतीक को फोन करके बताया कि कारण बताओ नोटिस तैयार है। उन्होंने कहा चूंकि रात बहुत हो चुकी थी, इसलिए नोटिस अगले दिन दोपहर 2 बजे सौंपा गया और पूरा मामला बिना किसी कानूनी विचार-विमर्श के जल्दबाजी में निपटाया गया। मुख्यमंत्री ने पूछा कि राजभवन और राज्यपाल ने पिछली भाजपा सरकार के मंत्रियों शशिकला जोले, मुरुगेश निरानी और जी जनार्दन रेड्डी के खिलाफ शिकायतों पर कार्रवाई क्यों नहीं की, जो कई वर्षों से लंबित हैं। राज्यपाल को राज्य मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करना होता है, जो नहीं दी गई है। मुख्य सचिव ने 26 जुलाई को शाम 6.30 बजे राजभवन को विस्तृत जवाब दिया है, जिसे नहीं देखा गया है।

सरकार आवश्यक कदम उठा रही

राज्य सरकार ने 14 जुलाई को ही सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा न्यायिक आयोग का गठन किया है और यदि कोई अनियमितता है तो आयोग अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने बिना किसी बात पर विचार किए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सिद्धरामैया ने पूछा कि भाजपा के विपक्षी नेता आर अशोक ने उनके डरने की बात क्यों कही, जबकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और कहा कि उन्हें खुद डरना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारी बारिश के कारण कोडागु और अन्य जिलों में व्यापक तबाही हुई है। सरकार राहत प्रदान करने और क्षतिग्रस्त घरों के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि कोडागु जिले में बारिश के कहर का निरीक्षण करने के बाद, वह शनिवार को नंजनगुडु का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार आवश्यक कदम उठा रही है।

बाढ़ पीड़ितों ने अस्थायी राहत राशि लेने से किया इनकार

मंत्री ने मांगी रिपोर्ट

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने जिला प्रशासन को फाल्गुनी नदी में बाढ़ को रोकने के लिए विशेषज्ञों से रिपोर्ट प्राप्त करने तथा अड्यापडी और आसपास के गांवों में बाढ़ प्रभावित लोगों को स्थायी मुआवजा प्रदान करने का निर्देश दिया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर दिनेश ने शुक्रवार को बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण किया। अड्यापडी के ग्रामीण हर बरसात के मौसम में बाढ़ की चपेट में आते हैं। इस बार भी कृषि भूमि जलमग्न है। हालांकि, क्षेत्र के लोग अस्थायी मुआवजा लेने से इनकार कर रहे हैं और पिछले 11 वर्षों से

स्थायी मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

इसके बाद मंत्री ने विशेषज्ञों से रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद ग्रामीणों को स्थायी मुआवजा प्रदान करने का आश्वासन दिया और किसानों से अनुरोध किया कि वे इस बार कृषि नुकसान के लिए मुआवजा प्राप्त करें। उन्होंने कहा बाढ़ मुआवजा और स्थायी मुआवजा दो अलग-अलग चीजें हैं। दोनों को जोड़ने की कोई जरूरत नहीं है। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन को बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को मुआवजा देने तथा स्थायी मुआवजे के लिए विशेषज्ञों से रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए। स्थानीय निवासियों ने मंत्री दिनेश गुंडू राव की बात पर सहमति जताई। मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि विशेषज्ञों को अब प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करना चाहिए।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रोटरी बेंगलूरु मान्यता द्वारा मान्यता टेक पार्क के निकट तनिसंद्रा स्थित बीबीएमपी विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत शामिल हुए। इस कार्यक्रम में 900 विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। रोटरी बेंगलूरु मान्यता के अध्यक्ष रविंद्र एवं पूर्व अध्यक्ष दीप्ति ने मुणोत को सम्मानित किया।

लिंगनमक्की जलाशय 91 प्रतिशत भरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में लगातार बारिश के कारण प्रमुख जलविद्युत उत्पादक जलाशय लिंगनमक्की में 91 प्रतिशत पानी जमा हो गया है और इसके जल्द ही अधिकतम क्षमता तक भरने की संभावना है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र की जानकारी के मुताबिक, इस जलाशय में 138.42 टीएमसी पानी जमा हो चुका है, जिसकी अधिकतम क्षमता 151.75 टीएमसी फीट है। भरने के लिए 11 टीएमसी पानी की और जरूरत है। जलाशय का अंतर्वाह 51,961 क्यूसेक है और बहिर्प्रवाह 3570 क्यूसेक है। पिछले वर्ष इसी अवधि में मात्र 69.77 टीएमसी पानी था। इस जलाशय की जल भंडारण क्षमता राज्य में सबसे अधिक है। सुपा जलाशय में 77 फीसदी पानी जमा हो गया है, जबकि 44613 क्यूसेक आवक है। इस जलाशय की अधिकतम क्षमता 145.33

टीएमसी है और इसमें 111.61 टीएमसी पानी है। इसके अलावा वाराही जलाशय की अधिकतम क्षमता 31.10 टीएमसी है जिसमें 18.83 टीएमसी पानी है। इनफ्लो 5202 क्यूसेक है। चूंकि इन दोनों जलाशयों में पर्याप्त आवक नहीं है, इसलिए इनके भरने की संभावना फिलहाल कम है। इन तीन जलाशयों में 82 प्रतिशत पानी संग्रहित है। चूँकि बहुत अधिक प्रवाह है और जलग्रहण क्षेत्र में बारिश हो रही है, इस बार यह जलविद्युत उत्पादन के लिए फायदेमंद होगा। यानी इस बार इन जलाशयों में पिछले साल से दो-गुना पानी है। कावेरी कोल्हा बेसिन में हरंगी, हेमावती और काबिनी जलाशय भरे हुए हैं और इन चार जलाशयों में 1,55,696 क्यूसेक का प्रवाह है। 1,51,110 क्यूसेक का आउटफ्लो है। कावेरी बेसिन में वर्षा कम हो गई है और प्रवाह भी कम हो रहा है। तमिलनाडु में पहले ही 100 टीएमसी से अधिक पानी बह चुका है। मेट्टूर जलाशय भी भर गया है। कृष्णा कोल्हा के मालाप्रभा जलाशय में 87 प्रतिशत पानी संग्रहित है। 19 हजार क्यूसेक से ज्यादा इनफ्लो है। इस जलाशय को छोड़कर अन्य सभी जलाशय भरे हुए हैं।

दिनेश गुंडूराव ने डीके में बारिश प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

राहत उपायों के आदेश दिए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी दिनेश गुंडूराव ने शुक्रवार को जिले के बारिश प्रभावित इलाकों का दौरा किया और अधिकारियों को निकासी और राहत प्रक्रियाओं के बारे में निर्देश दिए।

मंत्री दिनेश गुंडूराव ने जिला आयुक्त मुल्लई मुहिलन के साथ बाढ़ग्रस्त खेतों का निरीक्षण करने के लिए आद्यापडी का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को पशुधन को निकालने और प्रभावित निवासियों को आवश्यक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। गुंडूराव ने जिला आयुक्त मुल्लई मुहिलन, पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल और एनए-चएआई और नगर निगम के अधिकारियों के साथ कट्टिकल एनएच 169 का भी निरीक्षण

किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एनएचएआई को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और मिट्टी को बिना अनुमति के नहीं हटाया जाना चाहिए। वर्षा जल निकासी की कमी के कारण इस स्थान का पेशेवर मूल्यांकन किया जाना चाहिए। नगर निगम और भूविज्ञान विभाग ने इस क्षेत्र की उपेक्षा की है, जिसने 1992 में एक बड़ा भूस्खलन देखा था। सड़क निर्माण अवैज्ञानिक प्रतीत होता है और तुरंत एक वैकल्पिक मार्ग ढूंढा जाना चाहिए। एनएचएआई को एक तकनीकी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी चाहिए और तत्काल उपाय किए जाने चाहिए। यदि समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता है, तो अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा आद्यापडी में पानी घरों और खेतों में घुस गया है, जिससे पीने के पानी की समस्या पैदा हो गई है। हमारा लक्ष्य इसे तुरंत हल करना है। भूस्खलन की रिपोर्ट बनाई जाएगी, क्योंकि कट्टिकल के निवासी एनएचएआई परियोजना के लिए बड़े पैमाने पर खनन के कारण यात्रा करने से डरते हैं। हमने जिला प्रशासन को इस मुद्दे को हल करने और भूविज्ञान विभाग को यह बताने का निर्देश दिया है कि वे साइट से मिट्टी निकालने की अनुमति कैसे देते हैं। सभी स्थानीय पंचायतों को किसी भी आपदा की सूचना देने और मुआवजा इकट्ठा करने का निर्देश दिया गया है।

सिद्धरामैया के मुडा घोटाले में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर, गुंडूराव ने कहा कि विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं है, लेकिन वे इसे करने के लिए स्वतंत्र हैं। केंद्र की भाजपा सरकार गैर-भाजपा राज्यों के खिलाफ राज्यपाल, आईटी और सीबीआई का दुरुपयोग कर रही है। ईडी और सीबीआई के लगभग 95 प्रतिशत मामले विपक्षी नेताओं के खिलाफ हैं, जबकि भाजपा का समर्थन करने वालों को छूट दी गई है। राज्यपाल को बयान देने से पहले निरीक्षण और परामर्श करना चाहिए। सिद्धरामैया की संपत्ति पर भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई 50-50 योजना के तहत अतिक्रमण किया गया था। बी वाई विजयेंद्र और येदियुरप्पा के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं, फिर भी वे बिना किसी स्पष्ट कारण के यह विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्षी नेता आर अशोक के इस बयान पर कि आपदा प्रबंधन निधि नहीं मिली है, गुंडूराव ने कहा एनडीआरएफ फंड से करीब 1,20,000 रुपये आवंटित किए गए हैं और राज्य सरकार देवराज उर्स निगम योजना के तहत प्रभावित लोगों के लिए आवास सुनिश्चित कर रही है। जिनके घर बारिश से क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें हम 50,000 रुपये देंगे और अगर कोई दस्तावेज नहीं है, तो 1 लाख रुपये दिए जाएंगे। पिछली भाजपा सरकार के दौरान बहुत छोटे घरों के लिए भी 5 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाता था।

राज्यपाल संविधान के विरुद्ध काम करेंगे तो सरकार न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाएगी: परमेश्वर

हमने पदयात्रा की अनुमति देने का फैसला किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शुक्रवार को संकेत दिया कि कर्नाटक सरकार राज्यपाल थावर चंद गहलोत द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को कारण बताओ नोटिस जारी करने को अदालत में चुनौती देगी। परमेश्वर ने कहा कि यदि राज्यपाल संविधान के विरुद्ध काम करेंगे तो सरकार स्वाभाविक रूप से न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाएगी। राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच संभावित टकराव के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा राज्य और राज्यपाल के बीच कई मौकों पर टकराव पैदा हो सकता है। राज्यपाल और राज्य सरकार दोनों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे अपने कर्तव्यों का पालन कानूनी रूप से करें। उन्होंने कहा शुरू में सरकार ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में सीएम को कारण बताओ नोटिस जारी करने के राज्यपाल के फैसले के बारे में उनसे संवाद करने का प्रयास किया। हमने राज्यपाल को दिखा दिया है कि वे गलत हैं। यदि वे संविधान के रक्षक के रूप में अपनी गलती सुधार लें तो यह फायदेमंद होगा। परमेश्वर ने इस बात पर जोर दिया कि राज्यपाल को संवैधानिक प्रमुख के रूप में संविधान का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा जब वह संविधान

के खिलाफ काम करते हैं, तो सरकार के लिए न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाना स्वाभाविक है। कानून के अनुसार राज्यपाल को अपने निर्णय को उचित ठहराना आवश्यक है, इस बात की ओर ध्यान दिलाते हुए परमेश्वर ने कहा कि राज्यपाल को अभियोजन के लिए सहमति देने का अधिकार है, लेकिन उन्हें उन स्थितियों और परिस्थितियों के बारे में बताना होगा, जिनके तहत उन्होंने ऐसी सहमति दी है। उन्होंने कहा कानून उनके कार्यों के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्यपाल वर्तमान में शहर में नहीं हैं, और कैबिनेट का निर्णय पहले ही उनके कार्यालय को भेज दिया गया होगा। उन्होंने कहा हमारी कैबिनेट बैठक में, हमने राज्यपाल द्वारा शिकायत प्राप्त होने के उसी दिन सीएम को कारण बताओ नोटिस जारी करने के मामले पर चर्चा की, बिना इसकी समीक्षा किए। अन्य मामलों में अनुमति के लिए कई अनुरोधों के बावजूद, राज्यपाल ने सहमति नहीं दी है। उन्होंने सीएम सिद्धरामैया को कारण बताओ नोटिस जारी करने में राज्यपाल की जल्दबाजी की आलोचना की। टीजे अब्राहम से प्रस्तुतिकरण प्राप्त होने के 30 मिनट के भीतर नोटिस जारी किया गया। इससे पता चलता है कि निर्णय पहले ही लिए गए थे। हम राज्यपाल को कानूनी शर्तों पर सलाह देंगे। मंत्रिपरिषद ने उन्हें पहले ही सलाह दे दी है, और हमें विश्वास है कि वह अनुमति नहीं देंगे। यदि राज्यपाल अभियोजन के लिए सहमति देते हैं, तो हम कानूनी रूप से इसका सामना करेंगे। बेंगलूरु से सीएम सिद्धरामैया के पैतृक स्थान तक भाजपा-जद(एस) की संयुक्त पदयात्रा के बारे में उन्होंने कहा हमने पदयात्रा की अनुमति देने का फैसला किया है, क्योंकि भाजपा और जद(एस) ने आश्वासन दिया है कि इसे शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित किया जाएगा। अनुमति न देने का हमारा पिछला फैसला कानून और व्यवस्था की चिंताओं पर आधारित था। उनके आश्वासन को देखते हुए, अब हम अनुमति देने पर विचार कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की जवाबी रणनीति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि जब सरकार पर आरोप लगते हैं तो सच्चाई जनता को बताई जानी चाहिए।

परमेश्वर ने आंकड़ों को गलत बताया

इसलिए, पार्टी इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रही है। राज्य में तीन वर्षों में 40,000 महिलाओं के लापता होने की अफवाहों को संबोधित करते हुए, परमेश्वर ने आंकड़ों को गलत बताया। उन्होंने कहा पुलिस ने लापता महिलाओं में से 50 से 60 प्रतिशत से अधिक का पता लगा लिया है। प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े सेक्स वीडियो मामले से जुड़े अपहरण मामले में जेडी(एस) विधायक और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के बेटे एचडी रेवन्ना और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र के बारे में उन्होंने कहा अवलोकन किए गए हैं, और आरोपों की विस्तार से व्याख्या की गई है। पुलिस साक्ष्य के आधार पर आरोप पत्र दायर किया गया है। आदेश लंबित है, हम देखेंगे कि क्या होता है।

लगातार बारिश के कारण भूस्खलन और पहाड़ गिरने की घटनाएं जारी

लोग बाढ़ के डर से जूझ रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मॉनसून की बारिश से पश्चिमी घाट हिल गया है। भारी बारिश के कारण कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है और पहाड़ी और तटीय इलाकों में पहाड़ियां टूट कर गिर रही हैं और सड़क यातायात बाधित हो रहा है। एहतियात के तौर पर स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। केरल के वायनाड में भूस्खलन की आपदा आई है जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है और सैकड़ों लोग अभी भी लापता हैं। कर्नाटक के तटीय और पहाड़ी हिस्सों में लगातार बारिश के कारण भूस्खलन और पहाड़ गिरने की घटनाएं हो रही हैं। हालांकि मौजूदा स्थिति में जान का खतरा नहीं है, लेकिन लगातार पहाड़ी और जमीन धंसने से लोगों में चिंता का माहौल बना हुआ है। ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि जो लोग कहते थे कि उन्हें बारिश चाहिए, वे अब कहते हैं

कि बारिश अब बंद हो। उत्तरी कर्नाटक के कई जिलों में हालात ऐसे हैं कि लोग बाढ़ के डर से जूझ रहे हैं। कई जगहों पर पुल, सड़कें बारिश में बह गए हैं और लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जलाशय भर रहे हैं और भारी मात्रा में पानी छोड़ रहे हैं, और नदी के किनारे रहने वाले लोगों को सावधान रहने के निर्देश दिए गए हैं।

इस हिस्से में स्थिति ऐसी है कि लोग अपनी जान हथेली पर लेकर चल रहे हैं। राज्य मौसम विभाग ने अगले चार से पांच दिनों तक भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है और खतरे की गंभीरता को लेकर चिंता जताई है। हासन के शिरडी घाट पर राष्ट्रीय राजमार्ग 75 की तलहटी के पास भूस्खलन जारी है, जिससे लोग चिंतित हैं। शिरडी घाट पर मिट्टी बहने से सड़क यातायात बाधित हो गया है। राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, विधायक सीमेंट मंजू ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया। प्रदेश के अधिकांश जिलों में मानसून की बारिश हो चुकी है। कई जगहों पर आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी गई है। कुछ जगहों पर स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां दे दी गई हैं। भारी बारिश के कारण हासन, चिक्कमगलूरु और कोडागु जिलों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि राजधानी बेंगलूरु में बारिश की संभावना है।

दिशा बदलेगी तो हमारी दशा भी बदलेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि सर्वज्ञ सर्वदर्शी अरिहन्त परमात्मा देशना के माध्यम से हमारी दिशा बदलते हैं। दिशा बदलेगी तो हमारी दशा भी बदलेगी। जो अपनी दिशा नहीं बदलेगा उसकी दशा भी नहीं बदलेगी। जिसने भी वीर परमात्मा की देशना को अपने अन्दर उतारा है, उनकी दिशा और दशा दोनों बदलती है। हमारी दिशा नहीं बदलने का कारण हमने जिनाज्ञा

को आपने जीवन में नहीं उतारा है। श्रावक जीवन के बारह अणुव्रतों को स्वीकार करना चाहिए। व्रत पच्छखान स्वीकार करने के पश्चात परीक्षा भी होती है, लेकिन हमें उनसे डिगना नहीं है। जीवन में छोटे छोटे नियम होना जरूरी है, जिनाज्ञा से ही जीवन में नियम लेने की प्रवृत्ति आती है। राजा दुर्लभ की राजसभा में जिनेश्वर मुनि द्वारा सूराचार्य को शास्त्रार्थ में परास्त करने पर वि. सं. 1075 में पाटण के दुर्लभ राजा द्वारा जिनेश्वर मुनि को खरे यानि सुविहित खरतर बिरुद की पदवी प्रदान की। यहीं से एक हजार छह वर्ष पूर्व खरतरगच्छ का पादुर्भाव हुआ।

राहुल गांधी की राजनीति खतरनाक हैं: आलोक मेहता

राजीव गांधी ने ओबीसी को इडियट्स कहा था

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

राहुल गांधी लगातार जाति जनगणना की बातें कर रहे हैं, वो जाति के हिसाब से हिस्सेदारी की बातें करते हैं। कभी वो बजट बनाने वाले अधिकारियों की जाति पूछते हैं, तो कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ओबीसी समाज का मानने से इनकार कर देते हैं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या सत्ता पाने के लिए कांग्रेस पार्टी देश को गृहयुद्ध की तरफ धकेलने की साजिश रच रही है? बड़ी बात ये है कि आरक्षण को लेकर राजीव गांधी के जो विचार थे, वो कांग्रेस पार्टी के लिए गले की फांस बन सकते हैं।

प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रुख भी आरक्षण के खिलाफ था। वहीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में 1985 का मुद्दा उठाया, जब राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते आरक्षण के खिलाफ बयान दिया था। असल में उन्होंने 1985 में नवभारत टाइम्स के साथ इंटरव्यू में कुछ ऐसा कहा था, जो भाजपा आज लोगों को याद दिला रही है। राजीव गांधी का ये इंटरव्यू पत्रकार आलोक मेहता ने लिया था। आलोक मेहता ने कहा कि राजीव गांधी से उनका सम्पर्क उनके प्रधानमंत्री बनने से पहले से था। आलोक मेहता राहुल गांधी के ताजा भाषणों को सुन कर दुखी हैं। राहुल गांधी को लगता है कि जाति की राजनीति कामयाब होगी। जबकि आलोक मेहता कहते हैं कि राजीव गांधी आधुनिक व्यक्ति थे, राहुल गांधी जो राजनीति कर रहे वो उनकी पिता की राजनीति से एकदम अलग है। आलोक मेहता का मानना है कि राहुल गांधी या तो कन्फ्यूज्ड हैं या फिर कम्युनिस्ट बनना चाहते हैं।

आलोक मेहता ने याद दिलाया कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता रहे विद्याचरण शुक्ला को माओवादियों ने ही मार डाला था। अलोक मेहता ने कहा कि वो लंबे समय से इस परिवार को जानते हैं, ऐसे में उन्हें आज ये सब देख कर दुःख होता है। अलोक मेहता का मानना है कि राहुल गांधी के इस राजनीतिक रुख से उन्हें भले ही तात्कालिक फायदा हो जाए, लेकिन आगे जाकर भारत को इसका नुकसान होगा। वरिष्ठ पत्रकार ने कहा कि वो धार्मिक कट्टरता के साथ-साथ जातिवादी राजनीति के भी खिलाफ हैं।

आलोक मेहता ने कहा कि अगर जातीय राजनीति की ही बात करें तो राहुल गांधी या तेजस्वी यादव से अधिक सक्षम नेता अखिलेश यादव हैं। अलोक मेहता के अनुसार, राहुल गांधी कि ताज़ा राजनीति जातिवाद और कम्युनिज्म का मिश्रण है। उन्होंने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि इस तरह की राजनीति अंततः मजदूरों के विद्रोह को जन्म देती है। आलोक मेहता ने कहा कि आज जयराम रमेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के सलाहकार बने हुए हैं, जो खुद एक चुनाव तक लड़ कर नहीं जीत सकते।

आलोक मेहता का कहना है कि राहुल गांधी देश के सबसे बड़े भ्रष्टाचारी लालू यादव के साथ मिल कर राजनीति करते हैं। 1985 के जिस इंटरव्यू का जिक्र संसद में हुआ, उसमें राजीव गांधी ने कहा था कि संविधान बनाए जाने के दौरान आरक्षण की जो व्यवस्था की गई थी, उसका अब काफी राजनीतिकरण हो गया है। उन्होंने कहा था कि आरक्षण के प्रावधानों पर नए सिरे से विचार का समय आ गया है। इस दौरान उन्होंने कहा था, विभिन्न क्षेत्र में बुद्धुओं (इडियट्स) के आगे बढ़ने से देश को नुकसान होगा।

विशेष विमान से राजस्थान के उदयपुर से नई दिल्ली लौटते समय यात्रा के दौरान ही उन्होंने आलोक मेहता को इंटरव्यू दिया था। उल्लेखनीय है कि हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने संसद में करारा पलटवार करते हुए राहुल गांधी से पूछा कि उनकी जाति क्या है? उन्होंने कहा कि जिसकी खुद की जाति का पता नहीं, वो जाति जनगणना की बात करता है। इसके बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी भड़क गए। उन्होंने कहा कि आप जाति कैसे पूछ सकते हैं? जबकि जाति जनगणना के तहत यही लोग पूरे देश की जाति पूछने की मांग करते हैं।

मोदी की उपलब्धियों को वैश्विक मंच पर सुन सकता है विपक्ष: भाजपा

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस द्वारा भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टैक्नोलॉजी की मदद से 80 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से निकालने की सराहना करते हुए शुक्रवार को विपक्ष पर कटाक्ष किया कि श्री मोदी की उपलब्धियों को वे वैश्विक मंच पर सुन सकते हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने आज पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की नीतियों और तकनीकी प्रगति की सार्वजनिक रूप से सराहना की जिससे भारत के गरीबों जीवन स्तर ऊपर उठा है। आज मोदी मैजिक का डंका समूचे विश्व में बज रहा है। श्री चंद्रशेखर ने कहा कि कल संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने विस्तार से दुनिया के सामने उदाहरण रखते हुए कहा कि भारत में 80 करोड़ लोगों को गरीबी और 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया है और ये श्री मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों के कारण हुआ है। विगत 10 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हुए परिवर्तन का उदाहरण देते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने कहा कि हर देश को इसी तरह अपने देश के गरीब लोगों को आगे बढ़ाने के लिए नीतियां बनानी चाहिए। 80 करोड़ लोगों के जीवन में ये बदलाव टेक्नॉलॉजी के कारण संभव हो पाया है।

श्री चंद्रशेखर ने कहा कि 2014 से पहले, भारत को उदासीनता निष्क्रिय सरकार, बहुत कमजोर सिस्टम और भ्रष्ट देश के रूप में देखा जाता था। 2014 से पहले भारत का बैंकिंग सिस्टम केवल अमीर लोगों के लिए और इंटरनेट कनेक्टिविटी सिर्फ 17 करोड़ लोगों की पहुंच थी। 2014 के बाद प्रधानमंत्री ने देश के 90 करोड़ लोगों तक इंटरनेट की पहुंच को सुनिश्चित किया और 52 करोड़ से अधिक लोगों को बैंकिंग सुविधा से जोड़ने का कार्य किया। श्री चंद्रशेखर ने कहा कि मोदी सरकार के प्रयासों से 25 करोड़ से अधिक लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया है। कोरोना महामारी के दौरान 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया गया और 200 करोड़ से अधिक लोगों का टीकाकरण अभियान चलाया गया। इन सभी उपलब्धियों की वैश्विक स्तर पर प्रशंसा हुई है। पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने ब्रिटेन से भारत की नीतियों को अपनाने का आग्रह किया। श्री चंद्रशेखर ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि विपक्षी दल पूछते हैं कि पिछले एक दशक में केंद्र सरकार के गरीबी के लिए क्या किया है? लेकिन, दुनिया जानती है कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश का विकास, गरीबों एवं किसानों के सशक्तिकरण तथा तकनीकी उन्नति पर विशेष ध्यान दिया है।

अवमानना मामले में कश्मीर के अधिकारी को हाईकोर्ट ने किया तलब

श्रीनगर, 2 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को गांदरबल के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) श्यामबीर सिंह को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा शुरू किए गए आपराधिक अवमानना मामले में पांच अगस्त को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए समन जारी किया है।

न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने कहा कि श्री सिंह द्वारा समन की तामील से बचने या उनकी गैर-हाजिरी के किसी भी प्रयास को गंभीरता से लिया जाएगा और अदालत उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बलपूर्वक कार्यवाही का सहारा लेगी। गांदरबल में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने हाल ही में डिप्टी कमिश्नर के खिलाफ आपराधिक अवमानना के लिए प्रारंभिक जांच शुरू की थी, जिसमें कथित तौर पर पहले के आदेश का पालन नहीं करने और न्यायाधीश पर छेड़छाड़ और मनगढ़ंत तरीके से व्यक्तिगत हमला करने का प्रयास किया गया था।

न्यायालय के आदेश में कहा गया है कि यह गांदरबल के डिप्टी कमिश्नर के खिलाफ आपराधिक संदर्भ में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, गांदरबल द्वारा न्यायालय की अवमानना अधिनियम 2015 की धारा 15(2) के तहत किया गया संदर्भ है। अवमानना करने वाले श्री श्यामबीर को नोटिस जारी करें। डिप्टी कमिश्नर पांच अगस्त को सुबह 11 बजे व्यक्तिगत रूप से न्यायालय के समक्ष उपस्थित होंगे। उच्च न्यायालय ने मामले में सहायता के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता आर ए जान को न्यायमित्र भी नियुक्त किया है। यह मामला भूमि अधिग्रहण से संबंधित है, जिसमें याचिकाकर्ताओं ने गांदरबल न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और कहा था कि सरकार द्वारा उनसे भूमि अधिग्रहण करने के बाद उन्हें मुआवजा नहीं दिया गया। गांदरबल जिला न्यायालय के उप-न्यायाधीश फैयाज अहमद कुरैशी ने उपायुक्त को याचिकाकर्ताओं को मुआवजा देने का आदेश दिया।

इक्कसी जून तक उप-न्यायाधीश ने पाया कि आदेश का क्रियान्वयन नहीं किया गया है और उन्होंने उपायुक्त तथा अन्य अधिकारियों का वेतन रोकने का निर्देश दिया। तेईस जुलाई को उप-न्यायाधीश कुरैशी ने कहा कि उनका पिछला आदेश गांदरबल के डिप्टी कमिश्नर को पसंद नहीं आया, जिन्होंने पीठासीन अधिकारी (उप-न्यायाधीश) पर व्यक्तिगत रूप से हमला करने का प्रयास किया, उन्हें बदनाम किया और हेरफेर तथा मनगढ़ंत बातों के ज़रिए उन्हें कमज़ोर किया। इस उद्देश्य के लिए, उन्होंने आदेश के तुरंत बाद एक बैठक बुलाई और जिले के कुछ अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ मिलकर अदालत के पीठासीन अधिकारी को न्याय-ऋणदाताओं के खिलाफ़ वैध आदेश पारित करने के लिए फंसाने की साजिश रची। न्यायाधीश ने कहा कि डीसी को पता चला कि उनके पास गांदरबल में दो कनाल ज़मीन है, और डीसी ने अपनी आधिकारिक मशीनरी का दुरुपयोग किया और संपत्ति के दस्तावेज़ों का पता लगाने में समय लगाया, जो कि पीठासीन अधिकारी के पास वैध रूप से है। उप-न्यायाधीश ने डीसी को यह बताने के लिए एक नोटिस भी जारी किया था कि उन्हें आपराधिक अवमानना के लिए उच्च न्यायालय में क्यों नहीं भेजा जाना चाहिए।

कुल 50655 करोड़ रूपए की 8 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजओं को मंजूरी, अयोध्या में बनेगा रिंग रोड

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में अयोध्या और कानपुर में रिंग रोड के निर्माण सहित कुल 50,655 करोड़ रुपए की राष्ट्रीय राजमार्ग विकास की आठ महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के प्रस्ताव को शुक्रवार को स्वीकृति प्रदान की।

पीएम गतिशक्ति मंच की मदद से समन्वित नियोजन के साथ नियोजित इन राजमार्ग परियोजनाओं की कुल लंबाई 936 किलो मीटर है, जिसे विजन 2047 को ध्यान में रख कर तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समित में स्वीकृत इन प्रस्तावों की जानकारी देते हुए सूचना प्रसारण एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा, ये परियोजनाएं कुल करीब 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की है और इनके निर्माण से 4.5 करोड़ दिहाड़ी रोगार का सृजन होगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं की योजना इस तरह बनी है ताकि भूमि अधिग्रण की जरूरत कम से कम पड़। इनमें संबंधित क्षेत्रों के वर्तमान सड़क मार्गों की भूमि का भी प्रयोग हो सकेगा।

श्री वैष्णव ने कहा कि धार्मिक नगरी अयोध्या के सर्वांगीण विकास के लिए करीब 4000 करोड़ रुपये की लागत से करीब 68 किलोमीटर का रिंग रोड बनाया जाएगा जो समीप से गुजरने वाले वर्तमान राष्ट्रीय राजमार्ग से भी जुड़ा होगा। कानपुर में बढ़ती औद्योगिक गतिविधियों और विकास की जरूरतों को देखते हुए शहर के चारो ओर छह लेन का रिंग रोड बनाने की परियोजना भी मंजूर की गयी है। इस 3298 करोड़ रुपये का खर्च होगा। उन्होंने बताया कि आज की बैठक में पूर्वोत्तर में विकास की गति की जरूरतों को देखते हुए गुवाहाटी शहर के विकास के लिए गुवहाटी बाईपास को हाईवे से जोड़ने के लिए 121 किलो मीटर की राजमार्ग परियोजना को भी मंजूरी दी गयी है जिसपर 5729 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

इससे शहर के चारो ओर एक रिंग रोड विकसित होगा। इसके अलावा पुणे-नासिक मार्ग पर आठ लेन का फ्लाईओवर कारीडोर बनाया जाएगा। इससे जाम की समस्या दूर होगी शहर के समीपवर्ती चिंचवाड-चाखन औद्योगिक क्षेत्र के परिवहन मार्ग में सुगमता आएगी। इस परियोजना के लिए 7827 करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजना मंजूर की गयी है। रायपुर-रांची के बीच पूर्ण निर्माणाधीन राजमार्ग परियाजना के तहत पत्थलगांव- गुमला के बीच 137 किलो मीटर के खंड के निर्माण को भी मंजूरी दी गयी जिस पर 4473 करोड़ रुपये खर्च होंगे तथा इसका लाभ छत्तीसगढ और झारखंड को मिलेगा। गुजरात में थरण-मेहसाणा क्षेत्र में 214 करोड़ रुपये के छह लेन की परियोजना को मंजूरी दी गयी है जो दिल्ली-ट्रांस राजस्थान हाई वे और दिल्ली-मुंबई गलियारा परियोजना को जोड़ेगा। इस परियोजना पर 10534 करोड़ रुपये का निवेश होगा। उन्होंने बताया कि आज की बैठक में पश्चिम बंगाल में खड़गपुर से मोरेग्राम (मुर्शिदाबाद) तक चार लेन हाईवे परियोजना को मंजूरी दी गयी है। इस घनी आबादी वाले क्षेत्र के विकास के लिए बनायी गयी इस परियोजना की लंबाई 231 करोड़ रुपये है और इस पर 10247 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सरकार ने आगरा से ग्वालियर के बीच छह लेन हाईस्पीड कारीडोर के निर्माण का भी निर्णय लिया है। इस 88 किलोमीटर के राजमार्ग पर 461 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है।

यूपी को केंद्र से मिला सड़कों का तोहफा,योगी ने व्यक्त किया आभार

लखनऊ, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा उत्तर प्रदेश के लिये छह लेन के आगरा ग्वालियर नेशनल हाई स्पीड कॉरिडोर, फोर लेन अयोध्या रिंग रोड और छह लेन कानपुर रिंग रोड के मंजूरी प्रदान किये जाने पर प्रसन्नता जाहिर की और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्री योगी ने एक्स पर पोस्ट किया आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में आज केंद्रीय कैबिनेट ने देश के सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर को और अधिक मजबूत करने की दिशा में 50,655 करोड़ रुपये लागत की 8 राष्ट्रीय हाई-स्पीड रोड कॉरिडोर परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होने कहा इस कड़ी में उत्तर प्रदेश के लिए 6-लेन के आगरा-ग्वालियर नेशनल हाई-स्पीड कॉरिडोर, 4-लेन अयोध्या रिंग रोड और 6-लेन कानपुर रिंग रोड की मिली मंजूरी प्रदेश के सर्वसमावेशी विकास की गति को कई गुना बढ़ाने वाली है। ये परियोजनाएं यात्रा को सुगम तो बनाएंगी ही, इनसे उद्योग, व्यापार व पर्यटन को भी व्यापक बढ़ावा मिलेगा, ग्रामीण-शहरी संपर्क और मजबूत होगा। इनसे हजारों-लाखों रोजगार के नए अवसर सृजित होने जा रहे हैं। योगी ने कहा क्रांतिकारी परिवर्तन लाने जा रहीं ये परियोजनाएं श्री अयोध्या धाम के विकास के साथ-साथ प्रदेश को आध्यात्मिक और आर्थिक विकास का केंद्र बनाने में मील का पत्थर सिद्ध होंगी। श्रावण के पवित्र माह में प्रदेश को मिले इन उपहारों के लिए आपका हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में अयोध्या और कानपुर में रिंग रोड के निर्माण सहित कुल 50,655 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग विकास की आठ महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के प्रस्ताव को शुक्रवार को स्वीकृति प्रदान की।

रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और वियतनाम

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत और वियतनाम साइबर सुरक्षा, सूचना सुरक्षा, सैन्य चिकित्सा और पनडुब्बी खोज एवं बचाव जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढायेंगे। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि दोनों देशों के बीच 14वीं भारत-वियतनाम रक्षा नीति वार्ता बृहस्पतिवार को यहां हुई। वार्ता की सह-अध्यक्षता रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा उप मंत्री वरिष्ठ लेफ्टिनेंट जनरल होआंग जुआन चिएन ने की।

बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के मुद्दों की समीक्षा की और जून 2022 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की वियतनाम यात्रा के दौरान '2030 की ओर, भारत-वियतनाम रक्षा साझेदारी पर संयुक्त विजन वक्तव्य' पर हस्ताक्षर करने के बाद संबंधों में हुई प्रगति का उल्लेख किया। वियतनाम ने सहयोग के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों का प्रस्ताव रखा, जिनमें प्रतिनिधिमंडल का आदान-प्रदान और संवाद, स्टाफ-वार्ता, सेनाओं के बीच परस्पर सहयोग, रक्षा और प्रशिक्षण तथा रक्षा उद्योग सहयोग शामिल हैं। रक्षा सचिव ने पाँच सूत्री प्रस्ताव का स्वागत किया तथा साइबर सुरक्षा, सूचना सुरक्षा, सैन्य चिकित्सा, पनडुब्बी खोज एवं बचाव जैसे दोनों देशों के लिए चिंता के उभरते क्षेत्रों में सहयोग का प्रस्ताव रखा।

रक्षा सचिव ने मित्र देशों की क्षमता और क्षमता वृद्धि को पूरा करने के लिए घरेलू रक्षा उद्योग की क्षमता पर प्रकाश डाला तथा वियतनाम पीपुल्स आर्म्ड फोर्सेज और उनके उद्योगों के साथ उपयोगी साझेदारी के प्रति आशा व्यक्त की। बैठक के बाद, रक्षा सचिव और वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा उप मंत्री ने प्रशिक्षकों और विशेषज्ञों के आदान-प्रदान सहित प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए।

लद्दाख में बनेगा मंगल और चंद्रमा के समानांतर अनुसंधान स्टेशन

लेह, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

देश के मंगल मिशन के लिए महत्वपूर्ण विकास में भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) और बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान (बीएसआईपी) के वैज्ञानिकों ने लद्दाख में देश का पहला मंगल और चंद्रमा समानांतर अनुसंधान स्टेशन के लिए आदर्श स्थल माना है।

समानांतर अनुसंधान स्टेशन एक ऐसा केंद्र है, जहां चंद्रमा और मंगल मिशनों के लिए गतिविधियों का अनुकरण किया जा सकता है। उदाहरण के लिए अंतरिक्ष यात्री आवासों का निर्माण और परीक्षण किया जा सकता है, क्योंकि इसमें भूवैज्ञानिक समानता है, जो बाहरी ग्रहों की स्थितियों से मेल खाती हैं। यह स्टेशन यह भी अध्ययन करने की अनुमति देगा कि सूक्ष्मजीव और अन्य जीव ऐसे चरम वातावरण में कैसे प्रतिक्रिया देते हैं।

यह अनुसंधान बीएसआईपी की बिनीता फर्तियाल और आईआईएससी के आलोक कुमार के नेतृत्व में किया गया है। इसमें शुभांशु शुक्ला भारत के चार गगनयान अंतरिक्ष यात्रियों में से एक शामिल हैं। इसमें 2035 तक एक अंतरिक्ष स्टेशन और 2040 तक चंद्रमा पर उतरने की योजना शामिल है।

क्षेत्र का ठंडा, शुष्क रेगिस्तान, चट्टानी भूभाग, और प्रारंभिक मंगल और चंद्रमा के समान भू-आकृतिक समानता इसे बाहरी ग्रहों की स्थितियों के अनुकरण के लिए उत्कृष्ट बनाती हैं। फर्तियाल के अनुसार, लद्दाख उपकरणों के परीक्षण, कर्मचारियों के प्रशिक्षण और आवश्यक वैज्ञानिक अध्ययनों के लिए प्राकृतिक प्रयोगशाला प्रदान करता है।

अयोध्या के सपा सांसद का करीबी है बलात्कारी मोईद खान

योगी बोले, ऐसे अपराधियों को क्या माला पहनाएंगे?

लखनऊ, 02 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में समाजवादी पार्टी को जवाब देते हुए कहा कि अपराधियों को गोली नहीं मारा जाएगा तो माला पहनाया जाएगा क्या। सीएम योगी ने इस दौरान एक नाबालिग लड़की से रेप करने वाले अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद के करीबी मोईद खान और अधिवक्ता की हत्या करवाने वाले हरदोई के पूर्व सपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव का भी जिक्र किया।

अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद

बलात्कार का आरोपी सपा नेता मोईद खान

सीएम योगी ने सदन में समाजवादी पार्टी को जवाब देते हुए कहा, ये अपराधी समाज के सबसे बड़े कलंक हैं, कोढ़ हैं और इस कोढ़ को जब तक हटाएंगे नहीं, तब तक उत्तर प्रदेश की स्थिति को ठीक करने में कठिनाई होगी। विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के सदस्यों को जवाब देते हुए सीएम योगी ने कहा, ऐसे अपराधियों को क्या माला पहनाएंगे?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, अयोध्या का यह मामला है। इसका अपराधी मोईद खान समाजवादी पार्टी का नेता है। अयोध्या के सांसद की टीम का सदस्य है। 12 वर्षीय एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के कृत्य में शामिल पाया गया है। अभी तक समाजवादी पार्टी ने उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। अब क्या कोई समाजवादी पार्टी का नाम भी न बोले? मोईद खान को लेकर सीएम योगी ने कहा, वह सपा की टीम का मेंबर है। सपा सांसद के साथ उसका उठना बैठना है, खाना है, उनके साथ चलना है। यह एक अति पिछड़ी जाति की बालिका से जुड़ा हुआ मामला है। वह इतनी घटिया हरकत में संलिप्त है, इसके बावजूद भी समाजवादी पार्टी द्वारा इसे हल्केपन से लेने का काम होता है। अब तक पार्टी उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करती। यह दुखद और आश्चर्यजनक है।

हरदोई की घटना का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा, कल ही हरदोई में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई। इसमें भी वीरे उर्फ वीरेंद्र यादव शामिल है, जो समाजवादी पार्टी का पूर्व जिलाध्यक्ष है। आप देखें कि किस प्रकार के व्यक्ति को सपा नेतृत्व जिलाध्यक्ष बना रहे हैं। आईपीसी और सीआरपीसी की ऐसी कोई धारा नहीं, जो उस पर न लगी हो। उस पर 28 ऐसे जघन्य मामले दर्ज हैं। ऐसा नहीं है कि ये मामले 2017 से 2024 के बीच के हों। इस पर पहला अपराध दर्ज हुआ था 1989 में। दूसरा 1991 में। तीसरा 1991 में। चौथा 1991 में। पांचवां 1992 में। 1996-2006-2007-2008-2009-2013-2015 में भी मामले दर्ज हुए हैं। 2013 और 2015 में तो सपा की ही सरकार थी। 2002 और 2017 में इस पर गुंडा अधिनियम के तहत इस पर कार्रवाई हुई।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा, कल एक अधिवक्ता की सरेआम हत्या इस व्यक्ति के द्वारा करवाई गई है। इस प्रकार के अपराधियों को आप कहते हैं कि साहब आप गोली मार रहे हैं। क्या इन्हें हम माला पहनाएं? यह तो ताजा उदाहरण है। ये समाज के लिए सबसे बड़े कलंक हैं। इस समाज का कोढ़ हैं। इस कोढ़ को जब तक हटाएंगे नहीं, तब तक उत्तर प्रदेश की स्थिति को ठीक करने में कठिनाई होगी।

समाजवादी पार्टी के नेता मोईद खान और उसके नौकर राजू पर नाबालिग लड़की से बलात्कार आरोप लगा है। मजदूर परिवार की पीड़िता का अश्लील वीडियो बना कर उसे ब्लैकमेल भी किया गया। पुलिस ने केस दर्ज करके मोईद खान और उसके नौकर राजू को गिरफ्तार कर लिया है। जिस सपा नेता मोईद खान पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगा है उसी के घर में लगभग 12 साल से पुलिस चौकी चल रही थी। घटना अयोध्या के थाना क्षेत्र पूराकलंदर की है। यहां के चौकी क्षेत्र भदरसा में समाजवादी पार्टी के नेता मोईद खान की बेकरी की दुकान है। यहीं पर एक ओबीसी समुदाय की एक मजदूर महिला और उनकी 12 वर्षीया नाबालिग बेटी रहती है। लगभग 75 दिन पहले पीड़िता अपनी मां के साथ मजदूरी कर के लौट रही थी। तभी रास्ते में मोईद की दुकान में काम करने वाले नौकर राजू खाँ ने पीड़िता को टोस्ट लेने के लिए अपनी दुकान पर बुलाया। लड़की पहले भी मोईद की दुकान पर आती जाती रही थी इसीलिए वो विश्वास कर के वहां चली गई।

बताया जा रहा है कि दुकान में राजू और उसके मालिक मोईद ने पीड़िता से बारी-बारी सामूहिक दुष्कर्म किया। इसी दौरान आरोपियों द्वारा रेप का वीडियो भी बना लिया गया। किसी को बताने पर वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी गई। बाद में इसी वीडियो से डरा-धमका कर पीड़िता से 2 महीने तक दोनों आरोपियों ने गैंगरेप किया। इस वजह से पीड़िता गर्भवती हो गई।

थानाध्यक्ष और चौकी इंचार्ज सस्पेंड, बलात्कारी की संपत्ति जब्त होगी

अयोध्या, 02 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या के भदरसा में हुए घिनौने कांड के बाद लखनऊ में दुष्कर्म पीड़ित बच्ची की मां से मुलाकात करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कुछ ही घंटों के अंदर कार्रवाई शुरू हो गई है। सबसे पहले इस मामले में थानाअध्यक्ष पूराकलंदर रतन शर्मा व भदरसा चौकी इंचार्ज अखिलेश गुप्ता को सस्पेंड कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि जल्द ही और बड़े स्तर पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है। नाबालिग बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पीड़िता की मां को सीएम योगी की ओर से मिले भरोसे के बाद शुक्रवार शाम एसडीएम सोहावल राजस्व कर्मियों के साथ आरोपी सपा नेता मोईद खान के घर पहुंचे। आरोपी सपा नेता की जमीनों की पैमाइश शुरू हो गई है। पीड़िता की मां की ओर से बताया गया है कि सीएम ने उन्हें आश्वस्त किया है कि आरोपी सपा नेता की संपत्तियों की जांच कराई जाएगी और अवैध संपत्तियों के खिलाफ कठोरता से कार्रवाई की जाएगी।

योगी ने पीड़िता की मां को दिया भरोसा, बख्शे नहीं जाएंगे दरिंदे

लखनऊ/अयोध्या, 02 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या की दुष्कर्म पीड़िता बच्ची की मां को आश्वस्त किया है कि उन्हें न्याय दिलाने के लिए सरकार उनके साथ खड़ी है। बच्ची के साथ दरिंदगी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा उन पर कठोरतम कार्रवाई होगी। शुक्रवार को दुष्कर्म पीड़ित बच्ची की मां ने मुख्यमंत्री से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। सीएम से मिलने के बाद पीड़िता की मां ने मीडिया को बताया कि उनकी बच्ची के साथ दरिंदगी करने वालों के लिए उन्होंने सरकार से फांसी की सजा की मांग की है, इसपर मुख्यमंत्री जी ने भी आश्वस्त किया है कि बच्ची को हर कीमत पर न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। बच्ची की मां ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस बात को लेकर भी आश्वस्त किया है कि आरोपी सपा नेता मोईन खान की संपत्तियों की जांच कराई जाएगी और अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलेगा। मुख्यमंत्री आवास पर शुक्रवार को पीड़िता की मां से सीएम योगी की मुलाकात के दौरान बीकापुर के विधायक अमित सिंह चौहान भी मौजूद रहे।

अयोध्या के पूरा कलंदर थानाक्षेत्र में घटी शर्मनाक घटना में पिछड़ा वर्ग की 12 वर्षीय बच्ची के साथ सपा नेता मोईन खान और उसके नौकर पर दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का आरोप है। आरोपित मोईन खान फैजाबाद से सपा सांसद अवधेश प्रसाद का करीबी बताया जाता है। एक दिन पहले ही सीएम योगी ने विधानसभा में इस मामले पर बोलते हुए गहरी नाराजगी व्यक्त की थी। उन्होंने इस मामले में समाजवादी पार्टी की ओर से आरोपियों को लेकर सॉफ्ट कॉर्नर रखने के लिए सपा नेताओं की कड़े शब्दों में भर्त्सना की थी।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को पीड़ित बच्ची की मां से मिलने के बाद अधिकारियों को निर्देशित किया है कि बच्ची के स्वास्थ्य और उसकी सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंधन किये जाएं। सीएम योगी ने राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य अनीता अग्रवाल को अयोध्या जिला महिला चिकित्सालय में दुष्कर्म पीड़ित बालिका से मुलाकात करने के निर्देश भी दिए। वहीं अयोध्या पहुंची आयोग की सदस्य ने पीड़ित बच्ची का हाल-चाल जाना तथा उसके परिजनों से विशेष मुलाकात करते हुए उनको न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में 12 वर्ष की बालिका के साथ दरिंदगी निंदनीय घटना है। परिजनों द्वारा अवगत कराया गया है की बच्ची अक्सर खेतों में काम करने जाती थी। बहला फुसलाकर उसके साथ हैवानियत की गई है। दरिंदों को कड़ी से कड़ी सजा मिले, इसके लिए आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है। इसको लेकर जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा भी हमें आश्वस्त किया गया है।

महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। एक दिन पहले ही महिला संबंधी अपराध के मामलों पर भी सीएम ने समाजवादियों को आईना भी दिखाया था। सपा सरकार के दौरान जहां दुष्कर्मियों का यह कहकर बचाव किया जाता था, कि लड़के हैं, लड़कों से गलतियां हो जाती हैं, वहीं इस मामले में योगी सरकार की कठोर नीतियों का ही प्रतिफल है कि प्रदेश में महिला अपराधों में अप्रत्याशित कमी दर्ज की गई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में दहेज मृत्यु दर में 17.43, बलात्कार में 25.30, शीलभंग में 16.56, अपहरण में 0.17 फीसदी की कमी आई है। महिलाओं के विरुद्ध घटित अपराधों में राष्ट्रीय औसत पर नजर डालें तो उत्तर प्रदेश में 2017 से 2022 तक महिलाओं के प्रति अपराध बहुत कम हुए हैं। 2017 से 2022 में यूपी के सापेक्ष तेलंगाना, उड़ीसा, राजस्थान, पं. बंगाल, महाराष्ट्र में अपराध अधिक बढ़े थे। बलात्कार के मामले में इस दौरान छत्तीसगढ़, केरल, राजस्थान व झारखंड में यूपी से अधिक अपराध घटित हुए थे। यूपी का इसमें 24वां स्थान है। शील भंग में यूपी का 17वें स्थान पर है यानी 16 राज्यों में यूपी से अधिक महिला संबंधित अपराध हुए हैं।

बच्ची की सुरक्षा का रखा जाएगा विशेष ध्यान

लखनऊ, 02 अगस्त (एजेंसियां)। महिला आयोग की सदस्य अनीता अग्रवाल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया की सर्वप्रथम पीड़िता को जनरल वार्ड से प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट किया जाए तथा किसी भी अनजान व्यक्ति को उससे मिलने नहीं दिया जाए। उन्होंने जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से कहा कि पीड़िता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला चिकित्सालय एवं उसके आवास पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएं। उन्होंने जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देश दिया कि बच्ची का बैंक में खाता खोलकर उसको शासन द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाया जाए। बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य ने इस संबंध में जिला स्तरीय अधिकारियों से मुलाकात करते हुए स्थिति की समीक्षा की और कहा कि यह बहुत ही शर्मनाक घटना है, जिसका मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं संज्ञान लेते हुए पीड़िता की मां को मुलाकात करने के लिए बुलाया गया है तथा जांच करने के लिए मुझे तत्काल यहां भेजा गया है।

योगी सरकार ने गोरखपुर मंडल को बनाया चिकित्सा शिक्षा का हब

एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए एम्स और पांच मेडिकल कॉलेज

गोरखपुर, 02 अगस्त (एजेंसियां)। जिस गोरखपुर मंडल में इलाज और चिकित्सा शिक्षा के लिए एकमात्र मेडिकल कॉलेज था, बीते सात साल में योगी सरकार ने उसे हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल एजुकेशन का हब बना दिया है। इस मंडल में इस साल एमबीबीएस की 300 नई सीटों पर दाखिला शुरू होने जा रहा है। इसके साथ ही गोरखपुर मंडल में एमबीबीएस की 675 सीटों पर पढ़ाई शुरू हो जाएगी। सरकार के प्रयास से इस मंडल में सात साल में एमबीबीएस की करीब सात गुना सीटें बढ़ गई हैं।

सात साल पहले तक गोरखपुर को केंद्र मानकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के माथे पर बदहाली की पहचान चस्पा थी।

चिकित्सा और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में तो और भी। गोरखपुर समेत आसपास के कई मंडलों, सीमाई बिहार और नेपाल तक के लोगों के इलाज के लिए उम्मीद की एकमात्र किरण बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर ही था। इस पूरे अंचल में एमबीबीएस की पढ़ाई का भी एकमात्र केंद्र यही था। अव्यवस्था के चलते बीआरडी मेडिकल कॉलेज खुद बीमार नजर आता था तो कई बार इसकी एएमबीबीएस की मान्यता पर तलवार लटकती रही।

पर, सिर्फ सात साल में ही गोरखपुर मंडल चिकित्सा और चिकित्सा शिक्षा के लिहाज से रोल मॉडल बनता जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को लेकर अपने संसदीय कार्यकाल से ही बेहद संवेदनशील और रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूं तो पूरे प्रदेश में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल एजुकेशन की तस्वीर बदल दी है लेकिन गोरखपुर मंडल में आया बदलाव कभी-कभी अकल्पनीय लगता है।

कभी एक मेडिकल कॉलेज वाले इस मंडल के चार जिलों में आज पांच मेडिकल कॉलेज हैं तो विश्व स्तरीय एम्स भी है। एक लंबे दौर तक यहां सिर्फ बीआरडी मेडिकल कॉलेज में ही एमबीबीएस की सौ सीटों पर पढ़ाई होती थी। इसमें 125 सीटों की वृद्धि गोरखपुर में एम्स खुलने के साथ तथा 100 सीटों का इजाफा देवरिया में महर्षि देवरहा बाबा राज्य स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेज की स्थापना से हुई। मंडल में इस साल से तीन नए मेडिकल कॉलेजों में कुल 300 एमबीबीएस सीटों पर दाखिला और पढ़ाई शुरू होने जा रही है। इनमें कुशीनगर में राज्य स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेज को 100, महराजगंज में पीपीपी मॉडल पर संचालित केएमसी मेडिकल कॉलेज को 150 और निजी क्षेत्र के महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित श्रीगोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को एमबीबीएस की 50 सीटों के लिए मान्यता और लेटर ऑफ परमिशन नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) से प्राप्त हुआ है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में बीएएमएस की सौ सीटों के लिए पहले से ही मान्यता प्राप्त है। गोरखपुर में इस साल के अंत तक राज्य के पहले आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य भी पूरा हो जाने की उम्मीद है। आयुष विश्वविद्यालय के पूर्णतः क्रियाशील होने के बाद आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी आदि चिकित्सा पद्धतियों से इलाज व इन पद्धतियों में शिक्षा का भी प्रसार और विस्तार होगा।

लगातार तीसरे दिन मेरठ और बागपत में शिवभक्तों पर हुई पुष्प वर्षा

मेरठ/बागपत, 02 अगस्त (एजेंसियां)। योगी सरकार के निर्देश पर लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को मेरठ और बागपत में कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की गई। गुरुवार को मेरठ में जहां डीएम और एसएसपी ने हेलीकॉप्टर से शिव भक्तों पर फूल बरसाए थे तो वहीं शुक्रवार को श्रावण शिवरात्रि के पावन अवसर पर मेरठ मंडल की मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे और आईजी नचिकेता झा ने मेरठ में बाबा औघड़नाथ मंदिर और बागपत में पुरा महादेव मंदिर में कांवड़ियों पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की।

दोनों अधिकारियों ने पुष्प वर्षा के साथ ही मंदिर परिसर का सर्वेक्षण भी किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया।

हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा होते देख कावंडिये खुशी से झूम उठे और बोल बम बोल बम के नारे लगाने लगे। इससे पूर्व गुरुवार को मेरठ के डीएम दीपक मीणा और एसएसपी विपिन ताड़ा ने भी मेरठ के ऐतिहासिक औघड़नाथ मंदिर, दिल्ली देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग, पल्लवपुरम, सिवाय टोल प्लाजा पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की थी। बुधवार को भी मेरठ में कांवड़ियों पर बुलडोजर से पुष्प वर्षा की गई थी। पुष्प वर्षा के साथ समूचे कांवड़ यात्रा मार्ग पर योगी सरकार के द्वारा की गई व्यवस्था पर कांवड़ियों ने खुशी जताई और सीएम योगी का धन्यवाद भी दिया।

सवा लाख किसानों को योगी सरकार ने दी 71 करोड़ की सहायता

क्षतिग्रस्त फसलों के मुआवजे के लिए दी गई धनराशि

लखनऊ, 02 अगस्त (एजेंसियां)। अन्नदाता किसानों की आय में वृद्धि के साथ ही किसी आपदा में उन्हें होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए भी योगी सरकार ने प्रतिबद्धता दिखाई है। प्रदेश में बाढ़ की वजह से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए योगी सरकार ने अब तक 150 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि जारी की गई है। यह धनराशि क्षतिग्रस्त फसलों को मुआवजा देने के लिए जिलों की डिमांड पर जारी की गई है। वहीं अब तक सवा लाख से अधिक किसानों को उनकी क्षतिग्रस्त फसलों के लिए 71 करोड़ रुपए से अधिक का मुआवजा दिया जा चुका है। इसमें सबसे अधिक लखीमपुर खीरी के 70 हजार से अधिक किसानों को 47 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के बाढ़ग्रस्त इलाकों में लगातार क्षतिग्रस्त फसलों का सर्वे किया जा रहा है, ताकि किसानों को समय से मुआवजा दिया जा सके। उन्होंने बताया कि नेपाल और पहाड़ी क्षेत्रों से छोड़े गए पानी से प्रदेश के 18 जिलों की 82126.50 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई। वहीं सर्वे के दौरान वास्तविक क्षतिग्रस्त फसल 29,243.74 हेक्टेयर पाई गई। सरकार की ओर से बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और बाढ़ से क्षतिग्रस्त 33 प्रतिशत से अधिक फसल के नुकसान पर ही मुआवजा दिया जाता है। राहत आयुक्त ने बताया कि बाढ़ से 1,57,444 किसानों की फसल प्रभावित हुई जबकि लेखपाल द्वारा अब तक 1,56,952 किसानों को सहायता धनराशि देने के लिए पोर्टल पर फीड किया जा चुका है। इसके सापेक्ष अब तक 1,25,521 किसानों को 71.01 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चका है। वहीं, बचे हुए किसानों की फीडिंग का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। सबसे अधिक लखीमपुर के 88546 किसानों की फसल बाढ़ से प्रभावित हुई है।

संपादकीय

कोचिंग हादसे के सबक

क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल, तिहाड़ जेल से ही, अपनी सरकार की जवाबदेही स्वीकार करेंगे? क्या वह यह भी स्वीकार करेंगे कि उनकी आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली में सरकार और नगर निगम चलाने लायक नहीं है? क्या केजरीवाल अब दिल्ली वालों का आह्वान करेंगे कि चुनाव में 'आप' को बहुमत न दिया जाए? राजधानी दिल्ली में तीन युवाओं की जो दर्दनाक, त्रासद मौतें हुई हैं या ऐसे ही हादसे हो रहे हैं, क्या उनके पीछे भी प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की साजिश है? दिल्ली में मुख्यमंत्री केजरीवाल के नेतृत्व में निर्वाचित सरकार है। जेल में बंद होने के बावजूद वह मुख्यमंत्री हैं। सर्वोच्च अदालत के नैतिक संकेत के बावजूद केजरीवाल मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने को तैयार नहीं हैं। सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया भी जेल में हैं। जो बचे-खुचे मंत्री हैं, वे सिर्फ बयानवीर हैं अथवा उपराज्यपाल पर दोषारोपण करने वाले नेता हैं। वे 'बेचारगी के प्रतिनिधि' हैं, जो बयान देने या जांच की लीपापोती के अलावा कुछ नहीं कर सकते। तो फिर 'मंत्री' क्यों बने बैठे हैं? इस्तीफा देकर, सडक़ पर उतर कर, लोकतंत्र की लड़ाई क्यों नहीं लड़ते? दिल्ली में सरकार 'आप' की है और नगर निगम पर भी वह काबिज है। मेयर शैली ओबरॉय 'आप' की ही नेता हैं। इन जवाबदेहियों का जिक्र इसलिए करना पड़ रहा है या ये सवाल इसलिए उठाए जा रहे हैं कि राजधानी दिल्ली में विधानसभा स्तर पर जो सरकार है, वह गायब है, लिहाजा स्थानीय दिल्ली 'अनाथ' महसूस कर रही है। तीन युवा छात्रों की पानी के तेज बहाव में, एक इमारत के बेसमेंट में फंस कर, मौत हो गई। यह आपदा या हादसा नहीं, हत्याकांड है। उस इमारत में आईएएस की कोचिंग देने वाला प्रख्यात केंद्र चलता है, जिसके बड़े-बड़े विज्ञापन अखबारों में छपते हैं और युवा छात्रों को आकर्षित करते रहे हैं। यह केंद्र कोचिंग देने की फीस लाखों में लेता है, लेकिन सुविधा और सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है। उस इमारत के बेसमेंट में लाइब्रेरी बनाई गई है, जो कानूनन अवैध है। जो छात्र बच गए हैं, उनकी नियति ही ऐसी थी, अलबत्ता पानी का बहाव किसी बाढ़ से कम नहीं था। वहां इतना तेज पानी कैसे घुसा? इसी सवाल के गर्भ में तमाम भ्रष्टाचार और कदाचार निहित हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के पास मुखर्जी नगर की वह घटना आज भी याद आती है, जब आग से बचने के लिए युवा छात्रों ने खिड़कियों से ही छलांग लगा दी थी अथवा किसी रस्सी के सहारे, जलते हुए कमरे से, बाहर कूद पाए थे। कुछ मौतें भी हुई थीं। वहां भी आईएएस, आईपीएस बनने का सपना पाले युवा छात्र पढ़ते हैं। वहां भी बंदप्रायः कोचिंग सेंटर में आग लगी थी। अभी 4-5 दिन पहले दिल्ली के पटेल नगर में एक युवा करंट की चपेट में आकर मारा गया। वह भी आईएएस की तैयारी कर रहा था। ये आपराधिक नाकामियों की भयावह कथाएं हैं, लापरवाही को नंगा करती हैं, आखिर दिल्ली में ये हत्याकांड क्यों हो रहे हैं? व्यवस्था और निगरानी की बुनियादी और प्राथमिक जिम्मेदारी किसकी है? जाहिर है कि केजरीवाल की सरकार और 'आप' के नगर निगम की जिम्मेदारी है। ड्रेनेज सिस्टम और नालों की सफाई कौन देखेगा? दिल्ली में तो इतनी बारिश भी नहीं हुई है कि व्यवस्थाएं ही डूब जाएं। आईएएस कोचिंग सरीखे 550 से अधिक केंद्र दिल्ली में चल रहे हैं, जिनमें से 60-65 ही पूरी तरह 'वैध' हैं। अधिकतर इमारतों में अग्नि-सुरक्षा के न तो बंदोबस्त हैं और न ही प्रमाणपत्र हैं। उनका कोई क्या बिगाड़ सकता है, क्योंकि ऊपर तक 'मुंह में दही' जमाई हुई है। अब ये नजराने किस स्तर तक दिए जाते रहे हैं, यह जांच का विषय है, जिसका कोई ठोस निष्कर्ष कभी सामने नहीं आएगा। इस हत्याकांड के बाद युवाओं में आक्रोश है, वे विद्रोह पर उतारू हैं, हत्या का केस दर्ज किए जाने के आग्रह कर रहे हैं।

सर्वोच्च अदालत के नैतिक संकेत के बावजूद केजरीवाल मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने को तैयार नहीं हैं। सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया भी जेल में हैं। जो बचे-खुचे मंत्री हैं, वे सिर्फ बयानवीर हैं अथवा उपराज्यपाल पर दोषारोपण करने वाले नेता हैं। वे 'बेचारगी के प्रतिनिधि' हैं, जो बयान देने या जांच की लीपापोती के अलावा कुछ नहीं कर सकते। तो फिर 'मंत्री' क्यों बने बैठे हैं? इस्तीफा देकर, सडक़ पर उतर कर, लोकतंत्र की लड़ाई क्यों नहीं लड़ते? दिल्ली में सरकार 'आप' की है और नगर निगम पर भी वह काबिज है। मेयर शैली ओबरॉय 'आप' की ही नेता हैं। इन जवाबदेहियों का जिक्र इसलिए करना पड़ रहा है या ये सवाल इसलिए उठाए जा रहे हैं कि राजधानी दिल्ली में विधानसभा स्तर पर जो सरकार है, वह गायब है, लिहाजा स्थानीय दिल्ली 'अनाथ' महसूस कर रही है।

योजना के वित्तपोषण के लिए कॉर्पोरेट सीएसआर फंड का उपयोग कर सकते हैं

सरकार की प्राथमिकताओं पर केंद्रित बजट

डा. अश्वनी महाजन

23 जुलाई, 2024 को पेश किए गए बजट की खासियत यह है कि यह मोदी सरकार की प्राथमिकताओं पर केंद्रित है। निर्मला सीतारमण ने बहुत स्पष्ट रूप से सरकार की नौ प्राथमिकताएं बताई हैं, जैसे कृषि में उत्पादकता और लचीलापन, रोजगार और कौशल, समावेशी मानव संसाधन, विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, नवाचार, अनुसंधान और विकास और अगली पीढ़ी के सुधार। प्रधानमंत्री मोदी से पूर्व, हम अभी तक केंद्र सरकार के बजट देखते थे, जो लोकलुभावनवाद से प्रेरित थे, क्योंकि वे अगले चुनाव में वोटों पर नजर गड़ाए हुए थे। लेकिन मोदी सरकार पहले भी लोकलुभावनवादी के रूप में देखे जाने से बचती रही है और इसके बजाय विकास और समावेशी नीतियों पर ध्यान केंद्रित करती रही है। इस तरह, यह बजट भी उसी राह पर है।

हम समझते हैं कि रोजगार दो स्रोतों से आता है, पहला, नौकरी और दूसरा स्वरोजगार। स्वरोजगार का लाभ यह है कि स्वरोजगार करने वाले लोग नौकरी के सृजनकर्ता भी होते हैं। इस संदर्भ में बजट में दो बड़ी घोषणाएं हैं। एक, बिना गारंटी वाले मुद्रा लोन की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख करने से संबंधित है। स्टार्टअप को भी एंजल टैक्स के माध्यम से कुछ राहत दी गई है। दूसरी योजना रोजगार के संबंध में है और वह भी संगठित क्षेत्र में, इसके लिए तीन योजनाएं शुरू की गई हैं। एक प्रमुख योजना अप्रेंटिसशिप योजना है, जिसके तहत एक अप्रेंटिस को 5000 रुपए दिए जाएंगे। इस योजना के वित्तपोषण के लिए कॉर्पोरेट सीएसआर फंड का उपयोग कर सकते हैं। यह योजना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे एक तरफ बेरोजगारी की समस्या का समाधान होगा तो दूसरी तरफ व्यवसायों के लिए कुशल कर्मचारियों की कमी भी दूर होगी। यदि यह योजना सफल होती है, तो इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। छोटे उद्योगों को भी इसमें शामिल किया जा सकता है। फिलहाल सरकार ने केवल बड़े उद्योगों को ही इस योजना में शामिल किया है और इसका कारण यह है कि सीएसआर के माध्यम से जो पैसा आता है, वह इसमें इस्तेमाल हो पाएगा। इसके अलावा कंपनियों को रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि

स्वरोजगार का लाभ यह है कि स्वरोजगार करने वाले लोग नौकरी के सृजनकर्ता भी होते हैं। इस संदर्भ में बजट में दो बड़ी घोषणाएं हैं। एक, बिना गारंटी वाले मुद्रा लोन की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख करने से संबंधित है। स्टार्टअप को भी एंजल टैक्स के माध्यम से कुछ राहत दी गई है। दूसरी योजना रोजगार के संबंध में है और वह भी संगठित क्षेत्र में, इसके लिए तीन योजनाएं शुरू की गई हैं। एक प्रमुख योजना अप्रेंटिसशिप योजना है, जिसके तहत एक अप्रेंटिस को 5000 रुपए दिए जाएंगे।

से पहली नौकरी का पहला वेतन सरकार द्वारा देने का वादा भी इस बजट में किया गया है। साथ ही नियोक्ता को ईपीएफओ में प्रोविडेंट फंड जमा करने हेतु सहयोग भी दिया जाएगा।

बजट के बारे में सामान्य तौर पर माना जाता है कि यह सरकार की नीतियों का आईना होता है। बीते 10 वर्षों में सरकार जिन नीतियों पर चली है, उस कारण अर्थव्यवस्था को गति मिली है। चाहे वह संवृद्धि की बात हो या महंगाई पर रोक लगाने की, सरकार सफल रही है। क्योंकि पिछली सरकार के 10 वर्षों की औसत महंगाई की दर 8.6 थी, जो इस सरकार के समय लगभग छह प्रतिशत है। इन बातों से उत्साहित होकर सरकार ने इस बार के बजट में कई ऐसे प्रावधान किए हैं जो विकसित राष्ट्र बनने की प्रक्रिया के लिए जरूरी हैं। क्योंकि बार-बार कहा गया है कि 2047 तक हमें विकसित राष्ट्र बनना है। विकसित राष्ट्र बनने की प्रक्रिया में हमें हर चीज का ध्यान रखना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे केवल चार ही जातियां दिखाई देती हैं- युवा, महिला, गरीब और किसान। किसानों की बात करें, तो किसान क्रेडिट कार्ड, सब्जी उत्पादन एवं आपूर्ति श्रृंखला के लिए एफपीओ का गठन और डेयरी क्षेत्र के लिए प्रोत्साहन समेत तमाम उपाय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट में दिखाई देते हैं। जहां तक गरीबों की बात है तो आवास उपलब्ध कराने को लेकर सरकार ने पहले ही घोषणा की थी कि ग्रामीण क्षेत्र में वह तीन करोड़ और शहरी क्षेत्र में एक करोड़ आवास मुहैया कराएगी, यह अच्छा कदम है। आप कल्पना कीजिए की जो कच्चे घर में रह रहा है, यदि उसे पक्का घर मिल जाए तो निश्चित तौर पर उसके जीवन स्तर में बदलाव आएगा। जीवन स्तर में बदलाव से उस व्यक्ति की कार्य क्षमता में भी वृद्धि होगी, जो बहुत महत्वपूर्ण साबित होगी। संभवतः इन्हीं सब कारणों से बीते वर्षों में भारत की बहुआयामी गरीबी में काफी कमी आई है। यूएनडीपी के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया, विशेषकर गरीब देशों की तुलना में बहुआयामी गरीबी को कम करने में हमने अच्छी सफलता प्राप्त की है। राज्यों की बात करें, तो आंध्र प्रदेश और बिहार की मदद को लेकर कदम उठाने की बात भी बजट में कही गई है। आंध्र प्रदेश को 15000 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता की बात की गई है। जब आंध्र प्रदेश और तेलंगाना अलग हुए थे, तो आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम को लागू करने की बात हुई थी। आंध्र के लिए अलग राजधानी बनाने की बात भी तब हुई थी, जिसके लिए केंद्र सरकार की सहायता चाहिए। उसके लिए भी अतिरिक्त राशि देने की बात कही गई है। चंद्रबाबू नायडू की मांग मान ली गई है।

बिहार के लिए बजट में 26000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। बजट में बिहार के लिए जो खास पेशकश की गई, वह यह कि बोधगया के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की बात की गई है, ताकि अधिक लोग वहां जा सकें। इस तरह बोधगया में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रयास हुआ है। दूसरी बात, बिहार को जो पैसा देने की बात कही गई है, वह बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि बिहार इस समय बहुत बड़ी त्रासदी से गुजर रहा है। यह राज्य प्रति व्यक्ति आय में न केवल नीचे है, बल्कि विकास में भी पिछड़ा हुआ है। इतना ही नहीं, यह लंबे समय से बाढ़ की त्रासदी से गुजर रहा है। जब से नेपाल में सत्ता परिवर्तन हुआ, तब से लगातार नेपाल सरकार पानी छोड़ देती है, जिससे नेपाल से लगते बिहार के क्षेत्र हर वर्ष बाढ़ में डूब जाते हैं, जिससे लोगों को बेघर होना पड़ता है, जिसका असर उनकी रोजी-रोटी पर पड़ता है। ऐसे में बाढ़ नियंत्रण के लिए कोसी इंट्रा स्टेट लिंक समेत अन्य परियोजनाओं को लेकर बजट में विशेष प्रावधान करना अभिनंदनीय कदम माना जाना चाहिए, इसे लेकर राजनीति नहीं होनी चाहिए। हम सबको बिहार की इस त्रासदी को लेकर संवेदनशील होना चाहिए।

दृष्टि कोण

सरकारी नीतियों से परिवर्तन की उम्मीदें

हिमाचल प्रदेश सरकार तथा शिक्षा विभाग गुणवत्तापूर्ण तथा समग्र शिक्षा की धरातलीय पहुंच को सुनिश्चित करने के लिए अनेकों बड़े फैसले ले रहा है। वर्ष 2022 में प्रदेश में सरकार परिवर्तित हुई और व्यवस्था परिवर्तन के नारे के साथ वर्तमान सरकार ने कार्य करना शुरू किया। हिमाचल प्रदेश में शिक्षा विभाग सबसे बड़ा महकमा है। यदि प्रदेश की शिक्षा पद्धति मजबूत तथा सुदृढ़ हो जाए तो समाज में अनेकों समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाएंगी। वर्तमान में शिक्षा प्रणाली में अनेकों विसंगतियां उत्पन्न हो गई हैं। कुछ स्कूलों से बच्चों की संख्या गायब हो गई तो कहीं पर शिक्षकों के अभाव के कारण पढ़ाई बाधित हो रही है। प्रदेश की भौगोलिक स्थिति के कारण अनेक समस्याएं उजागर होती रहती हैं। प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों में शिक्षक सेवाएं देने को तैयार नहीं होते हैं। ऐसे में शिक्षक वर्ष भर अपने पसंद के स्टेशनों के चक्कर में लगे रहते हैं। जिन शिक्षकों की राजनीतिक पहुंच अच्छी होती है, वे कई वर्षों तक इन मनपसंद के स्टेशनों पर तैनाती पाने में सफल रहते हैं। इससे शिक्षक-छात्र अनुपात भी प्रभावित होता रहा है। कुछ शिक्षक तो अपना मूल शिक्षक का कार्य छोडक़र कार्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रदेश सरकार ने 25 जुलाई 2022 को कैबिनेट मीटिंग में इन विसंगतियों को दूर करने का एक बेहतरीन निर्णय लिया जिसमें 0 से 5 तक की संख्या से कम स्कूलों को बंद करने का निर्णय तथा वर्ष भर में शैक्षणिक सत्र के उपरांत ही तबादले होंगे। अनावश्यक शिक्षकों का युक्तिकरण किया जाएगा ताकि हर सरकारी स्कूल तक शिक्षकों की पहुंच सुनिश्चित हो सके। प्रदेश के सरकारी स्कूलों से छात्रों की गायब होती संख्या तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था के लिए यह निर्णय भविष्य में प्रदेश की शिक्षा पद्धति को सुदृढ़ करेगा। शिक्षा विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 20 वर्ष में सरकारी स्कूलों से 5.12 लाख विद्यार्थी कम हुए हैं।

इनमें 3.32 लाख विद्यार्थी केवल प्राथमिक स्कूलों में कम हुए हैं, जबकि इसी अवधि के बीच निजी स्कूलों में कई लाख विद्यार्थी बढ़े हैं। 80 प्रतिशत प्राथमिक स्कूलों में 50 से कम विद्यार्थी हैं। शिक्षा विभाग ने मंत्रिमंडल की बैठक में बताया कि प्रति छात्र 37 हजार रुपए खर्च किया जा रहा है। इतनी धनराशि खर्च करने के उपरांत भी यदि सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या में गिरावट दर्ज होती है तो यह चिंतनीय विषय है। प्रदेश सरकार सरकारी स्कूलों में पढने वाले छात्रों को निशुल्क में हिमाचल प्रदेश परिवहन निगम की बसों में यात्रा की सुविधा देती है। छात्रों को यदि 5 से 10 किलोमीटर की यात्रा भी करनी पड़े तो कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। स्कूलों की संख्या से ज्यादा स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधारभूत अवसंरचना, आधुनिक आईसीटी उपकरण तथा अनुशासन ज्यादा जरूरी है। यदि सरकारी स्कूलों में क्वालिटी एजुकेशन बढ़ेगी तो छात्रों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। प्रदेशवासियों को निजी स्कूलों की मनमानी तथा भारी भरकम फीस से भी निजात मिलेगी।

प्रदेश के स्कूलों में शिक्षक प्रतियोगी परीक्षाओं को उत्तीर्ण करके नौकरी प्राप्त करते हैं। उनमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती। यदि सरकार सही व्यवस्था अपनाए और अपने शिक्षकों को प्रोत्साहित करके उनकी समग्र ऊर्जा शिक्षा के उत्थान पर लगाए तो सरकारी स्कूलों की खोई हुई प्रतिभा पुनः वापस लाई जा सकती है। सरकार ने इस दिशा में दो महत्वपूर्ण कदम भी उठाए हैं। प्रथम, शिक्षकों को विदेशों में एक्सपोजर विजिटर टूअर तथा शिक्षा पुरस्कार नीति में बदलाव करके शिक्षकों के कार्य को प्रोत्साहित तथा अधिक गुणवत्तापूर्ण बनाने का अहम फैसला लिया है। प्रदेश सरकार ने हाल ही में राज्य स्कूल शिक्षक पुरस्कार योजना 2024 की शुरुआत की है। इस योजना का उद्देश्य शिक्षकों के उत्कृष्ट कार्य को पहचानना और सम्मानित करना है। इस योजना के तहत कम से कम 5 साल का शिक्षण अनुभव रखने वाले शिक्षक आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए चुने गए शिक्षकों का विभिन्न मानदंडों पर मूल्यांकन किया जाएगा, जिनमें पिछले पांच वर्षों में उनके छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन, ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं और शैक्षिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी शामिल है। इस योजना के तहत कुल 30 शिक्षकों को पुरस्कृत किया जाएगा। इनमें से 15 शिक्षक सामान्य क्षेत्रों से, 9 शिक्षक आदिवासी क्षेत्रों से और 6 शिक्षकों को विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। उम्मीदवारों को पिछले पांच वर्षों में 75 प्रतिशत से अधिक बोर्ड परिणाम प्राप्त करना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, उम्मीदवारों को पिछले पांच वर्षों में किसी भी अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। यह पुरस्कार एक शिक्षक को अपने पूरे सेवाकाल में केवल एक बार दिया जाएगा। यह योजना प्रदेश के शिक्षकों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत साबित होगी और उन्हें बेहतर शिक्षण के लिए प्रेरित करेगी। प्रदेश सरकार के इन नवीनतम आधारभूत निर्णयों से शिक्षण व शिक्षा जगत में नई क्रांति का आगाज होगा तथा सरकारी स्कूलों की शिक्षा पद्धति समाज के हर गरीब बच्चे के सुनहरे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी। जरूरत इस बात की भी है कि शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से निजात दिलाई जाए। आम तौर पर शिक्षकों को मिड डे मील, चुनाव कार्य, सर्वे के कार्य तथा अनेक अन्य काम सौंप दिए जाते हैं।

कुछ अलग

मीम सरकार...

इस बार का बजट मध्यम वर्ग पर इतना भारी है कि बेचारा इनकम टैक्स और जीएसटी के बाद अब कैपिटल गैन्स पर सरकार के शिकंजे में आ गया है। पूरी तरह नंगा होने के बाद अब उसके पास न नहाने के लिए कुछ बचा है और न निचोडऩे के लिए। मिडिल क्लास आदमी अपनी आमदनी पर तीस प्रतिशत टैक्स चुकाने के बाद पीठ सीधे करने की कोशिश करता है कि अठारह से अठाईस फीसदी जीएसटी के जुए में जोड़ दिया जाता है। अपनी पीठ सहलाता हुआ बेचारा किसी तरह घिसटने की कोशिश करता है तो सरकार उसकी पीठ पर कैपिटल गैन्स का ग_र लाद देती है। आजादी के अमृत काल में इतने से भी सरकार का मन नहीं भरा तो लोगों को समझाने के लिए वह मीम पर उतर आई। मुझे तो इतना ही समझ आया कि आम आदमी की पीठ पर पहले से लदी करों की गठरी और भारी हो गई है। किसी तरह लडख़ड़ाते हुए चलने वाला आम आदमी अब ऐडियां रगडऩे पर मजबूर है। दस साल पहले टैक्स राष्ट्रवाद के नाम पर चहकने वाले सरकार के समर्थक चुप हैं। कभी पांच सौ रुपए लीटर पेट्रोल और पांच हजार रुपए तक का एलपीजी सिलैंडर खरीदने का दंभ भरने वाले अब नहीं कह रहे कि हम अपनी सारी कमाई टैक्स में दे देंगे। संभव है कि बेरोजगारी खत्म करने के लिए पकौड़ा तल कर दो सौ रुपए दिहाड़ी कमाने का सुझाव देने वाले नवोन्मेषी प्रधानमंत्री अगले बजट में प्रधानमंत्री भीख मांगो रोजगार योजना आरम्भ करने की घोषणा के लिए विशेष संसद सत्र बुलाने का ऐलान कर दें। सरकार दरियादिली दिखाते हुए लोगों को भीख मांगने के लिए मुफ्त या सब्सिडी पर कटोरा बांटने की अखिल भारतीय योजना आरम्भ कर दे। लेकिन इस बात की पूरी संभावना है कि इस योजना में भी आयुष्मान योजना में किए गए मुरदों के इलाज की तरह मृतकों को मुफ्त कटोरे बांट दिए जाएं। सरकार चाहे तो हर घर तिरंगा अभियान की तरह देश में हर घर बेरोजगार योजना भी आरम्भ कर सकती है। इससे सरकार की अकर्मण्यता भी छिपी रहेगी और शत-प्रतिशत सफलता पाने वाली यह देश की पहली योजना होगी। प्रधानमंत्री चाहें तो प्रधानमंत्री बेचारगी योजना भी लांच कर सकते हैं। इस योजना के तहत कोई भी व्यक्ति किसी भी स्थान पर, विशेषकर संसद के बाहर रोना शुरू करते हुए कह सकता है कि देश का विपक्ष रचनात्मक नहीं है। विपक्ष हमारा गला घोंट रहा है। हमें अढ़ाई घंटे तक बोलने नहीं देता। विपक्ष हमें कोई काम नहीं करने देता। सरकार के भीतर भी मीम कलाकारों की कमी नहीं है। पता ही नहीं चलता कि प्रधानमंत्री सहित सरकार के मंत्री या सांसद गंभीर हैं या मीम बना रहे हैं। संसद के दोनों सदनों के सभापतियों में मीमिंग की होड़ मची हुई है। इससे उत्साहित होकर सरकार जब चाहे तब देश भर में प्रधानमंत्री मीम योजना आरम्भ कर सकती है। प्रधानमंत्री बिना किसी संकोच के कहीं भी मीमिंग शुरू कर देते हैं। संसद में की गई मीमिंग के उनके कई वीडियो वायरल हो चुके हैं। संसद के बाहर और सार्वजनिक रैलियों में भी वह जबरदस्त मीमिंग करते हैं। सरकार चाहे तो मीम मंत्रालय के गठन की घोषणा भी कर सकती है। इसके लिए उसे अगले साल के बजट का इंतजार करने की जरूरत भी नहीं। इस मंत्रालय के सुपर-डुपर हिट होने की पूरी संभावना है। बजट पर सरकार द्वारा चलाए गए मीम अभियान के जवाब में लोगों की सहभागिता और प्रतिक्रिया इसका जीता जागता सुबूत है। स्मृति ईरानी इस बार संसद में नहीं है। पर कोई चिंता नहीं। हिमाचल प्रदेश ने मीम क्वीन कंगना रणौत को संसद में भेज कर इस कमी को पूरा कर दिया है। उन्हें केन्द्रीय कैबिनेट में फुल मीम मंत्री का दरजा देकर मनोज तिवारी को राज्य मीम मंत्री बनाया जा सकता है।

देश दुनिया से

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की चुनौती

ग्रामीण विकास विभाग का बजट गत वर्ष के संशोधित अनुमान 1 l71 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1 l77 करोड़ रुपये किया गया है। वहीं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम (मनरेगा) का बजट वर्ष 2023-24 के 60 हजार करोड़ की तुलना में 2024-25 में बढ़ा कर 86 हजार करोड़ रुपए किया गया है। हालांकि साल 2022-23 में मनरेगा का बजट 90 l8 हजार करोड़ रुपये था जिसे घटाकर 2023-24 में 60 हजार करोड़ रुपये कर दिया था। वहीं रोजगार के क्षेत्र में भी इस बार के बजट में विशेष फोकस किया गया है।

मंगलवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2024-25 का बजट प्रस्तुत किया, जिसमें सभी सेक्टरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर भी खास फोकस किया गया है। मौजूदा सरकार की तीसरी पारी का यह पहला पूर्णकालिक बजट है। इसमें मनरेगा समेत रोजगार के कई क्षेत्रों में बजट आवंटन को बढ़ाया गया है। ग्रामीण विकास विभाग का बजट गत वर्ष के संशोधित अनुमान 1 l71 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1 l77 करोड़ रुपये किया गया है। वहीं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम (मनरेगा) का बजट वर्ष 2023-24 के 60 हजार करोड़ की तुलना में 2024-25 में बढ़ा कर 86 हजार करोड़ रुपए किया गया है। हालांकि साल 2022-23 में मनरेगा का बजट 90 l8 हजार करोड़ रुपये था जिसे घटाकर 2023-24 में 60 हजार करोड़ रुपये कर दिया था। वहीं रोजगार के क्षेत्र में भी इस बार के बजट में विशेष फोकस किया गया है। इसके लिए स्किल डेवलपमेंट से लेकर एजुकेशन लोन, अप्रेंटिसशिप के लिए इंसेंटिव, ईपीएफ में अंशदान के साथ पहली नौकरी पाने वालों के लिए सैलरी में योगदान और न्यू पेंशन सिस्टम के लिए योगदान में बढ़ोतरी जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं।

दरअसल हमारे देश में रोजगार एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। कई शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर कम हुए हैं। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों की क्या स्थिति होगी, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। आज भी देश के अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर रोजगार की काफी कमी है। यही कारण है कि इन क्षेत्रों से लोगों की एक बड़ी संख्या दिल्ली, नोएडा, लुधियाना, अमृतसर, मुंबई, सूरत और कोलकाता जैसे बड़े महानगरों और औद्योगिक इलाकों में रोज़गार के लिए पलायन करती है। हालांकि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के रूप में मनरेगा एक महत्वपूर्ण साधन है। लेकिन कई ऐसे परिवार हैं जिन्हें इसके तहत भी काम नहीं मिल पाता है। राजस्थान के मनोहरपुरा गांव की अनीता देवी समेत कई ऐसे परिवार हैं जिन्हें मनरेगा के तहत काम नहीं मिलने के कारण प्रतिदिन काम ढूंढने शहर जाना पड़ता है।

झीलों की नगरी के नाम से भी प्रसिद्ध राजस्थान के उदयपुर शहर से मात्र 9 किमी की दूरी पर आबाद यह गांव बड़गांव पंचायत के अंतर्गत स्थित है। अनुसूचित जाति बहुल इस गांव की आबादी करीब एक हज़ार के आसपास है। जबकि साक्षरता की दर करीब पचास प्रतिशत तक है। शहर से करीब होने के बावजूद इस गांव की अधिकतर आबादी न केवल विभिन्न सरकारी योजनाओं से वंचित है बल्कि रोजगार से भी वंचित है l45 वर्षीय अनीता देवी बताती हैं कि उनके दो बच्चे हैं। 19 वर्षीय बड़ा बेटा आठवीं के बाद मन नहीं लगने के कारण पढ़ाई छोड़ चुका है और अब माता पिता के साथ मजदूरी करने जाता है जबकि छोटा दसवीं का छात्र है। वह बताती हैं कि गांव में रोजगार का कोई साधन उपलब्ध नहीं होने के कारण वह अपने पति और बेटे के साथ प्रतिदिन उदयपुर शहर मजदूरी करने जाती हैं। जहां कभी उन्हें मजदूरी मिलती है और कभी पूरे दिन बैठकर खाली हाथ वापस आना पड़ता है। वह बताती हैं कि मजदूरी में भी इतने पैसे नहीं मिलते हैं जिससे कि परिवार का गुजर बसर हो सके। ऐसे में उनकी आर्थिक स्थिति बहुत अधिक दयनीय होती जा रही है। वह कहती हैं कि गांव में रोजगार के कोई साधन नहीं हैं। यहां तक कि मनरेगा के अंतर्गत भी उन्हें काम नहीं मिलता है। हालांकि उनके अनुसार उन्होंने पंचायत में जाकर मनरेगा के तहत अपना, पति का और बेटे का भी नाम दर्ज करा रखा है, लेकिन आज तक उन्हें इससे संबंधित कभी कोई काम नहीं मिल सका। अनीता के पति भंवरलाल कहते हैं कि वह साक्षर नहीं हैं, इसलिए न तो उन्हें मनरेगा के तहत काम प्राप्त करने के अधिकार की जानकारी है और न ही वह अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही किसी भी योजनाओं की जानकारी है।

एक अन्य महिला नानू बाई कहती हैं कि मनोहरपुरा गांव में कई बुनियादी आवश्यकताओं की कमी है। यहां सबसे अधिक लोगों को रोजगार की जरूरत है। जिसकी कमी के कारण ही पुरुष और युवा गांव से पलायन करने पर मजबूर हैं। वह कहती हैं कि जो लोग इन योजनाओं से जुड़ी जानकारियां रखते हैं, वह सभी इसका लाभ उठा लेते हैं, लेकिन हमारे जैसे लोग इसे प्राप्त करने की प्रक्रिया नहीं जानते हैं इसलिए हम आज तक इससे वंचित हैं। इतना ही नहीं, गांव में कुछ लोगों का प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर भी बन गया है, लेकिन हमें आज तक इसे प्राप्त करने की प्रक्रिया नहीं मालूम है। इसका लाभ कैसे प्राप्त की जाए और कैसे आवेदन करनी चाहिए? वहीं 32 वर्षीय सीता देवी कहती हैं कि उनके पति और उन्होंने कई वर्ष पहले मनरेगा के तहत जॉब कार्ड बनवाया था, ताकि उन्हें गांव में ही रहकर रोजगार मिल जाए, लेकिन आज तक उन्हें कोई काम नहीं मिला है।

आप का नजरिया

आत्मनिर्भरता के टूल

सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले ने हिमाचल के बंधे हाथों में नई ऊर्जा और जल स्रोतों में आर्थिक करंट पैदा किया है। सर्वोच्च अदालत ने प्राकृतिक संपदा के कानूनी अधिकारों में नए मार्गदर्शन देते हुए राज्यों को खदानों का संवैधानिक प्रश्रय दिया है। अब खनिजों पर सारे कानूनी व आर्थिक अधिकार राज्यों को प्राप्त हो गए, तो जाहिर तौर पर इससे केंद्र की लंबी परछाइयां खत्म होंगी। जिन कुंडिलयों के तहत हिमाचल की बांध और बिजली परियोजनाओं पर केंद्र की हिदायतें जुल्म ढहाती थीं, वे अब बीते समय की बात होगी, तो फिर तमाम केंद्रीय एजेंसियों के तहत हो रहे विद्युत उत्पादन की मुफ्त रॉयल्टी से कहीं आगे वाटर सैस पर लगे अडंगों तक जाएगी और तब सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देश हिमाचल के खजाने का संबल बनेंगे। इस परिप्रेक्ष्य में पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार के कार्यकाल से शुरू हुई कोशिशें सुक्खू साम्राज्य तक आते-आते अब फलीभूत हो सकती हैं। हिमाचल का संघर्ष अपनी ही प्रकृति और प्रवृत्ति से है। मौसम से है और बहते हुए उस पानी से है, जिसने इस क्षमता को हमारी बेबसी बनाए रखा। हम टीहरी बांध या नर्मदा बांध परियोजनाओं से भी गए गुजरे इसलिए हो गए, क्योंकि पौंग व गोबिंद सागर जलाशयों के राष्ट्रीय फायदों के मुजरिम समझे गए। आश्चर्य यह कि ये बांध परियोजनाएं हमें डुबो कर बिजली और पानी से पड़ोसी राज्यों को सशक्त करती रहीं। शानन जैसी विद्युत परियोजना की लीज समाप्ति के बाद भी हम इसके हकदार नहीं हुए, क्योंकि जल संसाधन पर केंद्रीय सोच की कुंडली रही। अब एक नया कानूनी दृष्टिकोण सामने आ रहा है, तो वर्षों पहले से जनरेशन टैक्स लगाने की वजह और हिम्मत हम कर सकते हैं। कुछ इसी तरह के आर्थिक अधिकार पहाड़ी प्रदेशों को पर्यावरण सुरक्षा के नाम पर मिलने चाहिएं। आखिर सत्तर फीसदी जमीन को जंगलों के सुपुर्द कर देने से हिमाचल को मिला क्या। गर्मियों में आग, तूफान में पेड़ों के गिरने से नुकसान और वनापत्तियों के लिए कठोर लगाम के सिवा इस तपस्या का हासिल क्या हुआ। आश्चर्य यह कि जंगल की आग या पेड़ों के गिरने से स्वाह होती चल-अचल संपत्तियों के लिए भी वन विभाग खुद की जिम्मेदारी नहीं मानता। एक अलग संदर्भ में ही सही, लेकिन माननीय उच्च न्यायालय का सुझाव व्यावहारिक व प्रदेश हित में आर्थिक उपचार सरीखा है। माननीय अदालत प्रदेश की पर्यावरणीय स्वच्छता के लिए पर्यटक शुल्क का सुझाव दे रही है ताकि हर साल इस उद्योग के मार्फत पैदा हो रही चुनौती से निपटने का वित्तीय संबल मिले। पूरे हिमाचल में मनाली की तर्ज पर ग्रीन टैक्स लगाया जाए तो पर्यटन उद्योग की वांछित सुविधाओं, अधोसंरचना निर्माण के अलावा स्वच्छता इंतजाम के लिए आवश्यक धन उपलब्ध होगा। बहरहाल केंद्र सरकार के सामने सुप्रीम कोर्ट का निर्णय एक तरह से आर्थिक सुधारों व केंद्र-राज्य संबंधों के लिए एक नई इबारत है। इससे कमोबेश हर राज्य को आर्थिक विकास का कोई न कोई रास्ता मिलेगा, जबकि पर्वतीय परिप्रेक्ष्य में पहली बार जल के मार्फत तकदीर का फैसला हुआ है।

यूक्रेन को मिला एफ-16 लड़ाकू विमान अब रुस को देगा मुंह तोड़ जवाब

वाशिंगटन, 02 अगस्त (एजेंसियां)। रुस और यूक्रेन जंग को दो से ज्यादा हो चुके हैं और इसमें दोनों ही देशों ने बहुत कुछ खो दिया है। जान-माल का भारी नुकसान हुआ है लेकिन दोनों ही एक-दूसरे पर बराबर हमले कर रहे हैं। जंग के बीच अब अमेरिका ने यूक्रेन को पहला एफ-16 लड़ाकू विमान भेज दिया है, जिसकी मांग यूक्रेन रूसी मिसाइल हमलों से निपटने के लिए कई महीनों से कर रहा था। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन अब रुस को मुंह तोड़ जवाब देगा।

कई महीनों से की जा रही थी मांग, अमेरिका दे रहा पायलटों को प्रशिक्षण

जानकारी के मुताबिक यूक्रेन कई महीनों से अपने पश्चिमी सहयोगियों से एफ-16 लड़ाकू विमान देने की मांग कर रहा है। उसका कहना है कि रूस द्वारा उसके खिलाफ दागी जा रही मिसाइलों से निपटने के लिए एफ-16 लड़ाकू विमान की बहुत जरूरत है क्योंकि यह दुश्मन के हवाई हमले को नाकाम करने में सक्षम है। पश्चिमी देशों ने पहले आशंका जताई थी कि उन्नत हथियारों की आपूर्ति करने से युद्ध और भड़क सकता है साथ ही लड़ाकू विमानों की आपूर्ति करने में हिचकिचाहट दिखाई थी।

अमेरिका यूक्रेन के पायलटों को इन लड़ाकू विमानों को उड़ाने का प्रशिक्षण भी दे रहा है। हालांकि अभी यह साफ नहीं हुआ है कि पहले चरण में यूक्रेन को कितने लड़ाकू विमान उपलब्ध कराए गए या किन देशों ने उसे ये विमान दिए। यूक्रेन की सरकार ने भी लड़ाकू विमान मिलने की पुष्टि नहीं की है। नाटो सदस्य बेल्जियम, डेनमार्क, नीदरलैंड और नॉर्वे ने यूक्रेन को 60 से ज्यादा विमान देने की प्रतिबद्धता जताई है। हालांकि, रूस के हवाई बेड़े के मुकाबले यह संख्या बहुत कम है।

यूक्रेन के एक अधिकारी के मुताबिक रूस के हवाई हमलों को नाकाम करने के लिए उसे कम से कम 130 एफ-16 लड़ाकू विमानों की जरूरत है।

न्यूज ब्रीफ

मछिन्द्रनाथ यात्रा के मद्देनजर राजधानी काठमांडू में रविवार को छुट्टी की घोषणा

काठमांडू। नेपाल सरकार ने मछिन्द्रनाथ यात्रा के मद्देनजर राजधानी काठमांडू में अवकाश की घोषणा की है। रविवार को भोटो यात्रा करने के बाद मछिन्द्रनाथ को रथ से उतारकर सम्मान के साथ बुंगमती ले जाया जाएगा। इस भोटो यात्रा में नागलोक से प्राप्त रत्नों, माणिकों आदि से जड़ित प्राचीन भोटो को दिखाने की परम्परा है। राजतंत्र के समय इस तरह के सांस्कृतिक यात्रा में राजा की सहभागिता होती थी लेकिन आजकल राष्ट्रपति इस प्राचीन परम्परा का निर्वहन करते हैं। काठमांडू में रातो मछिन्द्रनाथ रथ यात्रा में लाखों लोगों लोगों की सहभागिता रही। ललितपुर के पाटन से जावलाखेल तक हुए इस रथयात्रा को बाजे गाजे और पारंपरिक नृत्य सहित लाखों लोगों की सहभागिता में भव्य तरीके से पूरा किया गया। परंपरा के अनुसार जब सूर्य दक्षिणायन होता है तो रातो मछिन्द्रनाथ के रथ को 6 महीने के लिए पाटन से बुंगमती में रखा जाता है। जब सूर्य उत्तरायण होता है तो 6 महीने के लिए इसे पाटन में रखने की परम्परा है। उसी परंपरा के तहत इस बार पाटन से रथ खींचकर जवालाखेल लाया गया है, जहां से इसको बुंगमती तक ले जाया जाएगा। इस मछिन्द्रनाथ रथ यात्रा में ललितपुर की जीवित देवी कुमारी और ललितपुर के 17वीं शताब्दी के राजा सिद्धिनार सिंह मल्ल की ऐतिहासिक खड्ग को भी राजकीय सम्मान के साथ समारोह स्थल पर लाया गया।

दुर्घटनाग्रस्त सौर्य एयरलाइंस के एकमात्र जीवित विमान का पायलट अस्पताल से डिस्चार्ज

काठमांडू। त्रिभुवन अन्तरराष्ट्रीय विमानस्थल पर 24 जुलाई को सौर्य एयरलाइंस के दुर्घटनाग्रस्त विमान में जिन्दा बचे एक मात्र व्यक्ति विमान के पायलट को शुक्रवार को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन के बाद पायलट कैप्टन मनीष शाक्य का काठमांडू मेडिकल कॉलेज में उपचार किया जा रहा था, जहां उनके स्वास्थ्य में थोड़ी सुधार होने के बाद अस्पताल प्रशासन ने उन्हें डिस्चार्ज करने का फैसला लिया। काठमांडू मेडिकल कॉलेज के चेयरपर्सन डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि उनके इलाज में रहे चिकित्सकों के सलाह पर उन्हें डिस्चार्ज किया गया है। रीढ़ की हड्डी में हुए सफल ऑपरेशन के बाद पायलट मनीष शाक्य के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार आने और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट के अलावा कोई अंदरूनी घाव या जख्म नहीं होने से उन्हें डिस्चार्ज किए जाने की बात डॉ. शर्मा ने कही है। केएमसी की मेडिकल डाइरेक्टर डॉ. मीना थापा ने बताया कि दुर्घटना के बाद अस्पताल लाए गए कैप्टन शाक्य की आंख, नाक में भी चोटें आई थी लेकिन दवा से ही वह ठीक हो गया। उन्होंने बताया कि रीढ़ की हड्डी में थोड़ा फ्रैक्चर हुआ था, जिसे ऑपरेशन के बाद ठीक कर दिया गया है। डॉ. थापा ने कहा कि चिकित्सकों ने उन्हें फिजियोथैरापी कराने की सलाह भी दी है।

खुलासा : स्मगलिंग कर लाए गए रिमोट कंट्रोल बम से हुई थी हानिया की हत्या

तेहरान। हाल ही में हमास प्रमुख इस्माइल हानिया की हुई हत्या के बाद धीरे धीरे राज उजागर हो रहे हैं। जो जानकारियां मीडिया में आ रही हैं उसके मुताबिक जिस रिमोट कंट्रोल बम से हानिया की हत्या हुई थी वो दो माह पहले स्मगलिंग कर लाया था। बता दें कि हमास चीफ इस्माइल हानिया ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए तेहरान गए थे। वह ईरानी सेना आईआरजीसी के जिस गेस्टहाउस में ठहरे थे, वहीं उनकी हत्या कर दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के दो सदस्यों सहित कई अधिकारियों के हवाले से इसकी जानकारी दी गई। यह नया खुलासा उन शुरुआती रिपोर्ट्स से बिल्कुल अलग है, जिनमें कहा गया कि मिसाइल हमले में हानिया की मौत हुई थी। रिपोर्ट में ईरान के कुछ अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि तेहरान में हानिया की हत्या आईआरजीसी के लिए बेहद शर्मिंदगी की बात है क्योंकि जिस गेस्टहाउस में हानिया और अन्य गणमान्य लोग ठहरे थे, वही इसे ऑपरेट करता है। हानिया तेहरान में नेशहत नाम के आईआरजीसी के कंपाउंड में ठहरा हुआ था। इस कंपाउंड का इस्तेमाल सीक्रेट मीटिंग्स और हानिया जैसे हाई प्रोफाइल गेस्ट के लिए था।

टॉप कमांडर की मौत का बदला

हिजबुल्ला ने दागे 200 रॉकेट, इजराइल ने लॉन्चर को रास्ते में ही किया तबाह

जेरूसलम, 02 अगस्त (एजेंसियां)। इजराइल और हिजबुल्ला के बीच संघर्ष कम होने का नाम नहीं ले रहा है. दोनों एक दूसरे पर लगातार वार-पलटवार कर रहे हैं. इसी बीच ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्ला ने इजराइल पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आतंकी संगठन ने इजराइल के ऊपर 200 से ज्यादा रॉकेट दागे हैं. इसके साथ-साथ उन्होंने यहूदी देश पर 20 से ज्यादा ड्रोन से भी हमला किया है. इस हमले से इजराइल के कई मिलिट्री बेस तबह हो गए हैं।

हमले के बाद इजराइली सेना ने कहा कि लेबनान से कुछ मिसाइलें उनके इलाके में गिरी हैं. हालांकि, इनमें से कई मिसाइलों को रोक दिया गया है. इस हमले में किसी के भी नुकसान की खबर सामने नहीं आई है. माना जा रहा है कि हिजबुल्ला ने ये हमला, अपने टॉप कमांडर की मौत के बदले के तौर पर किया है।

टॉप कमांडर मुहम्मद निमाह नासिर की मौत

बता दें कि इजारइल ने कुछ दिनों पहले ही दक्षिण लेबनान के टायर शहर पर हमला किया था. इसी हमले में हिजबुल्लाह का टॉप कमांडर मुहम्मद निमाह नासिर (हज्ज अबू निमाह) मारा गया था. खुद हिजबुल्ला की तरफ से इस बात की पुष्टि की गई थी. इस हमले के बाद, इजराइल के रक्षा मंत्री ने कहा था कि वो हिजबुल्लाह के खिलाफ, किसी भी तरह की कार्रवाई करने के लिए तैयार है.

अमेरिका में यात्रा के दौरान गैलेंट ने कहा था हम लेबनान को पाषाण युग में भेज सकते हैं. वहीं, तनाव बढ़ने के कारण कई देशों ने अपने नागरिकों को लेबनान यात्रा करने से बचने के लिए कहा है. हिजबुल्लाह के नेता ने इजराइली एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भी दी थी। हिजबुल्ला की तरफ से किए गए हमले के कारण गाजा की सीमा के पास नहल ओज इलाके में सायरन बजने लगे. स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गोलन हाइट्स में आग लग गई. इसके बाद रेस्क्यू वर्कर्स ने आसपास रह रहे लोगों को घरों से बाहर निकाला गया।

इजराइल ने दिया तगड़ा जवाब, 195 राकेटों को रास्ते में कर दिया ध्वस्त

बेरूत। हिजबुल्लाह ने अपने शीर्ष कमांडर फुआद शुकर के मारे जाने के बाद गुरुवार देररात (स्थानीय समय) इजराइल पर दर्जनों रॉकेट दागे। कहा जा रहा है कि हालांकि, केवल पांच रॉकेट ही इजराइल में प्रवेश कर पाए। इजराइल के रक्षा बलों के अनुसार, रॉकेट हमलों में किसी तरह के नुकसान या किसी नागरिक के घायल होने की सूचना नहीं है। इजराइली रक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए दक्षिणी लेबनान के येटर में हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चर पर हमला किया है। उल्लेखनीय है कि इजराइल के गोलान हाइट्स में फुटबॉल मैदान पर 27 जुलाई को हिजबुल्लाह के हमले में 12 बच्चों की मौत हो गई थी। इसका बदला लेते हुए इजराइल ने हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर फुआद को बेरूत में मार गिराया। फुआद के मारे जाने के बाद हिजबुल्ला और इजराइल के बीच तनाव बढ़ गया है। फुआद की मौत के 48 घंटे बाद हिजबुल्लाह ने इजराइल के पश्चिमी गैलिली पर रॉकेट हमले किए। साथ ही इसकी जिम्मेदारी भी ली है। हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने पहले लेबनान के चामा गांव में इजराइली हमले के जवाब में मेत्जुबा के उत्तरी सीमा समुदाय पर दर्जनों रॉकेट दागे। चामा में कथित तौर पर चार सीरियाई मारे गए और कई लेबनानी नागरिक घायल हो गए। इजराइली रक्षा बलों ने कहा है कि जवाब में लेबनान के येटर में हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चर पर हमला किया गया। इसका इस्तेमाल पश्चिमी गैलिली पर बमबारी के लिए किया जा रहा था। इस रॉकेट लॉन्चर को तबाह कर दिया गया।

इज़रायल की सुरक्षा परिषद ने विदेशों में इज़राइली ठिकानों पर संभावित हमलों की दी चेतावनी

यरूशलम, 02 अगस्त (एजेंसियां)। इजरायल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने अपने नागरिकों को ईरान, लेबनानी शिया आंदोलन हिजबुल्लाह और फिलिस्तीनी आंदोलन हमास से विदेशों में इजरायली ठिकानों पर संभावित हमलों की चेतावनी दी है। एजेंसी ने गुरुवार को एक बयान में कहा, ईरान, हिजबुल्लाह और हमास (अन्य आतंकवादी गुटों के साथ) ने हमास के राजनीतिक नेता, इस्माइल हानिया और हिजबुल्लाह की रणनीतिक इकाई के प्रमुख, फुआद शुक्र (सैय्यद मुहसन) की मौत का बदला लेने के अपने इरादे की घोषणा की है। यह संभव है वे विदेशों में दूतावासों, सभास्थलों, यहूदी सामुदायिक केंद्रों आदि जैसे इजरायली/यहूदी लक्ष्यों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेंगे।

परिषद ने लोगों से अधिक सावधानी बरतने, सार्वजनिक स्थानों पर सतर्क रहने और इजरायली या यहूदी पहचान के संकेत प्रदर्शित नहीं करने का भी आग्रह किया। इसके अलावा, विदेश में इजरायली नागरिकों को बड़े आयोजनों, प्रदर्शनों और विरोध प्रदर्शनों से बचने की सलाह दी गई। हिजबुल्लाह के महासचिव हसन नसरल्लाह ने गुरुवार को कहा कि आंदोलन इजरायल के साथ युद्ध के एक नए चरण में प्रवेश कर गया है।

इजरायल को नहीं रोका गया तो पश्चिम एशिया और दुनिया खतरे में पड़ जाएगी : ईरान

तेहरान, 02 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान ने कहा है कि इजरायल 10 महीनों से गाजा पट्टी में खून-खराबा और तबाही मचा रहा है तथा अब उसने अपने अपराधों की सीमा को लेबनान, ईरान और यमन तक फैला दिया है, लिहाजा उसे जल्द रोकना जरूरी है। ईरान के कार्यवाहक ईरानी विदेश मंत्री अली बाघेरी कानी ने शुक्रवार को कहा कि इजरायल को अगर जल्द ही नहीं रोका गया तो पश्चिम एशिया और दुनिया भर की शांति खतरे में पड़ जायेगी।

भारतीय हथियारों का बड़ा खरीददार चीन का दुश्मन देश फिलीपींस बना

मनीला, 02 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागिरी से जूझ रहा फिलीपींस ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीदने के बाद अब भारत से बड़े पैमाने पर अन्य हथियार खरीदने की तैयारी में है। भारत में फिलीपींस के राजदूत जोसेल एफ इग्नासिओ ने कहा कि प्रतिरोधक क्षमता हासिल करने के लिए भारत के हथियार बेहद मुफीद हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी फिलीपींस भारत से हथियार खरीदते रहेगा।

जोसेल ने एक इंटरव्यू में कहा कि भारत अब फिलीपींस के लिए एक स्वाभाविक पार्टनर है। खासकर होरिजोन 3 प्लान के तहत फिलीपींस की सेना को आधुनिक बनाने में भारत की भूमिका अहम है। इस प्लान का ऐलान साल 2023 में फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर ने किया था। जोसेल ने कहा, कई चरणों में पिछले एक दशक से फिलीपींस की सेना एक आधुनिकीकरण प्रोग्राम चला रही है। फिलीपींस सरकार ने होरिजोन 1 और होरिजोन 2 नाम से सेना को आधुनिक बनाने का कार्यक्रम क्रमश: साल 2013 और 2018 में शुरू किया था। अब नए राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर ने होरिजोन 3 कार्यक्रम शुरू किया है जिसके तहत चीन के साथ तनाव को देखकर फिलीपींस की क्षेत्रीय और तटीय सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है। इस पूरे कार्यक्रम को अगले 10 साल तक चलाया जाएगा।

फिलीपींस का अमेरिका के साथ रक्षा समझौता है। फिलीपींस अब लगातार भारत के साथ रक्षा समझौता बढ़ा रहा है, ताकि चीन की चुनौती से निपटा जा सके। भारत ने हाल ही में फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की आपूर्ति की है। साल 2022 में यह पूरा सौदा 37 करोड़ 50 लाख डॉलर का हुआ था। फिलीपींस के पास कुल 7600 द्वीप हैं और उनकी सुरक्षा करना उसके लिए बड़ी चुनौती बन गया है। राजदूत ने संकेत दिया कि आने वाले समय में भारत के साथ कई बड़े रक्षा सौदे होने जा रहे हैं। भारत फिलीपींस को नौसैनिक सिस्टम, फाइटर प्लेन, तोप और सैन्य हेलिकॉप्टर बेचना चाहता है। इस लेकर बातचीत चल रही है।

नेपाल में चीनी राजदूत छंग सोन को चेतावनी संसदीय समिति ने कहा- हदें पार न करें

काठमांडू, 02 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में चीन के राजदूत आए दिन अपने बयान और सोशल मौडिया पर अपने पोस्ट को लेकर विवादों में घिरे रहते हैं। ताजा मामला पिछले महीने नेपाल में हुई बस दुर्घटना को लेकर उनके असंवेदनशील बयान का है, जिसकी वजह से उनकी कड़ी आलोचना हो रही है।

नदी में गिरी बसों को खोजने के लिए नेपाल और भारत की एनडीआरएफ की टीम ने 20 किलो का चुंबक डाला था, जो खो गया था। इस संबंध में आई खबर को ट्वीट करते हुए नेपाल में चीन के राजदूत छंग सोन ने लिखा पहले चुंबक ढूंढ लो, बस बाद में ढूंढना। चीनी राजदूत के इस ट्वीट पर सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए दुख की घड़ी में ऐसे असंवेदनशील ट्वीट के लिए उन्हें माफी मांगने कहा लेकिन चीनी राजदूत ने अब तक माफी नहीं मांगी, बल्कि अपने बचाव में दलील देते रहे। अब इस मामले ने तूल

पकड़ लिया है। चीनी राजदूत की इस हरकत को सांसदों ने सदन में उठाया तो अन्तरराष्ट्रीय संबंध की संसदीय समिति ने चीनी राजदूत को चेतावनी दी है। प्रतिनिधि सभा में सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों ही दल के सांसदों ने चीनी राजदूत की कड़े शब्दों में आलोचना की है। नेपाली कांग्रेस के सांसद रामहरि खतिवडा ने कहा कि 65 लोगों की मौत पर मजाक उड़ाने वाले चीनी राजदूत की जितनी आलोचना की जाए उतना कम है। उन्होंने कहा कि विदेशी राजदूतों को अपने हद में रह कर कोई अभिव्यक्ति देनी चाहिए। इसी तरह प्रतिपक्ष में रहे राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद शिशिर खनाल ने कहा कि असंवेदनशील राजदूत को तत्काल बुलाकर उन्हें हिदायत देनी चाहिए। सांसद खनाल ने विदेश मंत्री से मांग की है कि नेपाल में हुए दर्दनाक हादसे के बाद राहत तथा बचाव कार्य में जुटी टीम के काम का मजाक बनाना और इस तरह के घटिया बयान पर उन्हें सम्मन भेज कर स्पष्टीकरण लेना चाहिए।

चीनी राजदूत के इस असंवेदनशील ट्वीट को लेकर अन्तरराष्ट्रीय संबंध संसदीय समिति के अध्यक्ष राजकिशोर यादव ने कहा कि चीनी राजदूत को इस तरह से मौत पर मजाक करने का बिलकुल अधिकार नहीं है। उन्होंने समिति की बैठक में कहा कि चीनी राजदूत को अपनी बोली पर लगाम लगाना चाहिए। यदि वो खुद में सुधार नहीं लाते हैं तो सरकार को चीनी राजदूत के खिलाफ कड़ा एक्शन लेना चाहिए।

ट्रंप ने कई देशों पर साधा निशाना बोले-

अमेरिका भेजे जा रहे दूसरे देशों से रेपिस्ट और हत्यारे

कमला हैरिस के चलते भारत को भी नहीं छोड़ा

वाशिंगटन, 02 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कई देशों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि दक्षिण अमेरिका, एशिया, अफ्रीका और मिडल ईस्ट के देशों से अमेरिका में अपराधी, रेपिस्ट, अपराधी गैंग के सदस्यों और दिमागी रूप से बीमार लोगों को अमेरिका भेजा जा रहा है।

ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला और अल साल्वाडोर में जेलों और पागलखानों को खाली किया जा रहा है और उन्हें अवैध तरीके से अमेरिका भेजा जा रहा है। इससे उनके देशों में अपराध में कमी देखी जा रही है। वहीं अमेरिका में अपराध बढ़ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे को लेकर कई राजनयिकों ने आपत्ति भी जताई है। वहीं फैक्ट चेकर्स का कहना है कि डोनाल्ड

ट्रंप ने बिना किसी सबूत के बेबुनियाद दावे किए हैं। एक जर्नल की तरफ से कहा गया कि इस तरह से डोनाल्ड ट्रंप के दावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उनके दावों से जुड़ी सच्चाई सामने लाई जाएगी।

एक रिपोर्ट में कहा गया कि बाहर से आने वाले लोगों का क्राइम रेट अमेरिका में पैदा होने वाले लोगों से कम है। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप इस तरह के दावे कमला हैरिस पर हमला करने के लिए कर रहे हैं। दरअसल कमला हैरिस भारतीय मूल की हैं और एक ब्लैक महिला हैं। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप अफ्रीकी और दक्षिण एशियाई देशों से कथित अवैध इमिग्रेशन को मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि डेमोक्रेट्स ने भी डोनाल्ड ट्रंप को घेरने में कसर नहीं छोड़ी क्योंकि उनके साथी उपराष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वेंस की पत्नी भी भारतीय मूल की हैं। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने भारत का सीधा नाम नहीं लिया लेकिन कमला हैरिस पर हमला बोलते हुए वह भारत की तरफ भी इशारा करते हैं। कमला हैरिस भारतीय मूल के हैं इसलिए डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण एशिया को भी इस लिस्ट में शामिल किया है। अपनी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इमिग्रेशन को लेकर वह जिस तरह के विचार रखती हैं वे अमेरिका के लिए खतरनाक हैं। अगर वह राष्ट्रपति बनीं तो देश को तबाह कर देंगी। उन्होंने कहा कि वह अमेरिका को नरक बनाने की तैयारी कर रही हैं। बता दें कि सर्वे में कमला हैरिस से पिछड़ने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने हमले और तेज कर दिए हैं। उन्होंने अवैध इमिग्रेशन को मुद्दा बनाना शुरू किया है। इससे पहले वह सेंट्रल और साउथ अमेरिका पर ही ज्यादा बोल रहे थे।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू पर प्यार बरसा रहा अमेरिका, कहा- मुद्दे को हाई लेवल तक उठाएंगे

वाशिंगटन, 02 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका ने एक बार फिर से खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का राग अलापा है। अमेरिका ने दोहराया है कि वह पन्नू की कथित हत्या के संबंध में चल रही जांच में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने साफ कहा कि इस मामले को अमेरिका हाई लेवल पर भारत सरकार के सामने अपनी चिंताओं को उठाता रहेगा। विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, हम अमेरिकी धरती पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की असफल कोशिश एक भारतीय सरकारी कर्मचारी की कथित भूमिका के संबंध में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करते हैं, हम हाई लेवल पर सीधे भारत सरकार के साथ अपनी चिंताओं को उठाते रहेंगे।पटेल से कनाडा में भी हुई गुरुपतवंत पन्नू की हत्या की कोशिश के बारे में जब पूछा तो उन्होंने कहा, कनाडा से जो खबर आई हैं, मैं आपको कनाडाई सरकार के पास उन मुद्दों पर टिप्पणी करने के लिए कहूंगा। यह घटना कनाडा के अधिकार क्षेत्र में हुई है।

बता दें कि गुरुपतवंत पन्नू की हत्या की कोशिश को लेकर भारत में जांच चल रही है। अमेरिका ने अपने एजेंट के जरिए पन्नू की हत्या करवाने का आरोप भारत पर लगाया है। भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर गुरपतवंत पन्नू की कथित असफल हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप है। भारत ने खालिस्तान को समर्थन करने वाले गुरपतवंत सिंह पन्नू को आतंकवादी घोषित किया हुआ है। अमेरिकी के कानून विभाग ने आरोप लगाया है कि 52 साल के निखित गुप्ता भारत सरकार का सहयोगी है और उन्होंने और अन्य लोगों के साथ मिलकर न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की साजिश रचने में मदद की थी। पन्नू के पास अमेरिका के साथ में कनाडाई नागरिकता है।

जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने पेरिस में प्रत्येक भारतीय ओलंपिक पदक विजेता को एमजी कार उपहार में देने की घोषणा की

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

2024 पेरिस ओलंपिक में प्रत्येक भारतीय पदक विजेता को एमजी विंडसर कार उपहार में दी जाएगी। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर उक्त घोषणा की। उन्होंने कहा कि एथलीट अपने समर्पण और सफलता के लिए सर्वश्रेष्ठ के हकदार हैं।

उनकी यह घोषणा मॉरिस गैरेज इंडिया द्वारा जेएसडब्ल्यू ग्रुप के सहयोग से अपने नए सीयूवी एमजी विंडसर कार के आगमन की घोषणा के बाद आई।

सज्जन जिंदल ने अपने एक्स पोस्ट पर लिखा, यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि टीम इंडिया के हर ओलंपिक पदक विजेता को जेएसडब्ल्यू एमजी इंडिया की ओर से एक बेहतरीन कार एमजी विंडसर उपहार में दी जाएगी! क्योंकि हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अपने समर्पण और सफलता के लिए सर्वश्रेष्ठ के हकदार हैं! उन्होंने एमजी विंडसर के बारे में मॉरिस गैरेज इंडिया द्वारा शेयर किए गए एक पोस्ट को रिपोस्ट किया।

1924 में स्थापित यू.के. स्थित कंपनी एमजी ने बताया कि यह कार विंडसर कैसल की वास्तुकला से प्रेरित है। कंपनी ने कहा, एमजी विंडसर। शाही विरासत के प्रतीक और प्रतिष्ठित वास्तुकला की उत्कृष्ट कृति, विंडसर कैसल से प्रेरित यह सीयूवी बेहतरीन शिल्प कौशल का उदाहरण है।

स्वप्निल को एक करोड़ का इनाम देगी महाराष्ट्र सरकार

मुम्बई। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले को महाराष्ट्र सरकार एक करोड़ रुपये का इनाम देकर सम्मानित करेगी। स्वप्निल ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन इवेंट में कांस्य पदक जीता था। महाराष्ट्र सरकार ने कहा है कि स्वप्निल ने प्रदेश और देश का मान बढ़ाया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि स्वप्निल के स्वदेश लौटने पर उन्हें ये सम्मान दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वप्निल के पदक जीतने के बाद उनके माता-पिता और कोच से बात कर पदक जीतने की बधाई दी है। शिंदे ने कहा, स्वप्निल के लिए महाराष्ट्र सरकार 1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित करती है। स्वप्निल महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित कंबलवाडी गांव के रहने वाले हैं। स्वप्निल किसी भी एकल इवेंट में महाराष्ट्र के लिए ओलंपिक पदक जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले साल 1952 के ओलंपिक में खशाबा दादासाहेब ने कुश्ती में कांस्य पदक जीता था।

न्यूज ब्रीफ

टेनिस : जोकोविच की उम्मीदें बरकरार सेमीफाइनल में किया प्रवेश

पेरिस। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में स्टेफानोस सितसिपास के खिलाफ यादगार वापसी करते हुए पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में सितसिपास पर 6-3, 7-6 से जीत हासिल करने के बाद जोकोविच ने अपने पहले ओलंपिक स्वर्ण की उम्मीदों को जीवित रखा है। दूसरे सेट में, जोकोविच स्पष्ट रूप से असहज थे और उन्होंने अपने दाहिने घुटने के लिए दो बार फिजियो को बुलाया। अनुभवी टेनिस स्टार ने पहले सेट में आरामदायक जीत हासिल की। सितसिपास ने अपने मजबूत बैकहैंड खेल पर भरोसा किया, लेकिन जोकोविच के सटीक फोरहैंड शॉट्स ने उन्हें ग्रीस के टेनिस खिलाड़ी पर हावी होने दिया। शुरुआती सेट में 6-3 से जीत हासिल करने के बाद, जोकोविच ने अपने दाहिने घुटने में दर्द का अनुभव होने के बाद संघर्ष करना शुरू कर दिया। उपचार प्राप्त करने के बाद, सर्बियाई स्टार अपने मूवमेंट में अधिक आश्वस्त दिखे। उन्होंने 4-5 पर तीन सेट पॉइंट बचाए और अंत में दूसरा सेट 7-6 से जीतकर सेमीफाइनल के लिए अपना टिकट पक्का कर लिया। सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना इटली के 11वें वरीय लोरेंजो मुसेट्टी होंगे, जिन्होंने मौजूदा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अलेक्जेंडर ज़ेवरेव को हराकर एक उल्लेखनीय उलटफेर किया। मुसेट्टी ने क्वार्टर फाइनल में जर्मन स्टार को 7-5, 7-5 से हराया। जोकोविच ने हाल ही में विंबलडन सेमीफाइनल में मुसेट्टी का सामना किया और लगातार तीन सेटों में जीत हासिल करके उन्हें हार का स्वाद चखाया।

मां बनी इन खिलाड़ियों ने बच्चों के साथ मनाया ओलंपिक पदक का जश्न

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में इस बार तीन महिला खिलाड़ियों ने मां बनने के दो साल के अंदर ही पदक जीते हैं। इन विजेता खिलाड़ियों ने नौकायन स्पर्धा में पदक जीतने के बाद अपने बच्चों के साथ जश्न मनाया है। ब्रिटेन की हेलेन ग्लोवर, न्यूजीलैंड की लुसी स्पूर्स और ब्रुक फ्रांसिस ने बच्चे को जन्म देने के दो साल से भी कम समय के अंदर ओलंपिक पदक जीता है। स्पूर्स तथा फ्रांसिस की जोड़ी ने महिला युगल स्कल्स में स्वर्ण जबकि ग्लोवर ने महिला फोर स्पर्धा में रजत पदक जीता। इन दोनो को ही जीत दर्ज करने के बाद अपने बच्चों को गोद में उठा लिया। फ्रांसिस ने कहा, 'मैंने उन्हें स्टैंड में देखा और उन्हें गले लगाने में भी सफल रही। मुझे लगता है कि वे अपनी मां के वापस आने का इंतजार कर रहे थे। न्यूजीलैंड की ये दोनों खिलाड़ी अपने बच्चों की देखभाल के मुश्किल समय के दौरान एक-दूसरे को प्रेरित करने के लिए अभ्यास सत्र के दौरान बच्चों के गीत गाते थे। वे अपने परिवारों को भी साथ लाये हैं जिससे प्रतियोगिता पर ध्यान केंद्रित कर सकें। फ्रांसिस ने कहा, 'यह शानदार एहसास है।

श्रीलंकाई टीम को खेल के हालातों को समझना होगा : जयसूर्या

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के अंतरिम कोच सनथ जयसूर्या ने कहा कि उनकी टीम के खिलाड़ियों को जीत दर्ज करने के लिए खेल के प्रति जागरुकता बढ़ानी होगी।

जयसूर्या के अनुसार उनकी टीम भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी और उसने एक के बाद एक विकेट खोये। उनके बल्लेबाजों ने कई बार अच्छी स्थिति में होने के बाद लगातार विकेट खोये जिससे टीम को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा है। जयसूर्या ने कहा, 'मुझे टीम में प्रतिबद्धता की कमी नहीं दिखती पर उन्हें दबाव से बेहतर तरीके से निपटना होगा। उन्हें मैच के हालातों को लेकर अपनी समझ बेहतर करनी होगी। हम इस हार की जिम्मेदारी ले रहे हैं। आप इससे दूर नहीं जा सकते। उन्होंने कहा, 'जब तक उन्हें इस बात का एहसास होगा हमें तब तक उन्हें विश्वास और समर्थन देते रहना होगा। जयसूर्या ने कहा कि बल्लेबाजों को लगातार छक्के लगाने की जरुरत नहीं है क्योंकि हमारे मैदान बड़े है और चौके तथा दो रन दौड़कर लेने से भी स्कोर बना जाता है। उन्होंने कहा, 'जब आप पावर हिटिंग के बारे में बात करते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि आपको उसकी जरुरत है। अगर आप पर्याप्त चौके और पर्याप्त दो रन लेते हैं, तो आपको वह स्कोर मिल जाता है जिसकी आपको जरूरत है। ऐसे में आप छक्के मारे बिना भी काम पूरा कर सकते हैं। इस पूर्व दिग्गज हरफनमौला ने कहा कि खिलाड़ियों को टी20 श्रृंखला जैसे खराब प्रदर्शन के बाद आलोचना स्वीकार करने के लिए तैयार रहना चाहिए। साथ ही कहा कि सभी खिलाड़ियों को इस प्रकार के हालातों का सामना करना पड़ता है।

पेरिस ओलंपिक – 2024

भारतीय हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रचा

पेरिस, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को अंतिम ग्रुप मैच में हराकर इतिहास रच दिया। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को ओलंपिक में 52 साल बाद हराया है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को एक रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया। भारत ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया को म्यूनिख ओलंपिक 1972 में हराया था। भारत और ऑस्ट्रेलिया की हॉकी टीमें पेरिस ओलंपिक के ग्रुप बी में हैं। वहीं बेल्जियम इस ग्रुप में अपने चारों मैच जीतकर पहले नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया 9 अंक के साथ दूसरे और भारत 7 अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। वहीं अर्जेंटीना के भी 7 अंक हैं. लेकिन वह गोल अंतर में पीछे होने के चलते चौथे नंबर पर है। आयरलैंड और न्यूजीलैंड अपने चारों मैच हारा है और खिताबी रेस से बाहर हैं।

भारत ने इस मैच में तेज शुरुआत की। ऑस्ट्रेलिया ने 10वें मिनट में जोरदार अटैक किया। उसे पेनाल्टी कॉर्नर भी मिला लेकिन भारत ने गोल नहीं होने दिया। भारत ने पहले क्वार्टर के 12वें मिनट में गोल किया। यह मैच का पहला गोल अभिषेक ने ललित के शॉट पर रिबाउंड पर किया। भारत ने इसके साथ ही 1-0 की बढ़त बना ली है।

भारत ने 13वें मिनट में एक गोल और किया। ये गोल पेनाल्टी कॉर्नर पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किया। पहले क्वार्टर का खेल खत्म होने पर भारत 2-0 से आगे रहा। यह पेरिस ओलंपिक में पहला मौका है, जब भारत ने किसी टीम के खिलाफ पहले क्वार्टर में दो गोल किए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 19वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किया. हालांकि, वह गोल नहीं कर सका. ऑस्ट्रेलिया ने 25वें मिनट में गोल कर दिया है। उसने इस गोल के साथ ही भारत की बढ़त कम कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह गोल थॉमस क्रेग ने किया। मैच का दूसरा क्वार्टर खत्म हुआ तो भारत 2-1 से आगे रहा।

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भी तेज हुई है। पहले ही मिनट में ऑस्ट्रेलिया बॉल लेकर भारतीय टीम में पहुंचा, पर गोल नहीं कर पाया. इसके एक मिनट बाद ही भारत ने पेनाल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया. ऑस्ट्रेलिया ने भारत के पेनाल्टी कॉर्नर को बचाने में गलती की। हरमनप्रीत का शॉट ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर के पैर से लगा और भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिल गया। हरमनप्रीत ने इस पर गोल कर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। यह हरमनप्रीत सिंह का पेरिस ओलंपिक में छठा गोल है। ऑस्ट्रेलिया के गोवर्स ने अंतिम क्वार्टर में एक गोल किया पर भारत ने मुकाबला 3-2 से जीत लिया।

तीरंदाजी रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अंकिता-धीरज

भारतीय तीरंदाज अंकिता भक्त और धीरज बोम्मदेवरा शुक्रवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में इंडोनेशिया के डायनंदा चोइरुनिसा और आरिफ पंगेस्टु को हराकर तीरंदाजी रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। लेस इनवैलिड्स में राउंड ऑफ 16 मैच में अंकिता-धीरज ने इंडोनेशियाई जोड़ी को 5-1 से हराया। भारतीय तीरंदाजों ने क्रमशः 37-36 और 38-37 के स्कोर के साथ पहला और तीसरा सेट जीता। इस बीच, दूसरा सेट 38-38 से बराबर रहा। अंकिता-धीरज शुक्रवार शाम तीरंदाजी रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में स्पेन की टीम का सामना करेंगे, जिसने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना को शिकस्त दी।

मनु भाकर ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल फाइनल के लिए किया क्वालीफाई, ईशा सिंह बाहर

पेरिस, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

रिस 2024 ओलंपिक में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में,भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने ओवरऑल दूसरा स्थान हासिल किया और 590-24× के कुल स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाई। वह शनिवार दोपहर 1 बजे फाइनल खेलेंगी। इसके विपरीत, 19 वर्षीय ईशा सिंह, जिन्होंने ओलंपिक में पदार्पण किया था, इसी स्पर्धा में 18वें स्थान पर रहते हुए क्वालीफाई नहीं कर सकीं।

हंगरी की वेरोनिका मेजर ने 592 के ओलंपिक क्वालिफिकेशन रिकॉर्ड की बराबरी की। ईरान की हनीयेह रोस्तमियान शीर्ष तीन में शामिल हैं।

इस वैश्विक मंच पर नवागंतुक होने के बावजूद, ईशा सिंह ने उल्लेखनीय क्षमता दिखाई है। 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के सटीक चरण में उनके प्रदर्शन ने संकेत दिया कि वह क्वालीफिकेशन राउंड में एक मजबूत प्रतियोगी हो सकती हैं। पिछले साल, उन्होंने एशियाई खेलों में तीन पदक एक स्वर्ण और दो रजत जीतकर सुर्खियाँ बटोरीं थीं। इस बीच, आज सुबह, तुलिका मान ने जूडो महिलाओं के +78 किग्रा राउंड ऑफ 32 इवेंट में क्यूबा की इडालिस ऑर्टिज़ के खिलाफ हार मान ली। मान को ऑर्टिज़ के खिलाफ 10-0 से हार का सामना करना पड़ा। मैच सिर्फ़ 28 सेकंड में समाप्त हो गया।

अगला ओलंपिक भी खेलना चाहते हैं सबसे अधिक उम्र के ट्रैप निशानेबाज मार्टिनेज

शेटराउ। पेरिस ओलंपिक में इस बार सबसे अधिक उम्र के ट्रैप निशानेबाज लियोनेल मार्टिनेज 28वें स्थान पर रहे हैं। मार्टिनेज ने 40 साल बाद इन खेलों में वापसी की है। 60 साल की उम्र में खेल रहे मार्टिनेज अगला ओलंपिक भी खेलना चाहते हैं। 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक के बाद वह दूसरी बार इन खेलों में भाग ले रहे हैं। अगला ओलंपिक साल 2028 में लॉस एंजिल्स में खेला जाएगा और मार्टिनेज उसमें भी खेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे अंदर लॉस एंजिल्स 2028 खेलों में भाग लेने की इच्छा है। यह मेरे लिए भविष्य है। इसके लिए काम अभी शुरू होगा। मैं अपने शरीर और दिमाग से काम करूंगा क्योंकि निशानेबाजी 90 फीदसी मानसिक मजबूती पर आधारित है।

स्टार जिमनास्ट बाइल्स ने महिलाओं के ऑल-अराउंड फाइनल में जीता स्वर्ण

पेरिस, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिकी स्टार जिमनास्ट सिमोन बाइल्स ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के ऑल-अराउंड फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

अमेरिकी जिमनास्ट ने कुल 59.131 अंकों के साथ ब्राजील की रेबेका एंड्रेड को पीछे छोड़ा। उनकी हमवतन और टोक्यो ओलंपिक विजेता सुनीसा ली ने कुल 56.465 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। रेबेका ने 57.932 अंकों के साथ रजत पदक जीता, जो ग्रीष्मकालीन खेलों में उनका छठा पदक था।

सुनीसा पिछले 15 महीनों में कई किडनी रोगों से जूझ रही हैं। लेकिन जब स्थिति की मांग हुई, तो उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पोडियम फिनिश हासिल की। महिलाओं की ऑल-अराउंड स्पर्धा में बाइल्स की जीत ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में उनका दूसरा स्वर्ण पदक चिह्नित किया। वह लारिसा लैटिनिना और वेरा कैस्लावस्का के साथ दो बार की ओलंपिक ऑल-अराउंड चैंपियन के अनन्य क्लब में शामिल हो गईं। पहले दो चक्करों के बाद अमेरिकी जिमनास्ट ब्राजीलियाई से पीछे थीं। प्रतियोगिता के पहले भाग में अस्थिर असमान बार रूटीन के बाद, बाइल्स ने खुद को पीछे पाया। दूसरे चक्कर के अंत में, रेबेका 29.766 अंकों के साथ शीर्ष पर थीं। उनके बाद क्रमशः 29.566 अंकों और 29.566 अंकों के साथ अल्जीरिया की कायलिया नेमोर और 29.566 अंकों के साथ सिमोन बाइल्स का स्थान रहा। हालांकि, दूसरे चक्कर के बाद, बाइल्स पूरी तरह से लय मेम आ गईं और रेबेका को शीर्ष से हटा दिया। तीसरे चक्कर के बाद, बाइल्स 44.065 अंकों के साथ शीर्ष पर थीं। उन्होंने बढ़त बरकरार रखी और स्वर्ण पदक हासिल किया। अपनी जीत के बाद, बाइल्स के विश्व और ओलंपिक पदकों की संख्या अब 39 हो गई है। इसके साथ ही, अमेरिकी जिमनास्ट के नाम सर्वाधिक विश्व चैंपियनशिप पदक (30) और सर्वाधिक महिला ऑल-अराउंड विश्व खिताब (छह) का रिकॉर्ड भी है।

सर क्लाइव लॉयड ने आईसीसी से वैश्विक राजस्व वितरण में वित्तीय असमानता को हल करने का किया आग्रह

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सर क्लाइव लॉयड ने वैश्विक राजस्व वितरण मॉडल में सुधार की मांग की है। हाल ही में ग्रेनाडा में कैरेबियाई क्षेत्र के सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ द कैरेबियन कम्युनिटी (ओसीसी) को प्राप्त करते हुए, लॉयड ने मांग की है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) वेस्टइंडीज को वित्तीय असमानता के लिए मुआवजा दे।

बारबाडोस टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्व वितरण मॉडल के कष्टप्रद मुद्दे को संबोधित करते हुए, लॉयड ने विश्व क्रिकेट समुदाय को याद दिलाया कि जब वेस्टइंडीज की टीम अपने शिखर पर थी, तो क्षेत्रीय बोर्ड के लिए कोई वित्तीय पुरस्कार नहीं था।

उन्होंने तर्क दिया, अब जबकि वैश्विक खेल एक मजबूत वित्तीय स्थिति में है, यह विंडीज के लिए उचित हिस्सा पाने का समय है।

उन्होंने कहा, हमारे वर्चस्व के वर्षों में हमने कोई अतिरिक्त धन नहीं मांगा। लेकिन अब मुझे बताया गया है कि जब वे आईसीसी में धन का वितरण करते हैं, तो इंग्लैंड को 180 मिलियन डॉलर, ऑस्ट्रेलिया को 180 मिलियन डॉलर, भारत को 180 मिलियन डॉलर और हमें 80 मिलियन डॉलर मिलते हैं। मैं जानना चाहता हूं कि उन्हें यह असमानता कहां से मिलती है?

आईसीसी राजस्व वितरण प्रणाली को 2015 में पुनर्गठित किया गया था, जिसमें बोर्ड को उनके देशों से आईसीसी राजस्व में योगदान के आधार पर शेयर आवंटित किए गए थे। लगभग 90 प्रतिशत राजस्व भारत से उत्पन्न होता है, और बीसीसीआई को आईसीसी की आय का लगभग 39 प्रतिशत प्राप्त होता है।

लॉयड ने कहा, जब हम अग्रणी थे, तो हर कोई खेलना चाहता था - हम सर्दियों में दो दौरे खेल रहे थे। हम इन लोगों के लिए नकदी गाय थे। लेकिन अब जब हम थोड़े निराश हो गए हैं, तो कोई भी यह नहीं कह रहा है कि, वेस्टइंडीज को कुछ मदद की जरूरत है।

सर क्लाइव ने बताया कि वित्तीय असंतुलन हमेशा से रहा है, तब भी जब वेस्टइंडीज जीत रहा था, लेकिन अब यह और भी बदतर हो गया है क्योंकि क्रिकेट में अधिक पैसा आ रहा है।

कुछ विशेष छूट की आवश्यकता

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हमारे बोर्ड के लोग आईसीसी को विशेष रूप से बुलाएँ। 10 या 12 लोगों को भेजें, जिनके बारे में हम जानते हैं कि उनमें क्षमता है, और जो अतिरिक्त चाहिए, उन्हें बताएँ कि हमें कुछ विशेष छूट की आवश्यकता है।

पेरिस ओलंपिक रोइंग

बलराज पंवार पुरुष एकल स्कल्स में 23वें स्थान पर रहे

पेरिस, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत के बलराज पंवार शुक्रवार को फाइनल डी में पांचवें स्थान पर रहने के बाद पेरिस 2024 ओलंपिक रोइंग प्रतियोगिता में पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा में 23वें स्थान पर रहे।

पेरिस 2024 में एकमात्र भारतीय नाविक बलराज ने 7.02.37 का समय निकाला, जो पेरिस 2024 में उनका सर्वश्रेष्ठ समय था। मोनेगास्क रोवर क्रेंटिन एंटोगनेली ने 6,54.93 के साथ फाइनल डी जीता। हालाँकि पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा में बलराज की अंतिम स्थिति, जिसमें 33 नाविकों ने प्रतिस्पर्धा की थी, कागज पर बहुत प्रभावशाली नहीं दिखती, लेकिन हरियाणा के भारतीय सेना के जवान ने अपने पूरे अभियान में लगातार प्रगति दिखाई।

पिछले शनिवार को बलराज ने 7.07.11 का समय लेकर हीट 1 में छह रोवर्स के बीच चौथा स्थान हासिल किया था, लेकिन रविवार को रेपेचेज 2 हीट में 7.12.41 के साथ दूसरे स्थान पर आने के बाद रेपेचेज के माध्यम से क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मंगलवार को अपनी क्वार्टर फाइनल रेस में बलराज 7.05.10 का समय लेकर पांचवें स्थान पर रहे और पदक की दौड़ से बाहर हो गए। चूंकि ओलंपिक रोइंग प्रतियोगिताओं में सभी नौकाओं को रैंक दी गई है, बलराज ने 13 से 24वें स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए सेमीफाइनल सी/डी में प्रवेश किया। बलराज, जो पिछले साल एशियाई खेलों में कांस्य पदक से चूक गए थे, ने अप्रैल में कोरिया गणराज्य के चुंगजू में एशियाई और ओसियनियन रोइंग ओलंपिक क्वालीफिकेशन रेगाटा में कांस्य पदक जीतकर भारत के पेरिस 2024 दल में अपना स्थान अर्जित किया। ओलंपिक नौकायन स्पर्धा में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह द्वारा टोक्यो 2020 में पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल्स स्पर्धा में हासिल किया गया 11वां स्थान है।

पेरिस ओलंपिक से बाहर होने पर सिंधु ने कहा-यदि पहला सेट जीत जाती तो नतीजा कुछ और होता

पेरिस। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु का मानना है कि अगर वह पहला सेट जीत जातीं तो पेरिस ओलंपिक में महिला एकल स्पर्धा के प्री-क्वार्टरफाइनल का परिणाम अलग हो सकता था। छठी वरीयता प्राप्त चीनी शटलर ही बिंग जियाओ के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में सिंधु को हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल स्पर्धा में उनका अभियान सीधे सेटों में 21-19, 21-14 से हार के साथ समाप्त हुआ। पहला सेट काफी करीबी मुकाबला था, भले ही जियाओ ने सेट के शुरुआती चरणों में अच्छी बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन सिंधु ने वापसी करते हुए स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। शुरुआती सेट का निर्णायक क्षण तब आया जब सिंधु ने 20वें अंक के लिए निर्णय को चुनौती दी। शटलकॉक लाइन पर आ गया, जिससे चीनी शटलर को गेम में आगे बढ़ने का मौका मिल गया। जियाओ ने पहला सेट और अंततः गेम अपने नाम कर लिया। मैच के बाद सिंधु ने महसूस किया कि अगर वह पहला सेट जीत जाती तो नतीजा अलग हो सकता था। सिंधु ने मैच के बाद कहा, हाँ, मुझे लगता है कि यह दुखद है कि मैं वह परिणाम नहीं पा सकी जो मैं चाहती थी। ओलंपिक में, हर कोई जीतना चाहता है, लेकिन दुर्भाग्य से, ऐसा नहीं हो सका, या यह मेरे लिए सही नहीं रहा। पहला गेम थोड़ा अलग हो सकता था, खासकर, मुझे लगता है कि 19-19 के स्कोर पर, यह किसी का भी खेल हो सकता था। मैंने इसे चुनौती दी। यह अच्छा होता अगर यह मेरे पक्ष में होता, लेकिन यह लाइन पर था, और यह 20-19 उसके पक्ष में था।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बढ़ी गिरावट

नई दिल्ली,02 अगस्त (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से शुक्रवार को कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजार भी बड़ी गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के कमजोर प्रदर्शन और जॉब डेटा की गिरावट की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। डाउ जॉन्स 500 अंक टूट कर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,446.68 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 405.25 अंक यानी 2.30 प्रतिशत लुढ़क कर 17,194.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 219.89 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 40,127.09 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 1.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,283.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 161.04 अंक यानी 2.18 प्रतिशत टूट कर 7,370.45 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 425.60 अंक यानी 2.35 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 18,083.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी जबरदस्त दबाव की स्थिति बनी हुई है। एशिया के सभी 9 बाजारों के सूचकांक बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 280 अंक यानी 1.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,775 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.01 प्रतिशत टूट कर 3,385.45 अंक के स्तर तक गिर गया है। निक्केई इंडेक्स बड़ी गिरावट का शिकार हुआ है। फिलहाल ये सूचकांक 1,777.28 अंक यानी 4.66 प्रतिशत टूट कर 36,349.05 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 821.34 अंक यानी 3.63 प्रतिशत लुढ़क कर 21,820.76 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। कोस्पी इंडेक्स में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल ये सूचकांक 3.32 प्रतिशत फिसल कर 2,685.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 361.23 अंक यानी 2.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 16,943.73 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,316.75 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,321.29 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.45 प्रतिशत टूट कर 2,919.32 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सोने की जगह...

जिम्मेदारों के पास इस सवाल का कोई जवाब नहीं था।

मध्य प्रदेश के कई जिलों समेत राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र से यहां अच्छी शिक्षा, भोजन और आवास के नाम पर गरीब मुस्लिम परिवारों से सौ से अधिक बच्चियों को यहां लाकर रखा गया है। इनमें से बड़ी संख्या ऐसी बच्चियों की मिली है जो स्कूल ही नहीं जातीं और इनका अधुनिक शिक्षा से दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं है, सिर्फ दीन की तालीम के नाम पर यहां रह रही हैं। इस मदरसे के अनुबंध और मान्यता को लेकर जब बाल संरक्षण आयोग ने कागजात मांगे तो मदरसा संचालक वे भी नहीं दिखा पाए। काफी दबाव बनाने के बाद आखिर वे बोल गए कि हमने इस मदरसे को संचालित करने के लिए शासन से कोई मान्यता नहीं ली है। मुस्लिम बच्चियों के लिए संचालित होने वाला मदरसा शासन से मान्यता प्राप्त नहीं है।

इसके बाद जब आयोग ने इसकी और गहराई से जांच की तो सामने आया कि यह मदरसा महाराष्ट्र के नन्दुरबार जिले के जामिया इस्लामिया इशाअतुल उलूम अक्कलकुआ नाम की संस्था से जुड़कर संचालित हो रहा है। इसके साथ ही बाल आयोग ने इसकी फडिंग स्रोत जानना चाहा तो बहुत कहने के बाद भी मदरसा संचालक यह कहते रहे कि अभी हमारे पास सही जानकारी उपलब्ध नहीं है और उन्होंने इस मदरसा को संचालित करने के लिए प्राप्त होनेवाली कोई आय के बारे में बहुत पूछे जाने के बावजूद भी कुछ नहीं बताया। ऐसे में आयोग को अंदेशा है कि लोकल के अलावा विदेशी फडिंग भी इसे जरूर कहीं न कहीं मिल रही होगी, इसलिए ये मदरसा संचालक सही जानकारी सामने रखना नहीं चाहते होंगे।मदरसा संचालक मौलाना मौसीन से जब पूछा गया कि कब से आप इस मदरसे को संचालित कर रहे हैं, तो उसने बताया कि कई साल से इसे हम संचालित कर रहे हैं। सही वक्त तो मुझे भी याद नहीं। इस मदरसा से जुड़ा एक सच यह भी सामने आया कि मदरसे का अपना एक विद्यालय इसी से लगे परिसर में कक्षा 10वीं तक संचालित किया जा रहा है, जिसमें बाहर से भी बच्चे पढ़ने आते हैं। इस स्कूल को संचालित करने के लिए सोसायटी का 2012 में पंजीयन कराया गया था और स्कूल खोल दिया गया, लेकिन साल 2019 में इस स्कूल की मान्यता मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल से ली गई। यह भी सामने आया कि वर्ष 2012 के बाद से 2018 तक इस स्कूल को संचालित करने की कोई मान्यता नहीं रही है। ऐसे में जिसकी संभावना अत्यधिक है, इसे बिना मान्यता के ही चलाया जा रहा था।इसके अलावा हैरान करने वाला तथ्य यह है कि कक्षा 10वीं तक का स्कूल होने के बाद भी मदरसा में रह रहीं बच्चियों को उस विद्यालय में आधुनिक शिक्षा नहीं दी जा रही है। इसका कारण पूछने पर मदरसा संचालक कोई उत्तर नहीं दे सके। दूसरी ओर यहां बहुत छोटी और अबोध बालिकाओं को रखा जा रहा है। यह बदसलूकी और ज्यादती कट्टर इस्लामी देशों अफगानिस्तान, सीरिया की तालीबानी और आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठनों के शासन और उनके लागू शरिया कानून की याद दिला देता है।आप जब मदरसा के भीतर प्रवेश करते हैं, तो अंदर का माहौल कुछ ऐसा ही है। आंखों के अलावा शरीर का कोई हिस्सा नहीं दिखे इसके लिए बच्चियों पर भारी सख्ती की जाती है। उन्हें अभी से मानसिक रूप से ट्रेंड किया जा रहा है। ताकि भविष्य में वे इसी तरह से अपना जीवन जीयें। डॉ. निवेदिता शर्मा ने बताया कि बच्चियों के कोमल चेहरों से मुस्कान गायब थी। बहुत दबी-दबी, कुछ भी बोलने से बचती हुई चुप-चुप बच्चियों से जब उनके हाल-चाल जानना चाहे तो वह कुछ बोलने को तैयार नहीं दिखीं। मदरसा संचालक बच्चियों और संस्थान की कोई वैध जानकारी सामने नहीं रख पाए। उन्होंने सिर्फ इतना बताया कि हमारे यहां प्रत्येक बालिका को तीन साल के लिए रखा जाता है, उसके बाद उन्हें दीनी तालीम देकर उनके घर वापस भेज दिया जाता है। यहां मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों के अलावा दूसरे राज्यों की बच्चियों को बच्चियों को भी यहां रखा गया है। सबसे दुखद और आपत्तिजनक बात यह है कि बच्चियों की कोई प्राइवेट जिंदगी नहीं है, हर जगह कैमरे लगा कर उन पर चौबीस घंटे नजर रखी जा रही है और नजर रख रहे हैं पुरुष। डॉ. निवेदिता ने प्रश्न किया कि क्या कोई अपने बेडरूम में या निजी कक्ष में कैमरे लगवाता है? यदि नहीं तो जहां बच्चियां सो रही हैं, वहां कैमरे क्यों लगे हैं? और मदरसा संचालक उन पर किस चीज की निगरानी रख रहे हैं? इसका मदरसा प्रबंधकों के पास की जवाब नहीं था।यहां रह रहीं कई बच्चियों के बारे में यह भी सामने आया है कि कई बेटियां दूसरे जिलों के शासकीय/निजि विद्यालयों में रजिस्टर्ड हैं, लेकिन वे नियमित तौर पर रहती इस मदरसा में हैं। जिस पाठशाला में पंजीकृत हैं वहां पढ़ने नहीं जातीं। डॉ. निवेदिता शर्मा ने बताया कि जांच के दौरान उन्हें इस मदरसे में दो अनाथ बच्चे भी मिले। लेकिन ये बच्चे बाल आर्शीवाद योजना में कहीं भी रजिस्टर्ड नहीं हैं। दोनों बच्चे धार जिले के रहनेवाले हैं। शासन की योजना का लाभ मिले इसके लिए अनाथ बच्चों को यहां रखा जा रहा है। कई बच्चियां आधुनिक शिक्षा से पूरी तरह दूर पाई गईं, यह शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) का सीधा उल्लंघन है। इसमें देश के प्रत्येक 6 वर्ष से 14 वर्ष तक की आयु के बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देने का प्रावधान है। यहां इन बच्चियों को इस्लामिक शिक्षा देने के नाम पर आधुनिक शिक्षा से पूरी तरह से दूर रखा गया है। इन बच्चियों को भी आधुनिक शिक्षा लेने का देश के अन्य बच्चों की तरह ही अधिकार है। मध्य प्रदेश बाल संरक्षण आयोग ने इस मसले को बहुत ही गंभीरता से लिया है। आवश्यक कार्रवाई के लिए शासन को लिखा गया है।

मदरसों में ...

बोर्ड ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्र में संचालित मदरसों का भौतिक निरीक्षण कराएं और जो मदरसे नियमों के अनुसार संचालित नहीं पाए जाते हैं, उनकी मान्यता रद्द करने की कार्रवाई करें।जिन हिंदू छात्रों के मदरसे में शिक्षा लेने की बात कही गई है, वे सॉफ्टवेयर इंजीनियर डॉक्टर हैं। सरकारी मिड डे मील लेने वालों में इनके नाम लिखे मिले। मध्य प्रदेश के भिंड, मुरैना, श्योपुर, रीवा आदि जिलों के मदरसों में सरकारी अनुदान हासिल करने के लिए बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा चल रहा है। मदरसों की रजिस्टर में मुस्लिमों से अधिक हिंदू बच्चों का नामांकन दिखाया गया है। भिंड-मुरैना तो वो इलाके हैं, जहां प्रदेश में मुस्लिम आबादी सबसे कम है, लेकिन मदरसे सबसे अधिक हैं। खुलासे के बाद श्योपुर के 80 में से 56 मदरसों की मान्यता रद्द कर दी गई है।जिन हिंदू बच्चों का दाखिला मदरसे में दिखाया गया है, वे सरकारी या प्राइवेट स्कूलों में पढ़ते हैं। ये कभी मदरसा नहीं गए। इन बच्चों के माता-पिता को भी पता नहीं है कि उनके बच्चों का नाम मदरसों में दर्ज है। दरअसल, मदरसा संचालकों ने इन बच्चों की समग्र आईडी जुटाकर मदरसे में फर्जी तरीके से एडमिशन दिखाया है। इस तरह यहां पढ़ने वाले छात्रों में मुस्लिमों से अधिक हिंदू हैं। ये सारा मसला राज्य सरकार से मिलने वाले फंड को लेकर है। मध्य प्रदेश में सरकार की ओर से मदरसों में पढ़ने वाले 100 बच्चों के लिए हर महीने 50,000 रुपए से 60,000 रुपए तक की मदद दी जाती है। इसके अलावा भी मध्य प्रदेश की सरकार की ओर से इन मदरसों को कई अन्य तरह की मदद दी जाती है। इनमें शिक्षकों को तनख्वाह से लेकर अनाज भी शामिल है।अगर किसी मदरसे में 100 बच्चे हैं और हर महीने उनकी उपस्थिति 70 प्रतिशत रहती है तो फि 2.10 क्विंटल गेहूं, खाना बनाने के लिए 11440 रुपए, रसोइए को देने के लिए 4,000 रुपए का महीना जैसी सुविधाएं मिलती हैं। इसके अलावा, इन मदरसों में पढ़ाने वाले स्नातक शिक्षक को 3000 हजार रुपए और पोस्ट ग्रेजुएट को 6,000 रुपए मासिक का वेतन मिलता है। भिंड के बीटीआई रोड इलाके में संचालित मदरसा हुसैनी फॉर ओनली गर्ल्स में कुल 77 बच्चे हैं, जिनमें 44 प्रतिशत हिंदू हैं। भिंड के 11 महावीर नगर में बीटीआई स्कूल के पीछे अलीमुद्दीन के मकान में संचालित मदरसा दीन-ए-अकबर और हुसैनी प्रोग्राम फॉर ऑनली गर्ल्स में 83 विद्यार्थी हैं, जिनमें 53 प्रतिशत हिंदू हैं। भिंड के सुभाष नगर में संचालित मदरसा मस्जिद नवी में 87 छात्र हैं, जिनमें 44 प्रतिशत हिंदू हैं।अगर भिंड और मुरैना में मदरसों की बात करें तो इन मुरैना में 70 और भिंड में 67 मदरसे चल रहे हैं। दोनों जिलों के कुल 137 मदरसों में 3,880 हिंदू बच्चों के नाम अंकित हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में सबसे अधिक मुस्लिम आबादी बुरहानपुर जिले की है, फिर भी वहां 23 मदरसे हैं। यह फर्जीवाड़ा अनुदान और मिड डे मील का अनाज एवं पैसा हड़पने के लिए किया जा रहा है। श्योपुर जिले के मदरसों में हिंदू बच्चों के नाम सरकारी मदद लेने के खुलासे के बाद मंगलवार (30 जुलाई 2024) को यहां से 80 में से 56 मदरसों पर यह कड़ी कार्रवाई की गई है। इनकी मान्यता रद्द कर दी गई है। इसके साथ ही स्कूली शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप ने सभी जिलों में संचालित मदरसों की भौतिक सत्यापन की जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।यहां कई ऐसे छात्र हैं, जिनका नाम साल 2004 में भी दर्ज था और फिर 2018 एवं 2023 में भी उनका शामिल किया गया है। यहां के मदरसे में छात्र के रूप में एक नाम मानव गोयल का भी है, जो सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। प्रिया मित्तल डॉक्टर हैं। ज्योत्सना गोयल भी डॉक्टर हैं। इनका भी नाम इन मदरसों में दर्ज है। ऐसे अनेकों नाम पर जिन पर सरकार से अनुदान और खाद्यान्न लिए जा रहे थे। अधिकारियों का कहना है कि अकेले श्योपुर जिले के मदरसों से पिछले पांच वर्ष की रिकवरी की जाए तो सरकार को इनसे लगभग 125 करोड़ रुपए की रिकवरी सरकार को करना पड़ेगी। अगर पूरे प्रदेश की बात की जाए तो यह रकम हजारों करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगी। बता दें कि मुरैना के 68 मदरसों में 2068 हिंदू बच्चे, भिंड के 78 मदरसों में 1812 हिंदू बच्चे, रीवा के 111 मदरसों में 1426 हिंदू बच्चे हैं।दरअसल, मध्य प्रदेश के 1505 मदरसों में हिंदू बच्चों के इस्लाम की शिक्षा लेने की जानकारी सामने आने के बाद राष्ट्रीय बाल आयोग ने हस्तक्षेप किया था। संस्था के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने इसकी जांच के आदेश दिए थे। जांच के बाद इसका खुलासा हुआ है। कानूनगो का कहना है कि राज्य के मदरसों में 9400 से ज्यादा हिंदू बच्चे दर्ज हैं। इसमें अफसरों की मिलीभगत है।

मध्य प्रदेश में 56 ...

दौरे पर गई थी, वहां तय कार्यक्रमों के दौरान आवासीय विद्यालय एवं मदरसे में भी जाना हुआ। मदरसे में जांच की तो पता चला कि संचालक मनमानी कर रहे हैं। शुक्रवार का अवकाश रखते हैं, जबकि रविवार को मदरसा की क्लास लगाकर शुक्रवार का मध्यान भोजन रविवार को बांट रहे हैं। मदरसों में ऐसे बच्चों की एंट्री है, जो कभी मदरसा पढ़ने तक नहीं आते हैं। इसके साथ ही उन बच्चों के नाम शासन की मान्यता प्राप्त बोर्ड परीक्षा में लिखवा दिए गए हैं, जोकि कभी परीक्षा देने आएंगे ही नहीं। उम्र में हिसाब से 23 से 28 साल वालों को भी कक्षा आठ का विद्यार्थी बता दिया जा रहा है। जानकारी मांगने पर उनकी सही जानकारी नहीं दी जाती है। एक हाल में ही एक से आठ तक की कक्षाएं संचालित होना बता दिया जाता है। बालिकाओं और बालक दोनों के लिए सिर्फ एक ही शौचालय था।बड़ी संख्या में हिंदू बच्चों की एंट्री मिली है। उन्हें दीन-ए-तालीम उनके माता-पिता की अनुमति के बिना दी जा रही है। उसमें भी जो पढ़ाया जा रहा है, वह भी बहुत आपत्तिजनक है। हिंदू बच्चों को तालीमुल इस्लाम जैसी किताबें पढ़ाई जा रही हैं। इस किताब में लिखा है जो लोग अल्लाह को नहीं मानते उन्हें काफिर कहते हैं फिर एक जगह लिखा है, जो लोग खुदा तआला के सिवा और चीजों की पूजा करते हैं, ऐसे लोगों को काफिर और मुशरिक कहते हैं।, मुश्रिकों को बख्शा नहीं जाएगा। इसी प्रकार की अन्य पुस्तकें भी हैं जिनमें बहुत कुछ वह लिखा हुआ है जो बच्चों के मन पर कम से कम समरस समाज बनाने के लिए तो प्रभाव नहीं डालते।डॉ. निवेदिता शर्मा कहती हैं कि क्या यह शिक्षा हिंदू बच्चों को दी जानी चाहिए? या किसी भी बच्चे को जिनके मन में यह भर दिया जाए कि जो खुदा को नहीं मानेंगे वे बख्शे नहीं जाएंगे। यानी जो खुदा को माने वही अच्छे और सच्चे हैं बाकी गलत। इसलिए बाल आयोग को मदरसों की मनमानी पर एतराज है। निश्चित ही प्रदेश में इस प्रकार के 56 मदरसों की मान्यता रद्द करना इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। श्योपुर जिले के शिक्षा अधिकारी रवींद्र सिंह तोमर ने बताया कि जांच में कहीं बच्चे नहीं पाए गए तो कभी अव्यवस्था मिली। जब मदरसा संचालक से स्पष्टीकरण मांगा गया तो वह भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। यह सीधे-सीधे बच्चों के भविष्य से साथ मजाक बनाने जैसा था, इसलिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी गई थी। उसके बाद अब मध्य प्रदेश मदरसा बोर्ड ने इन मदरसों की मान्यता समाप्त करने का निर्देश दिया। श्योपुर जिला शिक्षा अधिकारी रवींद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को 56 मदरसों की मान्यता रद्द करने संबंधी आदेश जारी किए। यह भी जांच में सामने आया है कि मदरसों में ऐसे बच्चों के नाम दर्ज हैं जिन्हें मदरसे छोड़े कई साल हो गए, कई ऐसे नाम भी हैं जो कहीं नौकरी कर रहे हैं। लेकिन इनके नाम पर न केवल शासन से मिलने वाले अनुदान का लाभ लिया जा रहा था बल्कि राज्य सरकार की अन्य योजनाओं का लाभ भी उठाया जा रहा था।श्योपुर जिले में हुई कार्रवाई के बाद मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह का कहना है कि प्रदेश में संचालित सभी मदरसों के भौतिक सत्यापन की जांच करने के निर्देश दिये गए हैं। अब जिन भी मदरसों में शासन के नियमों का पालन नहीं किया जाएगा, बच्चों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं पाई जाएंगी, तब स्वाभाविक हे कि उन पर नियमानुसार मान्यता समाप्त करने के लिए कार्रवाई होगी।

फर्जी मदरसों...

पिछले दिनों यूपी पुलिस द्वारा अयोध्या में 93 बच्चों को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की सूचना पर बरामद किया गया था। ये बच्चे एक मौलवी द्वारा बिहार से यूपी और उत्तराखंड के मदरसों में लाए जा रहे थे। यह इस बात का भी संकेत है कि उत्तराखंड में एक बड़ी साजिश के तहत बच्चों को लाकर उन्हें मदरसों में इस्लामिक शिक्षा दी जा रही है। ऐसी भी जानकारी आई है कि इन मदरसों को देवबंद से आर्थिक सहयोग मिल रहा है। देहरादून में पिछले दिनों आजाद कॉलोनी में जिस मदरसा, जामियातुल सलाम उल इस्लामिया में बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने जांच पड़ताल की, उसमें पाया गया कि उक्त मदरसा किसी भी शिक्षण संस्थान में पंजीकृत नहीं है और न उत्तराखंड मदरसा बोर्ड में इसका रजिस्ट्रेशन है। यहां करीब 250 बच्चे 400 गज के भवन में ठूंसी हुई अवस्था में पढ़ाए जा रहे हैं। इसके भवन निर्माण आदि की कोई अनुमति जिला प्रशासन, एमडीडीए से नहीं ली हुई थी। यहां 55 बच्चे बिहार के श्रमिकों के बताए गए। वे यहां कैसे और क्यों लाए गए यह भी बड़ा सवाल है। देहरादून में ऐसे कई मदरसे चल रहे हैं, जिनका कहीं पंजीकरण नहीं। ये मदरसे या तो जुम्मे के दिन एकत्र हुए चंदे से अथवा देवबंद की आर्थिक मदद से संचालित हो रहे हैं। इन मदरसों में सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है, यहां क्या पढ़ाया जा रहा है इस बात की भी कोई जानकारी प्रशासन के पास या शिक्षा विभाग के पास नहीं है। प्रशासन, पुलिस और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के पास उनका लाभ पहुंचता रहता है। कुछ माह पहले हरिद्वार जिले में भी ऐसे ही मदरसे संज्ञान में आए जब राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग को शिकायत मिली थी कि यहां हिंदू बच्चे आरटीई के तहत भर दिए गए। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने पिछले दिनों उत्तराखंड के सभी तेरह जिला अधिकारियों को दिल्ली तलब करते हुए कहा था कि सभी मदरसों की जांच रिपोर्ट उन्हें प्रेषित की जाए। जानकारी के अनुसार इसके बाद हर जिले में एक नोडल अधिकारी को नामित तो किया गया किंतु अभी तक जांच रिपोर्ट को जाहिर नहीं किया गया है।उधर, उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना का कहना है कि शासन को मदरसों की जांच जल्द करवानी चाहिए क्योंकि उनके आयोग के पास जो जांच संबंधी सूचनाएं हैं। उसके अनुसार उत्तराखंड में संचालित अधिकतर मदरसे, बाल अधिकारों, शिक्षा के अधिकारों के मापदंडों पर खरे नहीं उतरते। यहां बाहरी प्रदेशों से बच्चे लाकर क्यों पढ़ाए जाते हैं ? इस बारे में विचार किया जाना चाहिए। वैदिक मिशन संस्था के संयोजक जगवीर सैनी बताते हैं कि बाहरी प्रदेशों के बच्चे यहां कौन और किस उद्देश्य से लाकर मदरसों में भर्ती किए जा रहे हैं? ये एक बड़ी साजिश है। आगे चलकर उत्तराखंड में जनसंख्या असंतुलन की समस्या खड़ी हो जाएगी।वीर सावरकर संगठन के कुलदीप स्वेडिया कहते हैं कि यूपी में फर्जी मदरसे बंद हुए। उनके संचालक देहरादून, हरिद्वार, उधम सिंह नगर और नैनीताल जिले में आकर मदरसे खोल रहे हैं। हल्द्वानी में हुई बनभूलपुरा हिंसा की घटना एक फर्जी मदरसे से ही शुरू हुई थी। देहरादून के पछुवा इलाके में जो कि सहारनपुर जिले से जुड़ा हुआ है, यहां देवबंद के मदरसों से जुड़े दर्जनों मदरसे संचालित हो रहे हैं। ये सब सरकारी जमीनों पर कब्जे करके पक्की इमारतों में तब्दील हो गए हैं। इन्हें अब एमडीडीए या जिला प्रशासन भी नोटिस देने का साहस नहीं कर रहा। बहरहाल देवभूमि में जिसका स्वरूप सनातनी है, यहां उत्तराखंड में फर्जी मदरसे एक बड़ी समस्या बन चुके हैं जोकि एक षड्यंत्र के तहत इस्लामिक शिक्षा के प्रसार में लगे हैं। इस पर लगाम लगाए जाने की जरूरत है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि उत्तराखंड में सभी मदरसों की जांच की जा रही है। उनके बयान के बाद जिलों में प्रशासनिक हलचल तो शुरू हुई है, लेकिन कभी आपदा कभी अन्य प्रशासनिक व्यस्तता, मदरसा जांच को प्रभावित करती रही है। नैनीताल और उधम सिंह नगर जिले में कई फर्जी मदरसे बंद भी करवाए गए हैं।

सपा सांसद...

इसके अलावा ईडी ने आय से अधिक संपत्ति का भी मामला दर्ज किया है। जांच के दौरान ईडी को पता चला था कि कुशवाहा ने घोटालों की रकम से कई बेनामी संपत्ति बनाई है। ऐसे में उन संपत्तियों का पता लगाया था, जिनका बेनामीदार कोई और था। इसी में से एक कानपुर रोड स्थित जमीन भी थी। इसे कुशवाहा ने विंध्य शक्ति सीमेंट कंपनी के नाम से खरीदा था। ईडी ने जांच में पाया कि सपा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा ने एनआरएचएम और उत्तर प्रदेश श्रम निर्माण एवं सहकारी संघ लिमिटेड (लैकफेड) में भ्रष्टाचार से कमाई गई अरबों की रकम को बेनामी संपत्तियों में लगाया था। बहुत सी संपत्तियां बाबू सिंह कुशवाहा के परिवार और कुछ उनके करीबियों के नाम पर हैं। ईडी अब तक करीब ढाई सौ करोड़ की संपत्ति जब्त कर चुकी है।

बाबू सिंह कुशवाहा ने वर्षों का राजनीतिक वनवास काटने के बाद जौनपुर से लोकसभा चुनाव 2024 में जीत दर्ज की। पैसे के बूते बाबू सिंह कुशवाहा ने समाजवादी पार्टी का टिकट हासिल किया और जौनपुर से चुनाव लड़ा। कुशवाहा ने भाजपा के कृपाशंकर सिंह को हराया। जौनपुर से पूर्व सांसद धनंजय सिंह के भाजपा को समर्थन दिए जाने के बाद भी कुशवाहा ने अपनी जीत का परचम लहराया।

मनी लॉन्ड्रिंग: लद्दाख में भी ईडी की बड़ी कार्रवाई

लद्दाख, 02 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में अपनी पहली छापेमारी में फर्जी क्रिप्टोकरेंसी ऑपरेटर से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत तलाशी ली। एजेंसी ने एआर मीर और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लद्दाख के लेह, जम्मू और हरियाणा के सोनीपत में कम से कम छह परिसरों पर छापेमारी की। आरोप है कि हजारों निवेशकों ने नकली मुद्रा में पैसा जमा किया, लेकिन उन्हें कोई रिटर्न या मुद्रा वापस नहीं मिली। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला लेह और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में दर्ज कई एफआईआर से सामने आया है।

टूट रहा कांग्रेस...

का प्रयोग दिखाया गया उनमें से कई दोपहिया वाहनों के नंबर निकले हैं।आशु को ईडी की टीम ने गुरुवार देर शाम को जालंधर में गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले आशु को पूछताछ के लिए ईडी कार्यालय बुलाया गया था। शाम तक लगातार पूछताछ होती रही। पूछताछ के बाद आशु के खिलाफ मनी लॉंड्रिंग एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु जब खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय के प्रभारी थे, तब उन पर करीब 2 हजार करोड़ रुपए के टेंडरों में घोटाले का आरोप लगा था। पंजाब की मंडियों में लेबर और ट्रांसपोर्टेशन के टेंडरों में बड़े पैमाने पर अनियमितता सामने आई थीं। इसके बाद तलाशी के दौरान ईडी को करीब डेढ़ करोड़ रुपए की संपत्ति के दस्तावेज मिले थे। इस दौरान करीब 30 लाख रुपए नकद भी जब्त किए गए थे। उस समय पंजाब की मंडियों में लेबर और ट्रांसपोर्टेशन के टेंडर में बड़े स्तर पर गड़बड़ी की गई थी। इस मामले में जांच के दौरान ये जानकारी भी सामने आई है कि ट्रांसपोर्टिंग और सप्लाई के नाम पर काफी फर्जी वाहनों के नाम और उसके नाम का दुरुपयोग किया गया था। इसकी जांच पंजाब पुलिस की विजिलेंस ब्यूरो की टीम भी कर रही थी। उसी मामले को आधार बनाते हुए केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने इस केस को टेकओवर कर लिया और मामले की जांच के दौरान कई आरोपियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन के दौरान काफी महत्वपूर्ण सबूतों को इकट्ठा किया गया था। केस को आगे बढ़ाते हुए आशु को बुलाया गया है।लेबर ट्रांसपोर्टेशन टेंडर घोटाले में अनाज मंडियों में आरोपी वाहनों पर नकली नंबर प्लेट लगाकर माल की ढुलाई करते थे। वहीं, आरोपियों ने टेंडर लेने से पहले विभाग में वाहनों के गलत नंबर लिखवा दिए। जांच के दौरान पता चला कि जो नंबर लिखवाए थे वह स्कूटर, बाइक आदि दोपहिया के थे। जिन वाहनों के यह नंबर हैं, वह माल ढोने के लिए मान्य ही नहीं हैं।

टीएमसी नेता और...

करीबी व्यापारी बाकिबुर रहमान को भी इसी मामले में गिरफ्तार कर चुका है। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे अनीसुर और अलिफ कुछ दस्तावेज लेकर सीजीओ कॉम्प्लेक्स पहुंचे थे। यहां कई पत्रकारों ने अनीसुर से दस्तावेजों के बारे में सवाल किया, लेकिन उन्होंने कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया। उनसे ज्योतिप्रिय और बारिक विश्वास के बारे में भी सवाल पूछे गए, लेकिन उन्होंने सभी सवालों को टाल दिया। लंबी पूछताछ के बाद रात 2:00 बजे दोनों को गिरफ्तार करने की जानकारी मिली है।उल्लेखनीय है कि राशन घोटाला मामले में मंगलवार सुबह से ही ईडी ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी शुरू कर दी थी। उत्तर और दक्षिण 24 परगना के कई चावल मिलों पर भी केंद्रीय जांच एजेंसी ने छापा मारा। इस छापेमारी में देगंगा स्थित अलिफ के घर और चावल मिल भी शामिल थे। साथ ही, बारिक के राजारहाट स्थित फ्लैट पर भी ईडी ने छापा मारा था। उसके फ्लैट में मंगलवार को नौ घंटे से अधिक समय तक तलाशी ली गई, जिसमें 20 लाख रुपए बरामद हुए थे। बारिक के चावल मिल में भी ईडी ने छापा मारा था। जब ईडी की टीम बारिक के घर और चावल मिल में तलाशी कर रही थी, तब एक और टीम देगंगा में अलिफ के घर और चावल मिल पहुंच गई। लगभग 21 घंटे की तलाशी के बाद, उनके घर से दो मोबाइल फोन, कई दस्तावेज और 13 लाख रुपए जब्त किए गए। इसके बाद, बारिक और रहमान भाइयों को सीजीओ कॉम्प्लेक्स में पेश होने के लिए तलब किया गया। अनीसुर और अलिफ गुरुवार को उसी तलब के तहत पेश हुए थे। देर रात ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली शेल्टर...

दिल्ली के रोहिणी इलाके में दिल्ली सरकार का आशा किरण शेल्टर होम है। जहां महज 20 दिन के भीतर ही 13 बच्चों की मौत हो गई। इसको लेकर मंत्री आतिशी ने कहा कि उनको भी मीडिया से ही जानकारी मिली है कि दिल्ली के रोहिणी स्थित आशा किरण शेल्टर होम में 13 बच्चों की मौत हुई है। बच्चों की मौत को लेकर कहा जा रहा है कि उनकी मौत कुपोषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं रही हैं। इस बात से ये पता चलता है कि बच्चों को उचित सुविधाएं नहीं दी जा रही थीं। आतिशी ने कहा कि यह खबर बहुत आश्चर्य करने वाली है। क्योंकि देश की राजधानी दिल्ली में इस तरह की घटनाएं हो रही है। अगर ये घटना सच है तो इसको बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह एक गंभीर मुद्दा है। इसकी गहन जांच की जानी चाहिए। जांच के लिए आतिशी ने आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मजिस्ट्रेट जांच शुरू करने के 48 घंटे के भीतर ही रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया गया है। जो भी दोषी होंगे उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। बच्चों की दुखद मौत पर अफसोस जाहिर करने के बजाय मंत्री आतिशी का इस खबर पर ही संदेह जाहिर करना, इस मामले में दिल्ली सरकार की लापरवाही का प्रमाण है।शेल्टर होम में बच्चों की मौत को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि रोहिणी स्थित आशा किरण शेल्टर होम की जांच के लिए फैक्ट फाइंडिंग टीम भेजा जा रहा है। यह टीम शेल्टर होम से जुड़े सभी अधिकारियों और लोगों से मुलाकात करेगी, इसके साथ ही बच्चों के मौत का पता लगाने की कोशिश करेगी। शेल्टर होम में इस साल अभी तक कुल 27 बच्चों की मौत हो चुकी है। जबकि बीते 20 दिनों के भीतर ही 13 बच्चों की मौत हुई है। इस मामले को लेकर एसडीएम का कहना है कि बच्चों के मौत का आंकड़ा बहुत ज्यादा है। लेकिन अभी कारणों का पता नहीं चल पाया है। जिसकी जांच चल रही है। इस मामले में दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। सभी पर कार्रवाई होगी।

छात्रों के डूबने से...

हाईकोर्ट ने कहा कि 8 अप्रैल को 2024 को न्यायालय ने निर्देश दिया था कि अधिक कुशलता से समस्या का समाधान सुनिश्चित करने के लिए किसी एक एजेंसी को केवल वर्षा जल नालियों को नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने वर्तमान स्थिति की समीक्षा करने के लिए तीसरे पक्ष के ऑडिट कराने का भी आदेश दिया है।दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि हाल की त्रासदियों ने यह दिखा दिया है कि नागरिक एजेंसियों द्वारा न्यायालय के निर्देशों का पूरी तरह से पालन नहीं किया जा रहा है। हाईकोर्ट ने दिल्ली में प्रशासनिक स्थिति की आलोचना करते हुए कहा कि विभिन्न अधिकारी केवल जिम्मेदारी बदल रहे हैं और मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के बजाय एक-दूसरे पर दोष मढ़ रहे हैं। जज ने दिल्ली पुलिस को खरी खोटी सुनाते हुए कहा, अगर आपको एमसीडी से फाइल नहीं मिल रही है तो आप उनके ऑफिस में जाकर फाइल जब्त कर लीजिए। आपके पास एमसीडी अधिकारियों को फोन करने की भी हिम्मत नहीं है। शुक्र है कि आपने पानी का चालान नहीं किया और उससे यह नहीं पूछा कि वह तहखाने में कैसे घुस गया। कोचिंग संस्थान के सामने से गुजर रहे एक वाहन चालक को गिरफ्तार करने पर भी हाईकोर्ट के जज ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, सड़क से गुजर रहे व्यक्ति को कैसे गिरफ्तार किया गया? पुलिस का सम्मान तब होता है जब आप अपराधी को गिरफ्तार करते हैं और निर्दोष को छोड़ देते हैं। आप निर्दोष को गिरफ्तार करेंगे और दोषी को छोड़ देंगे हैं तो यह बहुत दुखद है।हाईकोर्ट ने एमसीडी को भी लताड़ा। जज ने कहा, एमसीडी का हाल तो यह है कि अगर अनधिकृत निर्माण को लेकर उसे किसी बिल्डिंग को सील करने के लिए कहा जाए तो सीलिंग के बाद बिल्डिंग का साइज और बड़ा हो जाता है। हम आदेश पारित करते रहते हैं, पर उन्हें कोई असर नहीं पड़ता है। सख्त रुख अपनाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि इस घटना की किसी ना किसी को जिम्मेदारी लेनी होगी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के प्रशासनिक, वित्तीय, भौतिक बुनियादी ढांचे पर फिर से विचार करने के लिए जीएनसीटीडी के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति के गठन का निर्देश दिया है। इस समिति में डीडीए के उपाध्यक्ष, एमसीडी के अध्यक्ष और पुलिस आयुक्त सदस्य के रूप में शामिल होंगे। इस समिति को आठ सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है।

गाजा से ईरान और...

इन नेताओं में भारत के केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी शामिल थे। पेजेशकियन के शपथ ग्रहण के दौरान की तस्वीरें गडकरी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में भी इस्माइल हानिया नजर आ रहा है। हानिया की हत्या के बाद ईरान समेत पश्चिम एशिया के कई देशों में तनाव बढ़ गया है। लेबनान के बेरूत में भारतीय दूतावास ने एक एडवाइजरी जारी की। दूतावास ने भारतीय नागरिकों को लेबनान में गैर जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी है। तुर्किये के राष्ट्रपति ने इसे इज़राइल की कायराना हरकत करार दिया है तो कतर ने हानिया की हत्या को तनाव बढ़ाने वाली घटना बताया है।इज़राइल ने हिजबुल्ला के सबसे वरिष्ठ सैन्य कमांडर फुआद शुकर को लेबनान में मार गिराया। यह हमला 30 जुलाई को शाम के समय बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हुआ, जो हिजबुल्ला का गढ़ है। इसी 27 जुलाई को उत्तरी इज़राइल के मजदल शम्स इलाके में रॉकेट हमला हुआ था, जिसमें 12 बच्चों की मौत हो गई थी। इज़राइल ने कहा था कि इस हमले के पीछे हिजबुल्ला के सबसे वरिष्ठ सैन्य कमांडर फुआद शुकर का हाथ था। यह 1983 में लेबनान में हुए हमले के लिए भी जिम्मेदार था, जिसमें 241 अमेरिकी नौसैनिक मारे गए थे। इज़राइल ने कहा है कि फुआद शुकर अब कोई खतरा नहीं है। इसके अलावा, 1 अगस्त को इज़राइली सेना ने पुष्टि की कि हमास का सैन्य प्रमुख मोहम्मद दाइफ गाजा में मारा गया है। इज़राइली सेना ने खान यूनिस इलाके में स्थित एक कंपाउंड को निशाना बनाकर 13 जुलाई को एयर स्ट्राइक की थी। इसी हमले में मोहम्मद दइफ मारा गया।हिजबुल्ला से जुड़े समाचार स्रोत अल-मायादीन ने एक अज्ञात ईरानी अधिकारी का हवाला देते हुए कहा कि हमास नेता की हत्या ईरान के भीतर से नहीं, बल्कि एक देश से दूसरे देश में दागी गई मिसाइल द्वारा की गई। हानिया की हत्या के बारे में ईरानी विशेषज्ञ ने कहा कि ऐसी हत्याएं भाड़े के सैनिकों द्वारा की जाती हैं। हमला एक छोटे मिसाइल के जरिए होता है और उपग्रह द्वारा निर्देशित होता है। हानिया की हत्या के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई ने इज़राइल से बदला लेने का ऐलान किया है।इस विवाद में अमेरिका भी कूद पड़ा है। अमेरिका ने बुधवार को कहा कि ईरान आतंवाद का सबसे बड़ा निर्यातक है। पूरी दुनिया में ईरान द्वारा आतंकवाद फैलाया जा रहा है। अमेरिका ने आरोप लगाया कि ईरान पूरे पश्चिम एशिया के क्षेत्र को अस्थिर करने के लिए फंडिंग और प्रोत्साहन दे रहा है। अगर ईरान ने कोई हिमाकत की तो हम अपने सहयोगी देशों की मदद करेंगे और कड़ी कार्रवाई करेंगे।बहरहाल, इन हत्याओं के बाद इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद एक बार फिर चर्चा में है। मोसाद दुनियाभर में अपने अभियानों के लिए जानी जाती है। कहा जा रहा है कि पिछले साल 7 अक्टूबर के घातक हमले का इज़राइल ने बदला ले लिया है। मोसाद प्रमुख ने 7 अक्टूबर के हमले के बाद हानिया को मारने का ऐलान किया था।इस्माइल हानिया के मारे जाने के बाद उसकी जगह खालेद मशाल को हमास का नया प्रमुख बनाया जा सकता है। रामल्लाह के सिलवाद में पैदा हुआ खालेद मशाल बचपन में अपने परिवार के साथ कुवैत में रहने लगा था। 15 साल की उम्र में खालेद मशाल मुस्लिम ब्रदरहुड के साथ जुड़ा और मुस्लिम ब्रदरहुड ने ही 1980 के दशक के अंत में हमास को बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। खालेद मशाल ने हमास के साथ जुड़कर कई वर्षों तक हमास के लिए विदेशों से फंडिंग जुटाई। साल 1997 में खालेद मशाल पहली बार चर्चा में उस वक्त आया था, जब इज़राइल ने जॉर्डन की राजधानी अम्मान में मशाल को जहर देकर मारने की कोशिश की थी। हालांकि, इस हमले में मशाल बच गया। 68 वर्षीय मशाल निर्वासन में हमास की राजनीतिक शाखा का नेतृत्व कर चुका है। मोसाद की स्थापना इज़राइल में 13 दिसंबर, 1949 में की गई थी। इज़राइल सरकार ने मोसाद का गठन आतंकवाद से लड़ने के लिए किया था। बाद में 1951 में मोसाद को इज़राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन कर दिया गया। इसकी रिपोर्टिंग भी प्रधानमंत्री को ही होती है। आज के दौर में मोसाद के पास टॉप क्लास सीक्रेट एजेंट, हाईटेक इंटेलिजेंस टीम, शार्प शूटर और कातिल हसीनाओं समेत कई तरह के जासूस और गुप्त योद्धाओं की फौज है। मोसाद के एजेंट्स इतनी सफाई से काम को अंजाम देते हैं कि कोई सबूत भी नहीं बचता। मोसाद उन देशों के साथ गुप्त संबंध स्थापित करने में भी शामिल है जो खुले तौर पर साथ इज़राइल का साथ देने से बचते हैं।

मोसाद के बड़े...

यह ऑपरेशन करीब 20 साल तक चला और मोसाद ने सभी आतंकियों से चुन-चुनकर बदला लिया।1976 का ऑपरेशन थंडरबोल्ट : अरब के आतंकियों द्वारा हाइजैक फ्रांसीसी विमान को मोसाद अपने 94 नागरिकों के साथ युगांडा से मुक्त कराकर लाई थी। यह ऑपरेशन काफी चर्चित रहा था। 2020 ईरानी परमाणु वैज्ञानिक का खात्मा : नवंबर 2020 में ईरान के सैन्य परमाणु कार्यक्रम शीर्ष वैज्ञानिक ब्रिगेडियर जनरल मोहसिन फखरीजादेह की हत्या कर दी गई है। हालांकि, मोसाद ने तब इसकी जिम्मेदारी खुले तौर पर नहीं ली, लेकिन जून 2021 में मोसाद के मुखिया ने इसे लेकर अहम खुलासे किए थे।इसी तरह मोसाद ने अमेरिका के लिए ईरान में घुस कर अलकायदा के नंबर दो आतंकी अल मसरी को मार गिराया। फिर ईरान में घुस कर आतंकी अबु मोहम्मद का भी खात्मा किया था।फलस्तीनी नेता यासिर अराफात के राइट हैंड खलील अल वजीर उर्फ अबू जिहाद को ट्यूनिशिया में टूरिस्ट बनकर गए मोसाद के एजेंट ने परिवार के सामने ही 70 गोलियां मारी थीं।अपने ही देश के परमाणु कार्यक्रम की जानकारी लीक करने वाले बागी वैज्ञानिक वनुनु को पकड़ने के लिए मोसाद ने अपनी कातिल जांबाज हसीनाओं का इस्तेमाल किया और उसे प्रेम जाल में फंसाकर वापस इज़राइल ले आई।

एयर इंडिया ने...

ऐसे हालात को देखते हुए भारतीय एयरलाइंस कंपनी एयर इंडिया ने भारत और इज़राइल की राजधानी तेल अवीव के बीच संचालित होने वाली उड़ान सेवाओं को रोकने का फैसला किया है।

एयर इंडिया ने एक बयान जारी कर बताया कि पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए हमने तेल अवीव के लिए प्रस्तावित संचालन को तुरंत प्रभाव से रोकने का फैसला किया है। तेल अवीव से यहां आने वाली और यहां से तेल अवीव जाने वाली विमानन सेवाएं फिलहाल 8 अगस्त 2024 तक रोकी गई हैं। हम लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि इस अवधि के दौरान जिन यात्रियों ने अपने टिकट बुक किए हुए हैं, उन्हें दोबारा टिकट बुक कराने पर एक बार छूट और कैंसिलेशन चार्ज से राहत दी जाएगी।इज़राइल हमास युद्ध की वजह से पहले से ही पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है, लेकिन अब ताजा घटनाक्रम से तनाव चरम पर पहुंच गया है और आशंका जताई जा रही है कि इज़राइल हमास युद्ध अब पूरे पश्चिम एशिया में फैल सकता है। अमेरिका ने भी ऐलान किया है कि अगर ईरान ने इज़राइल पर हमला किया तो वह इज़राइल की रक्षा के लिए हरसंभव मदद देगा। यही वजह है कि एयर इंडिया ने फिलहाल एहतियातन तेल अवीव के लिए उड़ान सेवाएं रोकने का फैसला किया है।

फुआद शुकर ...

रॉकेट हमलों में किसी तरह के नुकसान या किसी नागरिक के घायल होने की खबर नहीं है। वहीं, इज़राइल ने भी जवाबी कार्रवाई में दक्षिणी लेबनान के येटर में हिजबुल्ला के रॉकेट लॉन्चर पर हमला किया।इज़राइल के गोलान हाइट्स में फुटबॉल मैदान पर हिजबुल्ला द्वारा किए गए हमले में 12 बच्चों की मौत हो गई थी। जिसके बाद इज़राइल ने हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडर फुआद को बेरूत में मार गिराया। फुआद के मारे जाने के बाद हिजबुल्ला और इज़राइल के बीच तनाव बढ़ गया है। फुआद की मौत के 48 घंटे बाद हिजबुल्ला ने इज़राइल के पश्चिमी गैलिली पर रॉकेट हमले किए और इसकी जिम्मेदारी भी ली है।

हिजबुल्ला ने दावा किया है कि उसने पहले लेबनान के चामा गांव में इज़राइली हमले के जवाब में मेत्जुबा के उत्तरी सीमा समुदाय पर दर्जनों रॉकेट दागे हैं। चामा में कथित तौर पर चार सीरियाई मारे गए और कई लेबनानी नागरिक घायल हो गए।

इज़राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के अनुसार, जवाब में इज़राइली बलों ने लेबनान के येटर में हिजबुल्ला के रॉकेट लॉन्चर पर हमला किया, जिसका इस्तेमाल पश्चिमी गैलिली पर बमबारी के लिए किया जा रहा था। आईडीएफ ने कहा, आज शाम हमले में दागे गए कई रॉकेटों को हवाई सुरक्षा द्वारा रोक दिया गया, जबकि अन्य खुले क्षेत्र में जा गिरे। आईडीएफ ने कहा, पश्चिमी गैलिली क्षेत्र में सक्रिय किए गए अलर्ट के बाद, लेबनान से आए कई रॉकेटों का पता चलने के बाद कुछ को हवा में ही नेस्तनाबूद कर दिया। वहीं, कुछ खुले क्षेत्रों में गिरे, हालांकि इनसे कोई हताहत नहीं हुआ। आईडीएफ ने यह भी घोषणा की कि 13 जुलाई को दक्षिणी गाजा पट्टी में हवाई हमले में हमास के सैन्य विंग कमांडर मोहम्मद डेफ की मौत हो गई। तेहरान में हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या के एक दिन बाद इज़राइल ने डाइफ की मौत के बारे में पुष्टि की है।

श्रावणी अमावस्या कल

इस दिन पितरों की शांति के लिए क्या करना चाहिए

अमावस्या तिथि पितरों को समर्पित है । साल में 12 अमावस्या आती है जिसमें सावन अमावस्या का विशेष महत्व शास्त्रों में बताया गया है। इस तिथि पर हरिद्वार, नासिक, गया, उज्जैन जैसे पौराणिक महत्व वाले तीर्थों की नदियों में स्नान औप दान करना चाहिए।

मान्यता है इससे जन्मों-जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं, सुख-सौभाग्य में वृद्धि होती है। पूर्वजों के अलावा देवता, ऋषियों का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है। सावन अमावस्या 2024 की डेट, पूजा, स्नान-दान मुहूर्त यहां जान लें।

सावन अमावस्या 4 अगस्त 2024 को मनाई जाएगी। इसे हरियाली अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। इस अमावस्या पर पितरों के लिए धूप-ध्यान, तर्पण, पिंडदान और दान-पुण्य के अलावा पौधारोपण भी करना चाहिए, इससे जीवन में खुशहाली आती है।

सावन अमावस्या 2024 मुहूर्त

सावन अमावस्या तिथि 3 अगस्त 2024, दोपहर 03.50 पर शुरू होगी और 4 अगस्त 2024 को शाम 04.42 पर इसकी समाप्त होगी।

स्नान-दान मुहूर्त - सुबह 04.20 - सुबह 05.20

अभिजित मुहूर्त - दोपहर 12.00 - दोपहर 12.54

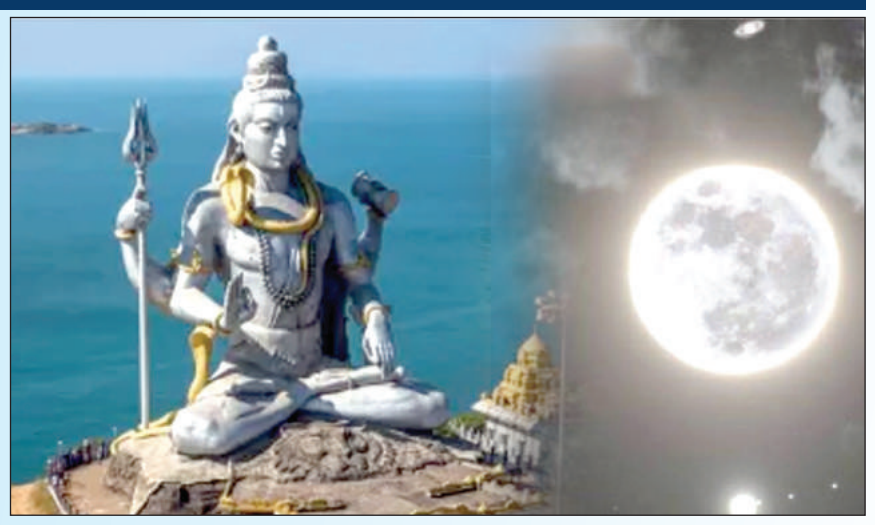

अमृत काल मुहूर्त - सुबह 06,39 - सुबह 08.21

सावन अमावस्या पर करें ये शुभ काम

लगाएं ये पौधे - ज्योतिषाचार्य के अनुसार सावन अमावस्या पर घर में बेलपत्र, तुलसी, आंवला का पौधा लगाएं, इसके अलावा मंदिर में या किसी पार्क में शमी, पीपल, नीम, बरगद, आम जैसे छायादार वृक्ष के पौधे लगाएं और उनकी देखभाल का संकल्प लें. इससे ग्रह दोष दूर होते हैं। पितरों को शांति मिलती है।

मां लक्ष्मी को करें प्रसन्न - सावन अमावस्या के दिन घी के दीपक में केसर और लौंग के 2 दाने डालकर जलाने से माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने और आर्थिक तंगी दूर करने में मदद मिलती है। इस तुलसी में घी का दीपक लगाकर विष्णु जी के मंत्रों का जाप करें।

शिव का मिलेगा आशीर्वाद

सावन अमावस्या पर संहार के देवता शिव का रुद्राभिषेक करें। बिल्व पत्र, हार-फूल, आंकड़े के फूल, धतूरा से उनका श्रृंगार करें। ज्योतिषाचार्य रुचि शर्मा के अनुसार इस उपाय से मोक्ष का रास्ता आसान हो जाता है।

भारत में इस जगह है दुनिया का सबसे भारी शिवलिंग

वजन जानकर हैरान रह जाएंगे!

भगवान शिव का प्रिय महीना सावन शुरू हो चुका है। देश में जहां आपको कई तरह के शिव मंदिर देखने को मिलेंगे। वहीं भारत में एक ऐसा शिव मंदिर है जो न सिर्फ भारत में बल्कि विश्व में फेमस है। यह शिव मंदिर गुजरात के सूरत में स्थित है। पाल अटल आश्रम में पारदेश्वर महादेव की मान्यता सूरत के शिव भक्तों के बीच काफी प्रसिद्ध है। इस मंदिर की खासियत यह है कि यह शिवलिंग पूरी तरह से पारे से बना है। इस मंदिर में बने शिवलिंग का वजन 2,351 किलो है जो पूरी तरह से पारा से बना हुआ है। शिव भक्तों का ये कहना है कि यहां मांगी गई हर मुराद पूरी होती है।

शिवलिंग आकर्षण का केंद्र

यह शिवलिंग शिव भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा है। खासकर सावन में लोग दूर-दूर से इस शिवलिंग का दर्शन करने आते हैं। पारे से बने इस शिवलिंग की वजह से ही मंदिर का नाम पारदेश्वर महादेव मंदिर रखा गया है। शास्त्रों में ऐसा बताया गया है कि इस शिविलंग की पूजा करने से रोग और परेशानियां से छुटकारा मिल जाताहै।

पारदेश्वर मंदिर का इतिहास

जानकारी के मुताबिक, इस मंदिर की स्थापना वर्ष 1977 में की गई थी। हालांकि उस वक्त शिवलिंग का वजन करीब 51 घन्न का था। मोटा पारदेश्वर शिवलिंग की स्थापना वर्ष 2004 में हुई थी। इस शिवलिंग में 12 पारद ज्योतिर्लिंग बेहद खास हैं।

सबसे भारी शिवलिंग

पारदेश्वर शिवलिंग दुनिया का इकलौता ऐसा शिवलिंग है जिसका वजन 2351 घन्न है। यही कारण है कि यह सिर्फ देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी फेमस है। 1751 किलो के पारे के शिवलिंग में 600 किलो पारे के नीचे पीतल का हिस्सा है। जानकारी के मुताबिक, सौराष्ट्र के समर्थ महंत गुरु महादेवगिरि बापू की प्रेरणा और बटुकगिरि स्वामी के प्रयासों से यहां पारे का शिवलिंग स्थापित किया गया है।

शांति के लिए रामबाण है गणपति अथर्वशीर्ष

मन बड़ा प्रबल है, चंद्रमा मन का कारक है। मन का धर्म संकल्प-विकल्प है। मन ही सारे संसार चक्र को चला रहा है। मूलाधार चक्र में सिद्धि-बुद्धि सहित श्रीगणेश विराजमान हैं। श्रीगणपति अथर्वशीर्ष मनमस्तिष्क को शांत रखने की एकमात्र विद्या है।' जिसके सहारे दु:खों की निवृत्ति शीघ्र संभव है, मन का समाहित हो जाना ही परम योग है।

ऊं स्वरूप श्रीगणेश आनंदमय, ब्रह्म तथा सच्चिदानंद स्वरूप है। सत्-चित् और आनंद त्रिगुणों से युक्त गणपति सत्ता, ज्ञान और सुख के रक्षक हैं। 'अ कार' गणेशजी के चरण हैं। 'उ कार' विशाल उदर और 'म कार' मस्तक का महामंडल है, परब्रह्म' परमात्मा श्रीगणेश निर्माण, निराकार और विश्व व्यापी हैं। गणेश शब्द में 'ग कार' जगद्रूप है तथा 'णकार' ब्रह्मवाचक। इस प्रकार सर्वव्यापक श्रीगणेश परब्रह्म हैं। ऊंकार यह एकाक्षर स्वरूप भूत, भविष्य तथा वर्तमान सभी ऊंकार स्वरूप है। इस प्रकार गणपति अथर्वशीर्ष में ऊंकार और गणपति दोनों एक ही तत्व है, यह बतलाया गया है। सफलता हेतु कार्यारंभ के पूर्व मात्र श्रीगणेश का स्मरण सभी बाधाओं को दूर करता है। इनकी कृपा के बिना कुछ भी संभव नहीं है। श्री गणेश कष्टों को निवारण कर बिना भेदभाव के सभी का मंगल करते हैं। श्री गणेश कृपा प्राप्ति हेतु श्री गणपति अथर्वशीर्ष प्रमुख सोपान है, क्योंकि यह उपनिषदों का सार है, इसके पठन एवं श्रवण से सब कुछ प्राप्त किया जा सकता है। यह मन-मस्तिष्क को शांत रखने की एकमात्र विद्या है। जीवन के कुछ संकट, विघ्न शोक एवं मोह का नाश कर अथर्वशीर्ष पारमार्थिक सुख भी प्रदान करता है। अथर्वशीर्ष शब्द में अ+थर्व+शीर्ष इन शब्दों का समावेश है। अ अर्थात् अभाव, 'थर्व' अर्थात् चंचल एवं 'शीर्ष'अर्थात् मस्तिष्क, चंचलता रहित मस्तिष्क, इसका अर्थ हुआ शांत मस्तिष्क। मस्तिष्क को शांत रखने की विद्या स्वयं गणेशजी ने ही अथर्वशीर्ष में बताई है। इसके नित्य एक, पांच अथवा ग्यारह पाठ प्रतिदिन करने का शास्त्रीय विधान है।

अथर्वशीर्ष में मात्र दस ऋचाएं हैं। इसमें प्रमुख

रूप से बताया गया है कि शरीर के मूलाधार चक्र में स्वयं गणेशजी का निवास है। मूलाधार चक्र शरीर में गुदा के पास है। मूलाधार चक्र आत्मा का भी स्थान है। जो ऊंकार मय है। यहां प्रणव अर्थात् ऊंकार स्वरूप गणेशजी विराजमान है। मूलाधार चक्र में ध्यान की स्थिति सर्वसामान्य होती है, जिससे मन मस्तिष्क शांत रहता है। कलियुग के व्यस्त एवं भौतिक जीवन में शीघ्र सफलता एवं विघ्नों का नाश करने वाले श्रीगणेश सर्वाधिक पूजनीय देवता हैं। प्रत्येक मंगल एवं महत्वपूर्ण कार्यों का शुभारंभ इनकी पूजा-अर्चना से होता है। वेदों में गणपति का नाम 'ब्रह्मणस्पति', पुराणों में 'श्रीगणेश' तथा उपनिषद ग्रंथों में साक्षात् 'ब्रह्म' बतलाया है। अथर्वशीर्ष का सार है 'ऊं गं गणपतये नम:।अथर्वशीर्ष के पाठ के बारे में बताया गया है कि इसका जो नित्य पठन करता है वह ब्रह्मीभूत होता है तथा सर्वतोभावेन सुखी भी। वह किसी प्रकार से विघ्नों से बाधित नहीं होता तथा महापातकों से मुक्त हो जाता है क्योंकि यह मन को शांत करने की एकमात्र विद्या है।

-आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'
विनायक फीचर्स

क्या आपने भी पूजा घर में रखा है भगवान शिव का प्रिय वाद्य यंत्र डमरू

इसे रखना शुभ या अशुभ, जानें

हम जब भी देवों के देव महादेव की आराधना करते हैं। उन्हें याद करते हैं तो उनकी अलौकिक छवि हमारे समक्ष उभरने लगती है। उनका स्वरूप हमें दिखाई देता है, जिसमें उनकी जटाओं में गंगा, मस्तक पर चंद्रमा, गले में सर्प और एक हाथ में त्रिशूल तो दूसरे में डमरू नजर आता है। ऐसा कहा जाता है कि डमरू भगवान शिव का प्रिय वाद्य यंत्र है और इसी के साथ वे प्रकट हुए थे। वहीं जब घरों में हम भोलेनाथ की पूजा करते हैं तो वहां भी त्रिशूल और डमरू जैसी चीजों को रखते हैं, लेकिन क्या घर में इन चीजों को रखा जा सकता है? खासतौर पर यहां हम बात कर रहे हैं डमरू की क्योंकि इसको लेकर कई लोगों के मन में प्रश्न उठता है। आइए जानते हैं।

ये कथा है प्रचलित

पौराणिक कथा के अनुसार, जब भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की तो उस समय संसार बहुत ही शांत होने के साथ वीरान था। वहीं माता सरस्वती के प्रकट होने के साथ ही सृष्टि में ध्वनि का संचार हुआ। हालांकि देवी का जो वीणा था, वह संगीत रहित था। जिसके बाद भगवान शिव ने नृत्य करते हुए 14 बार डमरू घुमाया और नृत्य किया, जिससे संगीत की उत्पत्ति हुई।

डमरू रखने के लाभ

- यदि आप घर में डमरू रखते हैं तो उसे हर रोज घंटी की तरह बजाएं, इससे आपके घर में सकारात्मकता आती है।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार, डमरू वास्तु दोष निवारक भी है यानी कि आप इसे घर में रखते हैं तो यह वास्तु दोष को दूर करता है।
- डमरू घर में रखने से सुख-शांति और समृद्धि आती है। डमरू को बजाने से आपके घर में कभी भी अमंगल नहीं होता।
- जैसे शंख की ध्वनि से नई ऊर्जा का अहसास होता है, वैसे ही डमरू से निकलने वाली ध्वनि तरंगे शरीर के विभिन्न हिस्सों पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं।
- डमरू भगवान शिव का प्रिय वाद्य यंत्र है, ऐसे में जब आप इसे अपने घर में रखते हैं तो भोलेनाथ की कृपा भी मिलती है।

नव विवाहिताओं के सुख-सौभाग्य का पर्व मधु श्रावणी व्रत

मधुश्रावणी पर्व सावन मास के कृष्ण पक्ष को बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। ये पूजा 15 दिनों की होती है जिसमें सभी कुछ ससुराल पक्ष से आता है, चाहे वो भोजन हो, पूजा की सामग्री हो या पीने का पानी हो। नमक से लेकर हल्दी तक ससुराल से आता है और उसी का उपयोग नवविवाहिता 15 दिनों तक करती हैं। आसान भाषा में कहे तो रहना मायके में है और 15 दिन नमक से लेकर हींग तक ससुराल का ही खाना होता है।

यह देवता अनुकूल सृष्टि कारण के लिए नवविवाहिता वर-वधु पूजा करते हैं जिसमें गौरी, नाग देवता, कुस्मावती, चनाई, साठी, और लीली की पूजा होती है। जिसमें पूजा के बाद अंत में महिला लीली से सुहाग मांगती है।

यह नियम है कि आप ससुराल में पूजा करें या मायके में वैसे तो सभी अधिकतर लोग मायके में पूजा करते हैं। लेकिन यह नियम है कि 15 दिनों तक ससुराल का ही खाना खाया जाता है, वस्त्र के साथ ससुराल का ही सब कुछ उपयोग किया जाता है। वैसे तो पानी भी ससुराल का ही पीना चाहिए लेकिन आज के समय में पानी तो आप 15 दिन तक नहीं पी सकते तो ऐसे में माईके का पी लेते हैं। इसके अलावा ऐसा भी माना जाता है कि अगर किसी को ससुराल से कुछ नहीं आता है तो ससुराल वाले पैसे भेजते हैं और उस पैसे से सामान खरीदकर और उपयोग किया जाता है।

ऐसे किया जाता है व्रत

बता दें कि इन 15 दिनों के दौरान वह झाड़ू नहीं छू सकती है। भोजन में करेला या साग का इस्तेमाल नहीं करती है। तामसिक भोजन लहसुन, प्याज का इस्तेमाल नहीं करते। शुद्ध और शाकाहारी भोजन करती है। साथ ही सूर्य ढलने से पहले 15 दिनों तक भोजन करना होता है। अगर किसी को बीमारी है कुछ समस्या है तो रात को सूर्य ढलने के बाद फल खा सकती है लेकिन भोजन ग्रहण नहीं कर सकती है। यह व्रत साक्षात मां पार्वती ने किया है। जो कि मनाईन की बेटी और हिमालय के पुत्री हैं।

महिला पुजारी ही कराती हैं पूजा, पुरुष नहीं बोलते इसके दोहे

सावन मास और मधु श्रावणी पर्व, इसका बिहार में खास महत्व है। इसमें मिथिलांचल में ये पर्व जोर शोर से मनाया जाता है। इसका विधि-विधान और पूजन 15 दिन चलता है। ये पूजन नव विवाहिताओं के लिए है। इसमें नव विवाहिता से पूजन की सारी विधि-विधान महिला पुरोहित ही करवाती हैं।

मधुश्रावणी पंचमी मिथिलांचल का एक पर्व है जो खासतौर से सिर्फ और सिर्फ मिथिलांचल में ही मनाया जाता है। इसमें पूरे 15 दिन की पूजा होती है। इसमें नव विवाहिता अपनी-अपने पति और घर परिवार की सुख शांति के लिए 15 दिन मधुश्रावणी - पंचमी की पूजा करती है। ये पूजा थोड़ी लंबी और इसके बहुत सारे विधि विधान हैं। बहुत अलग-अलग तरीके से पूजा की जाती है। पंडित वीणा मिश्रा के मुताबिक इस पर्व को तीन जाति के लोग ही करते हैं। एक मैथिल ब्राह्मण, दूसरा सोनार और तीसरी कायस्थ। इन तीनों जाति के लोग मिथिलांचल में मधुश्रावणी की पूजा करते हैं।

मधुश्रावणी की पूजा सुहाग, लंबी उम्र की कामना के लिए की जाती है। इसलिए ये पूजा महिला पंडित ही करवाती हैं। क्योंकि एक महिला ही दूसरी महिला के आचार, विचार, स्वभाव को समझ सकती है। एक और मान्यता यह है कि मधुश्रावणी की पूजा और उसके बाद कथा में कुछ ऐसे दोहे (फकरा मैथिली में) हैं जिसे एक पुरुष महिलाओं की टोली में नहीं बोल सकते या बोलने में असहज महसूस करेंगे। इस वजह से भी यह पूजा महिलाएं ही करवाती हैं।

दोहा महिला ही कहती है

मधुश्रावणी की पूजा अनंतकाल से चली आ रही है। पूर्वजों के विधि विधान के साथ छेड़छाड़ करने का साहस कोई नहीं करता। विश्व के किसी भी कोने में मैथिल नव विवाहिता होगी वो इस पूजन को जरूर करेगी। जहां महिला पंडित नहीं होती है वहां पुरुष पूजा कराते हैं लेकिन कथा का दोहा (फकरा) किसी ही महिला लड़की (नानी/दादी) ही कहती हैं।

घर में पाले जानें वाले ये 3 जीव तरक्की के भी खोलते हैं द्वार

सिर्फ खुशियां ही नहीं घर में सकारात्मकता भी लाते हैं

कई लोग अपने घरों में विभिन्न प्रकार के जीव जंतु पालते हैं। किसी को डॉग पालना पसंद होता है तो किसी को बिल्ली, किसी को तोता तो किसी को चूहे और गाय। वहीं पाले गए जानवर से रिश्ता भी इतना गहरा हो जाता है कि इसे आप अपने घर का सदस्य मानने लगते हैं। इनकी देखभाल भी आप खूब करते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसे जीवों का जिक्र है जिन्हें पालने से आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा और इसके साथ ही ये जानवर आपके घर में सुख-समृद्धि लेकर आएंगे। आइए जानते हैं

मछली

आपने मछली पालने से होने वाले फायदों के बारे में खूब सुना होगा और कई घरों में देखा भी होगा। वहीं वास्तु शास्त्र में भी मछली पालने को काफी शुभ माना गया है। ऐसा माना गया है कि, मछली पालने से घर में आर्थिक तंगी से राहत मिलती है और हमेशा बरकत रहती है।

तोता

आपने कई सारे घरों में तोता देखा होगा। वास्तु अनुसार के अनुसार, तोता आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह करता है। ऐसे में घरों में खुशहाली बनी रहती है। लेकिन, ध्यान रखें कि आप तोता को पालते हैं तो उसका पूरा ख्याल रखें और वह हमेशा खुश रहे।

खरगोश

यह छोटा सा जीव काफी कोमल होता है और देखने में काफी प्यारा लगता है। इसे पालना बहुत ही शुभ माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि, खरगोश के घर में आने से शुभता आती है। इससे आपके घर का महौल तो अच्छा रहता ही है। साथ ही धन प्राप्ति का संकेत भी यह देता है।

जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा का ट्रेलर रिलीज सामने आया अभिनेता का धांसू अवतार

जॉन अब्राहम बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में शुमार हैं, जिनका नाम भले ही इंडस्ट्री के बड़े सितारों में शुमार नहीं हुआ, लेकिन वह अपने दम पर दर्शकों के बीच अपनी एक अलग पहचान बनाने में कामयाब रहे।पिछली बार शाहरुख खान के साथ फिल्म पठान में दिखे जॉन की अगली फिल्म वेदा का उनके प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार है, जिससे जुड़ीं तमाम रोचक जानकारियां सामने आ चुकी हैं।अब इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

एक्शन के मामले में जॉन का कोई जवाब नहीं और वेदा के जरिए फिर उन्होंने यह साबित कर दिया है।जॉन के साथ-साथ ट्रेलर में अभिनेत्री शरवरी वाघ का भी एक्शन अवतार देखने लायक है, जो अपने हक की लड़ाई लडऩे के लिए जद्दोजहद करती दिख रही हैं।उधर मौनी रॉय और अभिषेक बनर्जी की झलक भी ट्रेलर में दिखाई गई है, वहीं जॉन के साथ तमन्ना भाटिया की जोड़ी भी फिल्म में जंच रही है।

वेदा 15 अगस्त को सिनेमाघरों का रुख करेगी। हालांकि, इस दिन यह अकेले सिनेमाघरों में दस्तक नहीं दे रही है। फिल्म स्त्री का दूसरा भाग स्त्री 2 भी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगा। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव जैसे कलाकार भूमिका में नजर आएंगे।दूसरी ओर एक्शन थ्रिलर पैन इंडिया फिल्म डबल इस्मार्ट भी काफी चर्चा में है। यह भी 15 अगस्त को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाएगी। संजय दत्त भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

ट्रेलर देख एक यूजर ने लिखा, चाहे कुछ भी कहो, लेकिन जॉन अपनी हर फिल्म में कुछ अलग ट्राय करते हैं।एक ने लिखा, जॉन आ रहे हैं, वो भी स्वतंत्रता दिवस पर मतलब एक सुपरहिट फिल्म मिलने वाली है।एक ने लिखा, जॉन के साथ शरवरी का भी एक जुदा अवतार देखने को मिल रहा है।एक लिखते हैं, वाह! जबरदस्त, जोरदार और शानदार।कुछ ने तो जॉन की परफॉर्मेंस के लिए पुरस्कार तक की मांग कर दी है।

बता दें वेदा के प्रोडक्शन का काम भी जॉन ने ही संभाला है।जल्द ही उन्हें फिल्म द डिप्लोमेट में भी देखा जाएगा। इसका निर्देशन शिवम नायर ने किया है, जो नाम शबाना और मुखबिर जैसी फिल्में और वेब सीरीज बना चुके हैं।इसके अलावा उनकी फिल्म तेहरान आने वाली है, जिसमें उनके साथ मानुषी छिल्लर नजर आएंगी। उनकी फिल्म तारीख भी कतार में है।इन सभी फिल्मों से जॉन बतौर निर्माता भी जुड़े हुए हैं।

एक्शन ड्रामा फिल्म उत्तराखंड से शिव राजकुमार का फर्स्ट लुक आया सामने

टीम उत्तराखंड ने करुणादा चक्रवर्ती डॉ. शिवराजकुमार के जन्मदिन के अवसर पर उनके बहुप्रतीक्षित लुक का खुलासा किया है। मालिका की भूमिका में शिवन्ना के लुक ने उत्साह को जगा दिया है। टीम उत्तराखंड ने पात्रों और उनके पोस्टरों को पेश करने के लिए एक अनोखे तरीके का इस्तेमाल किया है, और अब शिवन्ना के लुक को सामने लाकर वे चर्चा का विषय बन गए हैं। डॉ. शिवराजकुमार एक बड़े स्टार हीरो हैं और अपने नए अवतारों से अपने प्रशंसकों का मनोरंजन करने में कभी असफल नहीं हुए हैं। उनकी हर फिल्म में उनका एक अलग रूप देखने को मिलता है और उत्तराखंड में मालिका भी कुछ ऐसी ही है। खून से सना चेहरा और शरीर शिवन्ना की एक बहुत ही उग्र छवि को दर्शाता है, और इसने उत्सुकता को बढ़ा दिया है।रोहित पादकी द्वारा निर्देशित और केआरजी स्टूडियो के बैनर तले कार्तिक गौड़ा और योगी जी राज द्वारा निर्मित सैंडलवुड की सबसे प्रतीक्षित फिल्म उत्तरकांड प्रसिद्ध भारतीय गायक, संगीतकार अमित त्रिवेदी ने फिल्म के लिए संगीत तैयार किया है।अद्वैत गुरुमूर्ति फोटोग्राफी के निर्देशक हैं, विश्वास कश्यप कला निर्देशक हैं और अनिल अनिरुद्ध संपादक हैं। उत्तरकांड एक एक्शन ड्रामा है जिसमें करुणादा चक्रवर्ती डॉ.शिवराजकुमार, नटराक्षस दाली धनंजय, भावना मेनन, ऐश्वर्या राजेश, दिगंत मनचले और अन्य कलाकार हैं।

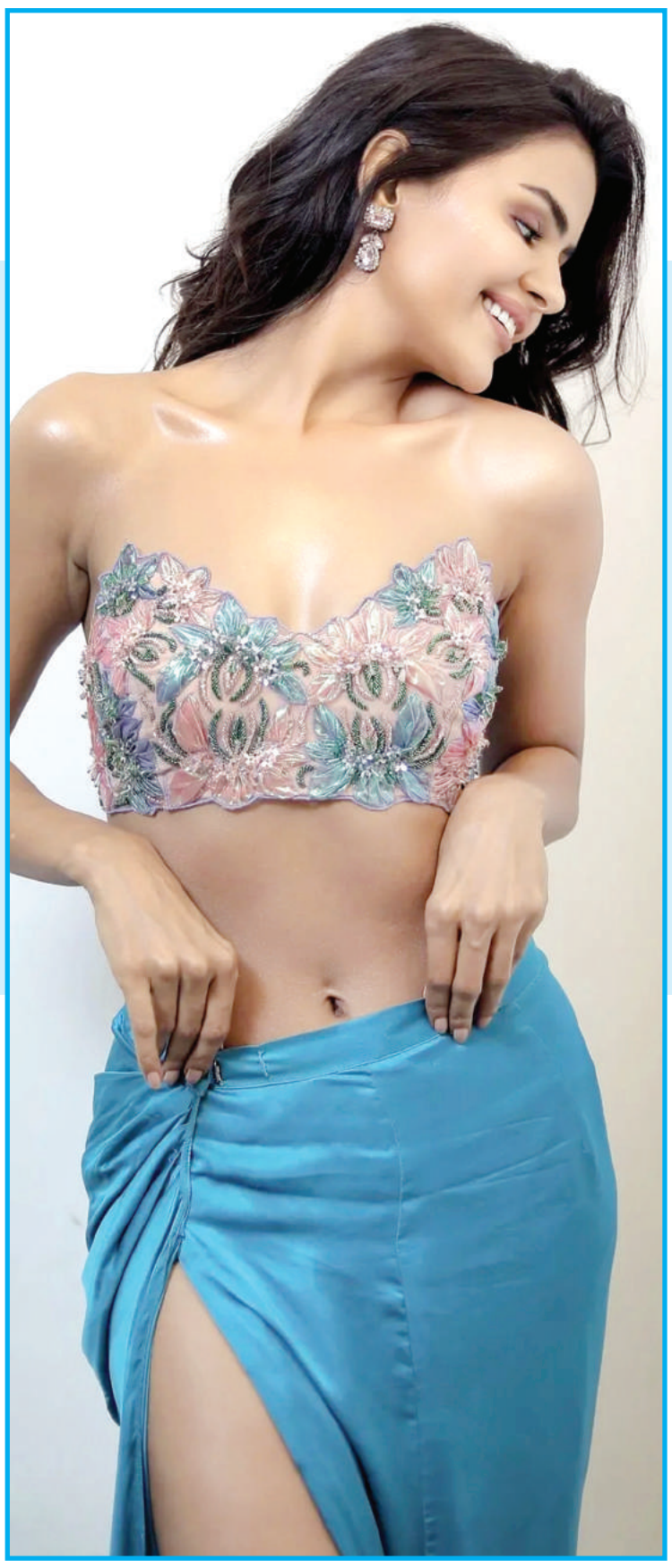

प्रियंका चाहर चौधरी ने फ्लोरल क्रॉप टॉप पहन बिखेरा जलवा

बिग बॉस फेम प्रियंका चाहर चौधरी फैंस के दिलों को बेताब किए रहती हैं। उनकी स्टाइलिश तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। सीरियल उड़ारियां में एक्टिंग का जलवा बिखेरने वाली प्रियंका चौधरी फैशन सेंस से सुर्खियों पर छाई रहती हैं।एक्ट्रेस व बिग बॉस का हिस्सा रह चुकीं प्रियंका चहर चौधरी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। साथ ही उनके फैंस भी उन्हें दिलो जान से चाहते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देखने के बाद आपकी आंखें ठहर जाएंगी। प्रियंका ने फ्लोरल क्रॉप टॉप पहना है, लाइट मेकअप के साथ एक्ट्रेस ने हेयर ओपन रखे हैं और सेक्सी पोज दे रही हैं। एक्ट्रेस की हॉट तस्वीरें देख यूजर्स बावले हो उठे हैं और कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी व रेड हार्ट इमोजी की बारिश करने में जुट गए हैं।प्रियंका चाहर बिग बॉस से पहले ये है चाहतें, गठबंधन और सावधान इंडिया जैसे सीरियल्स में काम कर चुकी हैं। प्रियंका अपनी खूबसूरती और बोल्डनेस से अच्छे अच्छे के अरमानों को डोलाने का हुनर जानती हैं। प्रियंका का असली नाम परी चौधरी बताया जाता है, लेकिन कहा जाता है कि न्यूमरोलॉजिस्ट के कहने पर उन्होंने अपना नाम प्रियंका कर लिया।उल्लू के वेब सीरीज 3जी गाली गलोच गर्ल्स में भी एक्ट्रेस को देखा गया, जिसमें वो लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आई।

जरीन खान नहीं करेंगी शादी

बोलीं- खाने की तरह इंसान को भी स्वाइप कर रहे लोग

अभिनेत्री जरीन खान भले ही फिल्मों में अपनी पहचान बनाने में नाकाम रही हों, लेकिन उनकी फैन फॉलोइंग अच्छी-खासी है और सोशल मीडिया पर वह अपने प्रशंसकों से जुड़ी रहती हैं।जरीन की खूबसूरती पर उनके प्रशंसक जान छिड़कते हैं। कुछ समय पहले उनका अभिनेता देवाशीष मिश्रा से नाम जुड़ा था। हालांकि, फिर उनकी राहें जुदा हो गईं।हाल ही में जरीन ने बताया कि वह शादी नहीं करना चाहतीं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई।भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया से अपनी शादी की योजना पर जरीन बोलीं, मुझे नहीं करनी कोई शादी। मेरी जिंदगी की यही सच्चाई है कि मैं कभी शादी नहीं करना चाहती। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप इसे क्या कहते हैं। आजकल चीजें जिस तरह से हैं, शादी हुई और 3 महीने में छोड़ दिया। जिस तरह से लोग फोन पर खाना स्वाइप करके घर मंगा रहे हैं, उसी तरह से इंसान भी स्वाइप करके घर आ रहे हैं।इसके अलावा भारती ने उनसे पूछा कि क्या उनके माता-पिता की तरफ से उन पर शादी का दबाव है तो वह बोलीं, कोई दबाव नहीं है घरवालों का। दबाव तभी आता है जब मेरी मां शादी देखती है और कहती है, तुम भी कर लो शादी अब। वह कहती हैं घर पर लोग आते हैं। नाचते-गाते हैं, अच्छा लगता है।अभिनेत्री बोलीं, मैं मां से कहती हूं कि ऐसे ही बुलाकर नचवा लो। मैं खुश अच्छी नहीं लग रही आपको?जरीन बोली, बहुत अजीब जमाना चल रहा है। मुझे मेरे नाना-नानी, दादा-दादी की जो लव स्टोरी थी, वो चाहिए। वो मरते दम तक एक-दूसरे के साथ थे, ऐसा कोई शख्स मिलना आज के जमाने में मुश्किल है। मेरी रिश्तेदारी में रिश्ते मेरे पास आते होंगे तो पता नहीं, मेरे सामने तो अभी तक ऐसा कोई नहीं आया।जरीन ने इससे पहले एक इंटरव्यू में बताया था कि वह जिंदगीभर साथ रहने वाले रिश्ते पर भरोसा करती हैं।

जरीन ने अपने हालिया इंटरव्यू में सलमान खान के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, सलमान से हमेशा ही मुझे वो डर रहता है। डर से ज्यादा, डराना, लेकिन वह बेहद भले इंसान हैं और नेक दिलवाले हैं।जरीन, सलमान की फिल्म वीर से बॉलीवुड में आई थीं। वह हाउसफुल 2 और हेट स्टोरी 3 जैसी कई फिल्मों में दिखीं, लेकिन उन्हें खास सफलता नहीं मिली।उनकी आखिरी फिल्म 2021 में आई हम भी अकेले तुम भी अकेले थी।

एक्शन सीरीज रक्त ब्रह्माण्ड का दिलचस्प पोस्टर के साथ ऐलान

फिल्म मेकर्स राज एंड डीके ने एक और नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट शुरू किया है, जिसका नाम रक्त ब्रह्माण्ड है। जिसकी अनाउंसमेंट नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर की। फिल्म की कास्ट जल्द अनाउंस होगी लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें अली फजल और सामंथा रूथ प्रभु नजर आ सकते हैं हालांकि अभी ऑफिशियल अनाउंसमेंट बाकी है। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने एक दिलचस्प पोस्टर के साथ इसकी घोषणा की। इस शो का निर्देशन तुम्बाड फेम राही अनिल बर्वे करेंगे।राज और डीके की नई नेटफ्लिक्स सीरीज के अनाउंसमेंट पोस्टर में एक मुकुट की तस्वीर है, जिसके हर

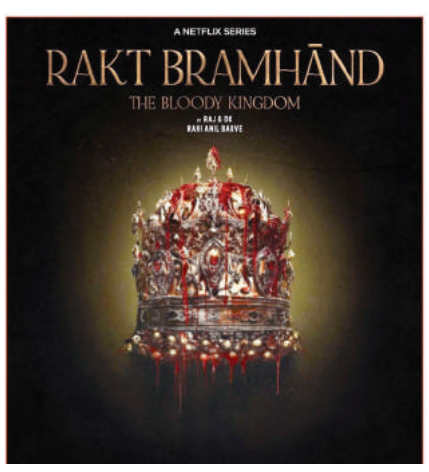

कोने से खून टपक रहा है। राजकुमार राव, दुलकर सलमान और आदर्श गौरव-स्टारर गन्स एंड गुलाब्स के बाद नेटफ्लिक्स के साथ राज और डीके का यह दूसरा कोलेबोशन है। रक्त ब्रह्माण्ड: द ब्लडी किंगडम का पहला पोस्टर शेयर करते हुए नेटफ्लिक्स के इंस्टाग्राम पर कैप्शन लिखा गया- हमें बड़ी खबर मिली है जो आपके खून में हलचल मचा देगी! हम अपनी पहली एक्शन-फैंटेसी सीरीज को अनाउंस करते हुए काफी एक्साइटमेंट हो रही है।यह सीरीज एक रोमांचक और रोमांचक कहानी का वादा करती है, जो एक फिक्शनल साम्राज्य में सेट है, जिसमें पावरफुल एक्शन और शानदार सीन देखने को मिलेंगे। शूटिंग जल्द ही शुरू होगी वहीं कलाकारों का ऑफिशियल अनाउंसमेंट होना अभी बाकी है। नेटफ्लिक्स के साथ अपने रोमांचक कोलेबोशन के बारे में बात करते हुए, राज और डीके ने कहा- हमारे लिए भी यह कुछ नया है जो इसे और भी रोमांचक बनाता है। हमारा लक्ष्य एक ऐसी फिक्शनल दुनिया बनाना है जो हमें बचपन में सुनी गई कहानियों की याद दिलाता हो। नेटफ्लिक्स के साथ काम करना शानदार रहा है और रक्त ब्रह्माण्ड के लिए भी हम काफी एक्साइटेड हैं।इसके बाद, राज और डीके की सिटाडेल का हिंदी वर्जन रिलीज करेंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई-बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की ख़ुश्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे।कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई ख़ास ही आज आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। जिसकी वजह से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को ज़िंदगी में जगह भी दे सकते हैं. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दफ़्तर में आपको पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दरअस्ल आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियों में जाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करें। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने शौक और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद-विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही ख़राब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक-मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। प्यार-मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे। रिश्तेदारों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में परेशानी पैदा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके भाई-बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। अगर आप हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ नाकामी आपके हाथ लगेगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमानी पल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 03 अगस्त 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी दोपहर 03:53 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु प्रातः 11:53 तक
योग : वज्र प्रातः 11:00 तक
करण : शकुन दोपहर 03:53 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शनि चतुर्दशी सिद्धि योग

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

धनकुबेर निकला सांचौर नगर परिषद आयुक्त योगेश आचार्य

छापेमारी में एसीबी ने 22 लाख कैश, लग्जरी वाहन और प्रॉपर्टी पेपर किए जब्त

सांचौर, 02 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के सांचौर जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी की अलग-अलग टीमों द्वारा कार्रवाई करते हुए सांचौर नगर परिषद के सहायक प्रशासनिक अधिकारी व कार्यवाहक आयुक्त योगेश आचार्य के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में सांचौर, सुमेरपुर, पाली, जोधपुर और जयपुर स्थित नौ ठिकानों पर छापा मारकर तलाशी अभियान चलाया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि मुख्यालय को गोपनीय शिकायत मिली कि योगेश आचार्य सहायक प्रशासनिक अधिकारी व कार्यवाहक आयुक्त नगर परिषद सांचौर द्वारा अपने एवं अपने परिजनों के नाम से भ्रष्टाचार के साधनों द्वारा अपनी वैध आय से अधिक संपत्ति अर्जित की गई है, जिनकी बाजार कीमत करोड़ों रुपये से अधिक है।

बता दें कि जिसकी शिकायत पर एसीबी जोधपुर ग्रामीण इंटेलिजेंस शाखा द्वारा

शिकायत का गोपनीय सत्यापन किया और आय से अधिक संपत्तियां अर्जित का मामला बना पाए जाने पर प्रकरण दर्ज कर एसीबी जोधपुर के उप महानिरीक्षक हरेंद्र महावर के सुपरविजन में एसीबी की विशेष अनुसंधान इकाई जयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप सारस्वत के नेतृत्व में सक्षम न्यायालय से तलाशी वारंट प्राप्त कर एसीबी की अलग-अलग टीमों द्वारा शुक्रवार को योगेश आचार्य के सांचौर, सुमेरपुर, पाली, जोधपुर और जयपुर स्थित नौ जगह पर तलाशी कार्रवाई की गई। तलाशी कार्रवाई के दौरान आरोपी योगेश आचार्य के विभिन्न ठिकानों की तलाशी में 22 लाख से अधिक रुपये की नकद राशि, सात आवासीय एवं व्यावसायिक भूखंडों के दस्तावेज, लग्जरी वाहन 40 से अधिक, महंगी ब्रांडेड घड़ियां, एक गोल्ड प्लेटेड मोबाइल फोन और सोने चांदी के आभूषण मिले हैं। इसके अलावा एक बैंक लॉकर एवं अनेक खाते भी टीम को मिले हैं।

ब्यूरो के प्राथमिक आकलन में प्रथम सूचना रिपोर्ट एवं अब तक मिले दस्तावेज के अनुसार, आरोपी योगेश आचार्य द्वारा करोड़ों रुपये की बाजार कीमत की अनेक परिसंपत्तियों अर्जित करने का अनुमान है, जो उनकी वैध आय से आनुपातिक रूप से अधिक है। मामले में एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में एसीबी की विभिन्न टीमों द्वारा आरोपी के ठिकानों पर तलाशी अभियान जारी है। मामले में एसीबी द्वारा आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

सीमेंट कंपनी से चोरी सवा करोड़ की नकदी कुचामन सिटी से बरामद

चित्तौड़गढ़/डीडवाना, 02 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में डीडवाना जिला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। चितौड़गढ़ के निंबाहेड़ा की जेके सीमेंट कंपनी से चोरी हुए एक करोड़ 20 लाख रुपये बरामद किए। यह राशि आरोपी के मामा के कुचामन स्थित घर से बरामद की गई है। बता दें कि मामला बेहद रोचक है। यह पूरी घटना निंबाहेड़ा में हुई। जहां जेके सीमेंट कंपनी के रुपये कर्मचारी अंकित मोरे ने चोरी किए और अपने मामा के घर छुपा दिए। कंपनी के प्रतिनिधि की तरफ से इस चोरी को लेकर निंबाहेड़ा थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। इसमें मौलासर निवासी कंपनी के कर्मचारी अंकित मोरे पर चोरी का संदेह जताया और 12 लाख 50 हजार रुपये चोरी होने की रिपोर्ट दी। निंबाहेड़ा पुलिस ने इसकी सूचना मौलासर पुलिस को दी, ताकि अंकित मोरे के घर और उसके परिचितों के यहां तलाशी की जा सके। यहां मौलासर पुलिस ने आरोपी के मामा के कुचामन स्थित घर की तलाशी ली तो पुलिस हैरान रह गई। जो राशि बताई थी, उससे कई गुना ज्यादा राशि एक बैग में मिली। पुलिस ने इन नोटों को गिना तो एक करोड़ 20 लाख रुपए हुए, जिन्हें मौलासर पुलिस ने जब्त कर लिया। साथ ही चितौड़गढ़ की निंबाहेड़ा थाना पुलिस को इसकी सूचना भी दी है।

तस्करों व पुलिस में मुठभेड़ एक गौतस्कर गिरफ्तार

भरतपुर, 02 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में डीग जिले के कैथवाड़ा थाना क्षेत्र में गौ तस्करों और पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक गौ तस्कर को गिरफ्तार किया।

थाना अधिकारी मदन लाल ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार देर रात त्वरित कार्रवाई दल (क्यूआरटी) से गौ तस्करों के बारे में सूचना मिलने पर पुलिस दल ने खेड़ा बासौली में बंद पड़े क्रेशर जोन पर नाकाबंदी की। तभी तेज रफ़्तार एक पिकअप के इशारा करने पर भी नहीं रुकी तो उसका पीछा किया। इस पर गौ तस्करों ने पुलिस पर गोलियां चलाई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाई और पिकअप के टायर को गोली मारकर पंचर कर दिया।

उन्होंने बताया कि इस पर गौतस्कर उभाका और तिलकपुरी के कच्चे रास्ते पर जंगल में पिकअप को छोड़कर फरार हो गए, लेकिन एक गौ तस्कर को पुलिस ने दबोच लिया। जिसकी पहचान सहसन के जुरहरा थाना क्षेत्र के कमल के रूप में हुई है। पिकअप में निर्दयता से ठूंस कर रखे गए चार गौवंश बरामद हुए जिसमें एक सांड मृत मिला। साथ ही केबिन में तलाशी के दौरान तीन जिंदा कारतूस और एक खाली कारतूस भी मिला। पुलिस ने गौ गौवंश को गौशाला भिजवा दिया।

जयपुर बम ब्लास्ट में सरकार को बड़ी सफलता

सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों पर केस चलाने की मंजूरी दी

जयपुर, 02 अगस्त (एजेंसियां)। वर्ष 2008 के जयपुर सीरियल बम धमाकों से संबंधित चार महत्वपूर्ण मामलों में विशेष अनुमति याचिकाएं (एसएलपी) सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को स्वीकार कर ली हैं। ये मामले जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस अरविंद कुमार के समक्ष सूचीबद्ध किए गए हैं। गौरतलब है कि बम ब्लास्ट के आरोपियों को पिछले साल 29 मार्च 2023 को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया था। इसके बाद बीजेपी ने तत्कालीन सरकार पर आरोपियों को बचाने के आरोप लगाए गए थे। प्रदेश की भजनलाल सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की थी।

अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने जानकारी दी कि राजस्थान सरकार ने इन याचिकाओं को बम ब्लास्ट के मुख्य अभियुक्तों सैफुर्रहमान अंसारी और शहबाज हुसैन के खिलाफ दाखिल किए थे। ये अभियुक्त साल 2008 में जयपुर में हुए भयानक घटना के दौरान बम लगाने और उसे अंजाम देने में मुख्य भूमिका निभा रहे थे। केंद्र सरकार के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त महाधिवक्ता

शिवमंगल शर्मा ने राजस्थान सरकार की ओर से एसएलपी लेकर पेश हुए थे।

बताते चलें कि शिवमंगल शर्मा, जिन्होंने सबसे पहले पीड़ितों का प्रतिनिधित्व किया और सर्वोच्च न्यायालय में पहली एसएलपी दायर की, ने इसे सफलतापूर्वक स्वीकार कराया। इसके बाद, राज्य सरकार ने उन्हें बम धमाकों के मामलों में राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए विशेष वकील नियुक्त किया। अब, अतिरिक्त महाधिवक्ता के रूप में, वे राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। प्रारंभिक ट्रायल कोर्ट ने सैफुर्रहमान अंसारी को दोषी ठहराया था, जिसमें एफआईआर संख्या 118/2008 में उन्हें मृत्युदंड और कई अन्य एफआईआर (117/2008, 119/2008, 120/2008, 130/2008, 131/2008, 132/2008, और 133/2008) में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। ये निर्णय और सजा 18 नवंबर 2019 और 20 दिसंबर 2019 को सुनाई गई थीं। हालांकि, राजस्थान उच्च न्यायालय ने बाद में सैफुर्रहमान अंसारी और शहबाज हुसैन को सभी मामलों में बरी कर दिया, जिसके चलते राज्य सरकार ने वर्तमान एसएलपी दाखिल की। सर्वोच्च न्यायालय का इन याचिकाओं को स्वीकार करना 2008 के जयपुर सीरियल बम धमाकों के पीड़ितों के लिए न्याय की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। जैसे-जैसे मामला आगे बढ़ेगा, कानूनी कार्रवाई पर करीबी नजर रखी जाएगी।

कांवड़ियों के दो गुटों में झगड़ा, छह लोग घायल

गुरुग्राम, 02 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में गुरुग्राम सेक्टर-12 ए में सावन शिवरात्रि के अवसर पर शुक्रवार को जलाभिषेक को लेकर दो गुटों में झगड़ा हो गया, जिसमें छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सेक्टर-12 ए के प्रेम नगर में शिव मंदिर में गंगाजल चढ़ाने के बाद स्थानीय कांवडियों के दो गुट भिड़ गए और उनके बीच लाठी-डंडे चलने के साथ पथराव भी हुआ व कई वाहनों की भी तोडफ़ोड़ की गई। छह लोग घायल हुए जिन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा।

हालात को काबू करने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। पुलिस के अनुसार स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, लेकिन नियंत्रण में है। बताया जाता है कि कावड़ लेने जाते समय 27 जुलाई को दोनों गुटों में विवाद हो गया था, तब दोनों गुटों ने एक दूसरे को धमकी भी दी थी।

महिला के हाथ पैर बांध घर से लाखों के जेवर और नगदी ले उड़े बदमाश

अंबाला, 02 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के शहजादपुर थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव में गैस पाइप चेक करने के बहाने घर में घुसे दो बदमाशों ने महिला के हाथ-पांव बांधकर लूट की। बदमाशों ने एक अगस्त की दोपहर को वारदात को अंजाम दिया। पहले तो बदमाश महिला सोनिया को गैस पाइप देखने की बात बोलकर घर में दाखिल हुए। पाइप देखने के बाद महिला से पूछा कि पति कहां है और कब तक आएंगे।

महिला ने शिक्षा विभाग पंचकूला में बतौर क्लर्क तैनात अपने पति संदीप से फोन कर युवकों के बारे में बताया ही था कि चंद ही मिनटों में दोबारा युवक घर में जबरन घुसे और महिला के हाथ-पांव बांध मुंह में कपड़ा डाल दिया। पहले हुए जेवरात उतारने के अलावा घर को खंगालते हुए अन्य जेवरात व 20 हजार की नगदी ले उड़े। शहजादपुर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पीड़ित परिवार के पास जब रिश्तेदारों ने डेराबस्सी में हुई चोरियों के आरोपियों की फोटो देखने के लिए भेजी तो पीड़ित ने आरोपी को पहचान लिया। पुलिस अब आरोपी की तलाश में जुट गई है। शिकायतकर्ता शेरपुर गांव निवासी संदीप कुमार ने बताया कि वह शिक्षा विभाग पंचकूला कार्यालय में क्लर्क है। एक अगस्त को वह अपने निजी काम से अंबाला गया हुआ था। दोपहर एक बजे पत्नी का फोन आया कि घर पर दो युवक आए हैं। पिता का नाम बोलते हुए कहा कि वह गैस कंपनी की तरफ से पाइप चेक करने के लिए आए हैं। पाइप चेक करने के बाद आरोपियों ने पूछा कि पति कहां पर है तो सोनिया ने कहा कि वे थोड़ी देर में आ रहे हैं। इस पर बदमाश चले गए।

पत्नी का उन्हें फोन आया तो उन्होंने आधे घंटे में आने की बात कही। जब आधे घंटे बाद वे लौटे तो देखा कि घर पर पड़ोसी खड़े हुए थे। पत्नी सोनिया ने बताया कि जिन दो युवकों के बारे में फोन किया था, वे फोन करने के 10 मिनट बाद घर में दोबारा आ गए थे। आरोपी पत्नी के पहने हुए व अलमारी से लाखों के जेवरात व 20 हजार की नगदी ले उड़े। पीड़ित महिला ने बताया कि आरोपियों ने एक अन्य को फोन कर गाड़ी मंगवाई और उसे कमरे में बंधा छोड़कर फरार हो गए। शोर सुनने के बाद पहुंचे पड़ोसियों ने पुलिस को सूचित किया।

सीएम फ्लाइंग ने श्रम विभाग के कार्यालय में दी दबिश, दो कर्मी मिले गैरहाजिर

कुरुक्षेत्र, 02 अगस्त (एजेंसियां)। शुक्रवार सुबह सीएम फ्लाइंग की टीम ने लघु सचिवालय की दूसरी मंजिल पर बने श्रम विभाग के कार्यालय में दबिश दी। इस औचक निरीक्षण से कार्यालय के कर्मियों में हड़कंप मच गया। टीम ने सबसे पहले हाजिरी रजिस्टर जांचा, जिसमें दो कर्मी अपनी ड्यूटी पर नहीं मिले। साथ ही विभाग की जिला अधिकारी भी मौके पर नहीं थीं। उनके पास यमुनानगर जिले का भी कार्यभार है। इसलिए वे यमुनानगर अपनी ड्यूटी पर हैं। सुबह करीब 10 बजे सीएम फ्लाइंग टीम ने श्रम विभाग के जिला कार्यालय में दस्तक दी। टीम ने आते ही कार्यालय में हाजिरी रजिस्टर जांचा। वहीं

टीम को कार्यालय से किसी तरह का रिकॉर्ड बरामद नहीं हुआ। साथ ही विभाग की 24 योजनाओं का रिकॉर्ड भी कार्यालय में मौजूद नहीं था। पूछताछ में कर्मियों ने रिकॉर्ड पंचकूला में जमा होने की बात बताई। फिलहाल टीम कार्यालय में आई शिकायतों की जांच करने में जुटे हैं। बताते चलें कि 12 जुलाई को टीम ने बिजली निगम के पिपली और कुरुक्षेत्र कार्यालय का निरीक्षण किया था। उससे पहले एलएनजेपी अस्पताल में एंबुलेंस और उससे संबंधित रिकॉर्ड खंगाला था।

बांसवाडा में ग्रामीणों के पथराव से पुलिसकर्मी घायल

जयपुर, 02 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में बांसवाड़ा जिले में प्रस्तावित परमाणु ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए आवंटित जमीन से ग्रामीणों को हटाने के दौरान शुक्रवार को पथराव करने से एक पुलिसकर्मी घायल हो गया वहीं पुलिस ने आसू गैस छोडकर लोगों को मौके से हटाने का प्रयास किया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक बांसवाड़ा के प्रताप डेरी गांव में 2800 मेगावाट का न्यूक्लियर पावर प्लांट लगना प्रस्तावित है। ऐसे में यहां से लोगों को दूसरी जगह शिफ्ट किया जा रहा है। लेकिन, मुआवजा देने के बाद भी ग्रामीण जमीन खाली नहीं कर रहे है। कथित तौर पर मुआवजा मिलने के बावजूद मौके पर काबिज लोगों को हटाने के लिए प्रशासन और पुलिस का दस्ता आज अल सुबह ही प्लांट परिसर पहुंच गया था।

ग्रामीणों ने इस पर ढोल बजाकर एकत्रित हुए और पुलिस पर पथराव किया। मौके पर बडी संख्या में तीन जिलों की पुलिस जाब्ता तैनात किया गया।

अंगदान मानवता की सेवा के लिए सर्वोच्च योगदान : खींवसर

जयपुर, 02 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि अंगदान मानवता की सेवा एवं समाज के लिए सर्वोच्च योगदान है। श्री खींवसर शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित अंगदान जागरूकता अभियान एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जीवनदान से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं हो सकता। यह गर्व की बात है कि अल्पावधि में ही राजस्थान ने अंगदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए कीर्तिमान बनाए हैं। राज्य में अंगदान को लेकर जो जनचेतना विकसित हुई है, उससे राजस्थान का गौरव बढ़ा है। अंगदान की ऑनलाइन शपथ में राजस्थान अव्वल है।

श्री खींवसर ने अंगदाताओं के परिवारों को सम्मानित करते हुए कहा कि ये परिवार अंगदान के क्षेत्र में प्रेरणा स्रोत हैं, जिन्होंने अपार दुःख की घड़ी में अपने परिजन के अंगदान करने का साहसिक फैसला किया है। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले राज्य में अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओसी का मामला सामने आया तो अंगदान का कार्य प्रभावित हुआ, लेकिन राज्य सरकार ने इस मामले में सख्त कार्रवाई की और नई समितियों का गठन किया। कई बाधाओं के बावजूद राज्य में अंगदान एवं प्रत्यारोपण का अभियान फिर मजबूती से खड़ा हो रहा है। हम इस मुहिम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पुरजोर प्रयास सुनिश्चित करेंगे। समारोह में अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने कहा कि राजस्थान में अंगदान का अभियान अब केवल राजकीय कार्यक्रम नहीं होकर जनअभियान बन चुका है। इस अभियान में लगातार बढ़ती जनभागीदारी इस बात का प्रमाण है कि आने वाले समय में राजस्थान अंगदान के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तेजस्वी यादव का एलान- अब हम जाएंगे कोर्ट

नीतीश कुमार और मोदी सरकार पर भरोसा नहीं

पटना (एजेंसियां)।

22 से 26 जुलाई तक बिहार विधानमंडल का सत्र पहले से तय था। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव बिहार विधानसभा के सदस्य भी हैं और विपक्ष के नेता भी। पांच दिवसीय सत्र में वह गैरहाजिर रहे और नेतृत्व विहीन विपक्ष ने हर बात पर वाकआउट से ज्यादा कुछ नहीं किया। बाहर सरकार को घेरते रहने वाले तेजस्वी यादव सत्र के समय पटना आ भी गए तो अंतिम दोनों दिन उनका इंतजार ही होता रहा। अब तेजस्वी यादव पूरे एक हफ्ते बाद मीडिया के सामने आए और उसी बात से शुरुआत की, जिसपर विपक्ष ने विधानसभा को लंबे समय तक बाधित रखा। तेजस्वी यादव ने कहा कि अब राजद आरक्षण को लेकर सड़क से कोर्ट तक जाएगा।

तेजस्वी ने कहा बिहार सरकार जातीय गणना करवाकर आरक्षण की सीमा को 75 प्रतिशत तक लेकर गई। इसके बाद भी हमलोगों को आशंका थी कि भाजपा के लोग किसी न किसी तरह से कोर्ट में अपने मुहरों को खड़ा करवा आरक्षण को प्रभावित करने की कोशिश करेगी।

इसीलिए हमलोगों ने मांग रखी थी कि थी कि तमिलनाडु की तर्ज पर बिहार में आरक्षण व्यवस्था को शेड्यूल नौ पर डाल जाए, ताकि इससे कोई छेड़खानी न हो। इसको लेकर हमलोग केंद्र सरकार से मिले थे। लेकिन, कोई फायदा नहीं हुआ। तेजस्वी ने कहा कि भाजपा आरक्षण के खिलाफ है। हमलोग आरक्षण को अनुसूची 9 में डालने की मांग कर रहे थे। लेकिन, हमारी मांग पूरी नहीं हुई। इसीलिए हमलोगों ने अब सड़क पर उतरने का फैसला लिया है। एनडीए की सरकार नहीं चाहती है कि बिहार में आरक्षण की सीमा बढ़े।

अब तो अनुसूची 9 को आरक्षण को डालने को लेकर भारत सरकार ने जवाब भी दे दिया है। भारत सरकार ने यह कहा कि अनुसूची 9 में आरक्षण को डालने का अधिकार केवल केंद्र सरकार का ही है। राज्य सरकार का नहीं है। ईस्ट जोन की बैठक में हमलोगों ने मांग की थी। लेकिन, उस समय भी कोई सुनवाई नहीं हुई।

अब भाजपा और जदयू वाले मुंह में दही जमाकर बैठे हैं। जदयू तो अब भारत सरकार का हिस्सा है। देश और राज्य के लोगों को हमलोग सूचित कर रहे हैं कि छऊअ सरकार बिहार के लोगों का वोट लेकर बिहार के लिए काम नहीं कर रही है। न विशेष राज्य का दर्जा दिया और न ही आरक्षण को नौवीं अनुसूची में डाल रही है। विशेष पैकेज ने नाम पर भी ठग लिया।

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा आरक्षण के मामले पर पारदर्शिता नहीं रखी गई है। मुख्यमंत्री चुप हैं। नीतीश कुमार इतनी सीट लाने के बावजूद सुपर फ्लॉप हो चुके हैं। क्या-क्या नहीं किया गया था बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए! अब नीतीश कुमार के समर्थन वाली सरकार खुद कह रही है कि हमलोग विशेष राज्य का दर्जा नहीं देंगे।

अनुसूची 9 पर भी भारत सरकार तैयार नहीं हो रही है। जदयू की बात ही भाजपा वाले नहीं सुन रहे हैं। न विशेष राज्य का दर्जा मिला और न ही आरक्षण। आरक्षण की लड़ाई को लेकर हमलोग सड़क पर आंदोलन तो करेंगे ही और कोर्ट में अपना पक्ष रखेंगे। अगले सोमवार तक हमलोग अपना पक्ष सुप्रीम कोर्ट में रखेंगे। कोर्ट में बिहार सरकार के क्या पक्ष रख रही है इसपर राजद और बिहार की जनता को भरोसा नहीं है। इसीलिए हमलोग इस मुद्दे पर कोर्ट जाएंगे।

पटना में युवक की गोली मारकर हत्या, विरोध में सड़क पर उतरे लोग कर रहे जमकर बवाल

पटना (एजेंसियां)।

पटना के बिहटा में अपराधियों द्वारा एक युवक की हत्या के विरोध में शुक्रवार को ग्रामीण सड़क पर उतर आए। ग्रामीणों ने पटना बिहटा मार्ग को जाम कर जमकर प्रदर्शन किया। सड़क पर टायर जलाकर आगजनी की। इससे आवागमन बाधित हो गया। प्रदर्शन कर रहे लोग अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। लोगों का कहना है कि अपराधियों बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं लेकिन पुलिस कुछ भी नहीं कर पा रही है। एक निर्दोष की हत्या कर दी गई और अब तक उसके हत्यारे गिरफ्तार नहीं हो पाए। लोगों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाया। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने बुझाने में जुट गए हैं।

बताया जा रहा है कि गुरुवार की देर रात पटना से वापस अपने घर नेउरा गंज लौट रहे सत्यम कुमार (23 वर्ष) को अपराधियों ने गोली मार दी थी। इलाज के लिए सत्यम कुमार को दानापुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनकी मौत हो गई थी। आसपास ग्रामीणों ने बताया कि सत्यम कुमार को बेंगलुरु के एक्सिस बैंक में जॉब हो गई थी। ट्रेनिंग पूरा करने के बाद वह वापस अपने घर बिहटा लौटा था। शुक्रवार को उसे ज्वाइन करने बेंगलुरु जाना था। इसी को लेकर गुरुवार को वह अपनी बहन के साथ मार्केटिंग करने गया पटना शहर आया था। गुरुवार की देर रात जब वह मार्केटिंग कर अपने गांव लौट रहा था। इसी क्रम में नेउरागंज के पास अपराधियों ने सत्यम कुमार को गोलियों से भून डाला।

इधर, मामले पर पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी पंकज मिश्रा ने बताया कि अपराधियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि एफएसएल टीम के माध्यम से भी घटना स्तर पर जांच की जा चुकी है। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरा को भी पुलिस खंगालने में जुट गयी है। इसके बाद पुलिस अपराधियों के गिरफ्तारी के लिए सभी तरह के टेक्निकल एविडेंस के साथ छापेमारी कर रही है।

एंटी पेपर लीक कानून : पिछली बार परीक्षा के समय पहुंचे थे उत्तर

पटना (एजेंसियां)।

दूध का जला छाछ भी फूंक कर पीता है... कुछ इसी तर्ज पर इस बार बिहार में सिपाही भर्ती परीक्षा ली जाएगी। सिपाही भर्ती परीक्षा में वही कानून लागू होगा, जो पिछले महीने बिहार विधानमंडल से पास हुआ है- एंटी पेपर लीक कानून। रिटायरमेंट के बाद केंद्रीय चयन (सिपाही भर्ती) पर्षद के अध्यक्ष बनाए गए भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी संजीव कुमार सिंघल के राज में पिछले साल परीक्षा शुरू हुई तो प्रश्नपत्र का हल तैयार होकर परीक्षा भवन में पहुंचा मिला था। एक नहीं, कई जगह मिला। दूसरे परीक्षार्थी की जगह परीक्षा देने वाले भी पकड़े गए। इतनी तरह की गड़बड़ी सामने आई, लेकिन केंद्रीय चयन पर्षद के तत्कालीन अध्यक्ष एसके सिंघल ने इन सभी बातों को नकारते हुए कोई कार्रवाई नहीं की। मामला आर्थिक अपराध शाखा के पास गया और अंतत: तीन अक्टूबर को आदेश आया कि ली जा चुकी परीक्षा रद्द हो गई है और आगे वाली स्थगित। उसके बाद सीएम नीतीश कुमार ने डीजी शोभा ओहटकर को जिम्मेदारी दी, वह भी परीक्षा नहीं ले सकीं। अब आईपीएस जितेंद्र कुमार ने केंद्रीय चयन (सिपाही भर्ती) पर्षद के अध्यक्ष के रूप में इसकी तैयारी रखी है। एडमिट कार्ड जारी हो चुके। शुक्रवार को उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस परीक्षा में भी एंटी पेपर लीक कानून लागू होगा।

बिहार पुलिस सिपाही भर्ती की लिखित परीक्षा 7, 11, 18, 21, 25 और 28 अगस्त 2024 को आयोजित की जाएगी। लिखित परीक्षा ओएमआर शीट पर होगी। छह पालियों में यह परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रत्येक दिन एक पाली में परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा का समय दोपहर 12 बजे से दो बजे तक रहेगा। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों पर सुबह साढ़े नौ बजे रिपोर्ट करना होगा। परीक्षा केंद्र में प्रवेश सुबह साढ़े 10 बजे बंद कर दिया जाएगा।

बेगूसराय में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री के साथ युवक गिरफ्तार

सेना का जवान निकला आरोपी

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। जहां पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है। हालांकि बताया जा रहा है कि युवक सेना का जवान है। पुलिस उस युवक से पूछताछ कर रही है। बेगूसराय पुलिस को यह सफलता गुप्त सूचना के आधार पर लोहिया नगर थाना पुलिस की मदद से लोहिया नगर रेलवे ओवर ब्रिज के पास मिली है।

जानकारी के मुताबिक, पकड़े गए युवक की पहचान मटिहानी थानाक्षेत्र के खोरमपुर चकोर निवासी सिकंदर यादव के बेटे राज किशोर कुमार के तौर पर हुई है। उसके पास से 75 डेटोनेटर एक्सप्लोसिव और 90 एक्सप्लोसिव मैटेरियल बरामद किया गया है। पकड़े गए आरोपी से पुलिस के वरीय अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। उसके बाद ही मामले का खुलासा होगा।

बताया जा रहा है कि देर रात पुलिस को सूचना मिली कि भारी मात्रा में डेंजर एक्सप्लोसिव लेकर एक व्यक्ति जा रहा है। इसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर ओवर ब्रिज के पास से उसे पकड़ लिया। उसके पास से बरामद मोबाइल की भी जांच चल रही है। बताया जा रहा है कि पकड़ा गया राज किशोर कुमार करीब डेढ़ वर्ष पहले सेना में बहाल हुआ था। वह पिछले तीन-चार दिन से गांव में ही रह रहा था। इस संबंध में अभी कोई विशेष खुलासा नहीं हो सका है।

एसपी मनीष ने बताया कि संदेह के आधार पर एक युवक को पकड़ा गया। उसके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामान बरामद किए गए हैं। इस विस्फोटक सामान का प्रयोग मकान को गिराने और लैंड माइंस लगाने में किया जाता है। मामले की जांच और आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उसके सेना में रहने की जानकारी मिली है।

ताड़ का पेड़ टूटकर गिरने से दो लोगों की मौत, गुस्साए परिजनों ने सड़क पर जमकर किया हंगामा

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। मामला बिहार शरीफ के बिहार थानाक्षेत्र के कागजी मोहल्ले का है। जहां अचानक बीच सड़क पर ताड़ का पेड़ टूट कर बाइक सवार के ऊपर गिर गया, जिससे कुचलकर दो लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद आवागमन भी बाधित हो गया। मृतकों की पहचान बिहार थानाक्षेत्र के इमादपुर निवासी मो. शाहबाज और मो. सुजाउल के रूप में की गई है। दोनों की उम्र 20-21 साल है।

घटना को लेकर परिजनों ने बताया कि दोनों दोस्त किसी काम से बाजार निकले थे। तभी कागजी मोहल्ला स्थित पुराना ताड़ का पेड़ का ऊपरी हिस्सा अचानक टूट कर गिर गया, जिससे कुचलकर दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि दोनों युवक आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र समेत अन्य प्रमाण पत्र बनाने का काम करते थे।

वहीं, इस हादसे के बाद घटनास्थल पर पहुंचे परिजन और मोहल्ले वासियों ने आक्रोशित होकर जमकर हंगामा किया और अस्पताल चौक पहुंच आवागमन को पूरी तरह से बाधित कर दिया। परिजन इस हादसे का जिम्मेवार वन विभाग और स्थानीय पुलिस को ठहरा रहे हैं।

इस दौरान गुस्साए लोगों द्वारा स्थानीय दुकानदारों की दुकानें जबरन बंद कर दी गईं। वहीं, बिजली ऑफिस में भी तोड़फोड़ की गई। मीडिया कर्मियों के भी कैमरे बंद करने की सख्त हिदायत भीड़ द्वारा दी गई। परिजन मृतकों के आश्रितों को नौकरी, मुआवजा देने और वरीय अधिकारियों को घटनास्थल पर बुलाने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद बिहार थाना, लहेरी थाना, सोहसराय थाना, ट्रैफिक थाना की पुलिस और वरीय पदाधिकारी मौके पर पहुंचकर आक्रोशितों को समझाने-बुझाने की कोशिश में जुट गए हैं।

नगर निकाय की स्वायत्तता में नहीं आएगी कमी अधिकारों का ख्याल रखेगी सरकार : मंत्री

पटना (एजेंसियां)।

पटना के विकास भवन में नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि नगरपालिका विधेयक 2024 को लेकर मंगलवार को विकास भवन में कई नगर पालिकाओं के महापौर और नगर परिषद के सदस्यों के साथ चर्चा हुई। जहां माननीय मंत्री जी ने उनके द्वारा दिए गए सुझाव को सुना, साथ ही उसपर सकारात्मक रूप से विचार करने के लिए आश्वस्त किया। कि विधेयक पर बैठक के दौरान महापौर और नगर परिषद के सदस्यों द्वारा कई तरह के विचारों को साझा किया गया, जिसे सुनने के बाद आश्वस्त किया गया कि नगर पालिका की स्वायत्तता में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आएगी। साथ ही नगर पालिका के अधिकारों को पूरी तरह से सुरक्षित रखा जायेगा। यह बातें उन्होंने पटना के विकास भवन में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहीं।

मंत्री नितिन नवीन ने पटना के मौर्या होटल में गुरुवार को आयोजित होने वाले अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सर्वोत्तम अभ्यास और रोडमैप विकसित करना से जुड़ी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस एकदिवसीय

आयोजन में सभी 19 नगर निगमों के महापौर तथा नगर आयुक्त, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, उत्तरप्रदेश, हरियाणा तथा तमिलनाडु समेत आठ राज्यों के नगर विकास विभाग के पदाधिकारी तथा देश एवं विदेश की 24 कम्पनियों के प्रतिनिधि, भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के निदेशक विनय कुमार झा और आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ शामिल होंगे। इस दौरान विभिन्न राज्यों या कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्यों के संबंध में प्रस्तुतिकरण दिया जायेगा।

मंत्री ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के राज्य के शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, उपयोग किये गये जल का प्रबंधन, शौचालय का निर्माण, सूचना, शिक्षा एवं संचार एवं क्षमता वर्द्धन से संबंधित योजनाओं का कार्यान्वयन किया जाना है। राज्य के नगर निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु एकीकृत समेकित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पद्धति अपनायी जा रही है। इसके अंतर्गत राज्य के नगर निकायों को क्लस्टर के रूप में विभाजित कर योजना का कार्यान्वयन किया जाना है। इसके अंतर्गत एक नगर निकाय को के रूप में चिन्हित कर प्रसंस्करण संयंत्र लगाये जाने का प्रस्ताव है। आधुनिक तकनीक के आधार पर समेकित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु सर्वप्रथम राज्य की राजधानी पटना एवं इसके आस-पास के 11 अन्य नगर निकायों में योजना का कार्यान्वयन जन-निजी सहभागिता के आधार पर किया जाना प्रस्तावित है।

बाइक सवार बदमाशों ने दो भाइयों को मारी गोली

घटना के बाद आरोपी फरार

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली में दो भाइयों को गोली मारने का मामला सामने आया है। गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर आसपास के लोग जुट गए। परिवार वालों ने घायल को इलाज के लिए आनन-फ्फानन में हाजीपुर सदर अस्पताल भर्ती कराया। सदर अस्पताल में डॉक्टर के द्वारा घायल का इलाज किया जा रहा है।

दोनों युवक को पैर में गोली मारी गई है। डॉक्टर के मुताबिक दोनों युवक खतरे से बाहर बताया गया। घायल युवक कंचनपुर निवासी दुलार महतो के पुत्र सुनील महतो एवं सागर महतो पुत्र पंकज कुमार बताया गया। घटना के संबंध में बताया गया कि दोनों भाई घर के पास खड़ा था। पड़ोस के लोग से किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था।

इसी दौरान बाइक सवार अज्ञात बदमाश मौके पर पहुंचकर दोनों भाई को गोली मारकर घायल कर दिया।

परिवार वालों ने दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भर्ती कराया। फिलहाल परिवार के लोग घायल का इलाज करने में जुटे हैं। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com